जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 247 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 10 जुलाई, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप की 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी से ब्रिक्स देश सहम गए

नये सदस्यों, सऊदी अरब व वियतनाम ने चुप्पी साधी। मलेशिया ने संतुलन बैठाया, यह कहकर कि उसका ब्रिक्स के सिद्धांतों में विश्वास है, पर, अमेरिका ''इकॉनमी'' की दृष्टि से उसका अति महत्वपूर्ण पार्टनर है''

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। जिसे ग्लोबल साउथ की एकजुटता का एक क्षण होना चाहिए था, ''रियो डी जिनेरो'' में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का वह भव्य समापन एक गंभीर स्थिति के साथ समाप्त हुआ। इसे ब्राज़ील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा ने होस्ट किया था। लेकिन समापन सत्र से कुछ घंटे पहले तब माहौल गंभीर हो गया, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक कूटनीतिक विस्फोट करते हुए एंटी-अमेरिकी नीतियों को बढ़ावा देने वाले किसी भी देश पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाने की घोषणा की।

नाम नहीं लिए गए थे, लेकिन लक्ष्य स्पष्ट था। दस सदस्यीय ब्रिक्स समूह, जिसमें अब ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, और दक्षिण अफ्रीका के अलावा, ईरान, सऊदी अरब, और मलेशिया जैसे देश भी शामिल हो गए हैं, को अब चेतावनी दी जा चुकी थी। संदेश अस्पष्ट नहीं था। यह ट्रंप का परंपरागत तरीका था, मुँहफट, एकतरफा और व्यवधान पैदा करने वाला।

समय भी उतना ही उत्तेजक था। ट्रंप की धमकी पुतिन के साथ फोन कॉल के बाद आई थी, जिसे ट्रंप ने ''बहुत निराशाजनक'' बताया था। एयर फोर्स वन से बोलते हुए, उन्होंने पत्रकारों से कहा कि उन्हें नहीं लगता कि पुतिन यूक्रेन युद्ध समाप्त करने को लेकर गंभीर हैं। इसके पीछे छिपा संदेश डरावना था। ट्रंप ब्रिक्स के बढ़ते प्रभाव और रूस की निंदा करने से इसके इन्कार को अमेरिकी भू-राजनीतिक प्रभुत्व के लिए एक खतरे के रूप में देख सकते हैं और वह उन्हें सजा देने के लिए तैयार हैं।

- **चीन, एक अन्य ब्रिक्स देश, तो खुलकर अमेरिका का सामना करने को तैयार है, पर, भारत तलवार की धार पर चल रहा है। भारत अन्य ब्रिक्स देशों के साथ ब्रिक्स सिद्धांतों पर समझौता तो नहीं करना चाहता, पर, ट्रंप की इस धमकी, कि जो ब्रिक्स देश अमेरिका के हितों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे, उन पर 10 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, ने भारत को भी नरम बनने के लिए मजबूर किया।**
- **भारत, गली ढूढ़ने का प्रयास कर रहा है कि अमेरिका के हितों का क्या मतलब है। क्या रूस से ऑयल खरीदना, ''अमेरिका विरोधी'' गतिविधि मानी जा सकती है या ईरान से व्यापार बढ़ाना, अमेरिका के हितों को कुठाराघात पहुँचाने वाली कार्यवाही करार दी जा सकती है या डॉलर के विकल्प के रूप में अन्य मुद्रा को पनपाना अमेरिका के व्यापारिक हितों के खिलाफ गतिविधि मानी जा सकती है।**
- **अगर हाँ, तो भारत के टैक्सटाइल्स, फार्मास्युटिकल्स और सॉफ्टवेयर के अमेरिका को निर्यात पर यदि 10 प्रतिशत टैरिफ लगाई गई तो भारत की इकॉनमी को अस्थिर करने के लिए यह पर्याप्त है।**
- **भारत ने होशियारी से कवच तो ओढ़ा, पर, लड़ने के लिए म्यान से तलवार नहीं निकाली।**

कुछ ही घंटों में वैश्विक बाजारों में हलचल मच गई। उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं गिर गईं। ब्रिक्स से जुड़े देशों के शेयरों में उतार-चढ़ाव आया। फिर भी रियो में एकत्रित नेताओं ने संयम बरतने का विकल्प चुना। लूला ने मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया। उनके वरिष्ठ सलाहकार, सेल्सो अमोरिम ने कहा कि इस तरह की धमकियां ''ब्रिक्स'' जैसी संस्था की आवश्यकता को ही दर्शाती हैं'' और खास तौर पर यह बताया कि ब्रिक्स ने किसी भी तरह से अमेरिका को धमकी नहीं दी है।

भारत का प्रतिनिधिमंडल, अधिकांश अन्य देशों की तरह, ''वेट एंड वॉच'' की स्थिति में था। आधिकारिक प्रतिक्रियाएं संतुलित थीं, अनौपचारिक टिप्पणियां और भी अधिक सतर्क थीं। कोई भी ट्रंप को उकसाना नहीं चाहता,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने पेपर लीक का सारा रिकॉर्ड गुरुवार को तलब किया

जयपुर, 9 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में राज्य सरकार से समस्त रिकार्ड तलब करते हुए मामले की सुनवाई गुरुवार को रखी है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश कैलाश चंद्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने याचिका पर प्रारंभिक आपत्ति दर्ज कराई। महाधिवक्ता ने कहा कि 13 अगस्त 2024 को एसओजी ने अपनी रिपोर्ट, अपनी सिफारिश भेजी थी और इसी दिन एसओजी की रिपोर्ट पेश करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की

- **सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि एसओजी जैसी संस्था से अनाधिकृत रिपोर्ट निकलना पेपर लीक होने के समान है।**

गई। महाधिवक्ता ने सवाल उठाते हुए कहा कि यह रिपोर्ट याचिकाकर्ता के पास कैसे आई, जबकि उसने सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कोई आवेदन ही नहीं किया था। इससे साबित होता है की याचिकाकर्ता का कंडक्ट उचित नहीं है। इस पर अदालत ने कहा कि एसओजी जैसी संस्था से अनाधिकृत रिपोर्ट निकलना आरपीएससी से पेपर लीक होने के समान है।

महाधिवक्ता की ओर से यह भी कहा गया कि एसओजी की सिफारिश के बाद महाधिवक्ता ने सिफारिश की और आखिर में कैबिनेट सब कमेटी ने अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने 200 व्यापारिक सौदे (ट्रेड डील्स) करने की बात की थी

पर, अब तक, सी.एन.एन. न्यूज़ के अनुसार, कुल ''तीन डील्स'' हस्ताक्षरित हुई हैं तथा अमेरिका को अन्य ''डील्स'' हस्ताक्षरित करने की अंतिम तिथि, 9 जुलाई से बढ़ाकर एक अगस्त करनी पड़ी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। आज 9 जुलाई है, जिस दिन ट्रंप द्वारा घोषित रैसिप्रोकल टैरिफ, जिसमें 2 अप्रैल (लिबरेशन डे) पर 90 दिन की मोहलत दी गई थी, प्रभावी होना था। यह तारीख आई और चली गई, लेकिन ऐसा लगता है कि कोई भी देश अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने की जल्दी में नहीं है। जिन देशों को ट्रंप ने उनके निर्यात पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, उनमें से कोई भी ऐसा नहीं दिखता, जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौता करने को लेकर उत्सुक या बेचैन हो। अमेरिका ने अब नए टैरिफ की शुरुआत की तारीख को 1 अगस्त तक टाल दिया है, ताकि कुछ व्यापार समझौते तब तक हो जाएं।

विडंबना यह है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 200 व्यापार समझौते करने का वादा किया था, लेकिन अब तक वे सिर्फ तीन ही कर पाए हैं, अमेरिकी समाचार नेटवर्क सीएनएन ने चुटीले अंदाज़ में यह खबर दी।

इसका कारण शायद यह नहीं है कि कुछ देशों को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि यह भी हो सकता है कि अमेरिकी व्यापार वार्ताकारों को खुद ही नहीं पता कि वे अपने साझेदारों से वास्तव में क्या चाहते हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, कई छोटे व्यापारिक देश अमेरिका को अपने बाज़ारों में अधिक

- **और, अधिक ट्रेड डील्स हस्ताक्षरित न होने के कारण यह नहीं है कि अन्य देश अमेरिका से ट्रेड डील फाइनल करने के इच्छुक नहीं हैं।**
- **वास्तविक कारण है कि अमेरिका मन नहीं बना पाया है कि ''टैरिफ रिवीज़न'' से अमेरिका चाहता क्या है।**
- **राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस संदर्भ में प्रारंभ में ही कहा था कि लगभग सभी देश, वर्षों से, कई दशकों से, अमेरिका को लूट रहे हैं तथा लूटने के बाद, अमेरिका के पीठ पीछे अमेरिका का मज़ाक भी बनाते हैं कि अमेरिका कितना ''बेवकूफ'' देश है।**
- **अब ट्रंप का मंतव्य है, विश्व के अन्य देशों से आगे बढ़कर, टैरिफ के माध्यम से ''दण्डनीय टैक्स'' वसूलना। अतः तीन छोटे-छोटे देशों से ''ट्रेड डील'' हस्ताक्षरित करके यह ''टैक्स'' पर्याप्त मात्रा में नहीं वसूला जा सकता। अतः ''ट्रेड डील'' साइन करने की तारीख अमेरिका ने स्वयमेव बढ़ाई है।**
- **वैसे भी सैंकड़ों देशों से हजारों आइटम्स पर टैरिफ निश्चित करना कोई बच्चों का खेल नहीं है। सभी देशों के ''प्रोफेशनल'' लगे हुए हैं और काम सिमटता नज़र नहीं आ रहा, चाहे कई बार अंतिम तारीख बढ़ाई जाये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में दिखा महागठबंधन की एकता का दम

राहुल और तेजस्वी ने मिल कर पटना में मतदाता सूची पूनरीक्षण के खिलाफ आयोजित विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ पटना में एक विरोध-जुलूस का नेतृत्व किया।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव भी राहुल के साथ शामिल हुए, यहाँ तक कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक बिहार की राजधानी में सड़कों पर उतर आए और उन्होंने दुकानें तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद कराने का प्रयास किया।

राहुल और तेजस्वी ने चुनाव आयोग के पटना कार्यालय तक जुलूस निकाला। यह प्रदर्शन बिहार में चुनावों से पहले विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ था। इस प्रक्रिया ने मताधिकार से वंचित किए जाने की आशंका को जन्म दिया है।

पुलिस ने इस जुलूस को मंगलेस रोड पर स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय की ओर बढ़ने से रोकने की कोशिश की, लेकिन सैकड़ों राजद कार्यकर्ता और समर्थक सड़कों पर डटे रहे।

राजद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के कार्यकर्ताओं ने पटना के मनेर इलाके में टायर जलाए और सड़कों को अवरुद्ध किया। राज्यभर में कई ट्रेनों को रोका गया, जिनमें श्रमजीवी एक्सप्रेस और विभूति एक्सप्रेस भी शामिल थीं।

बिहार के अन्य हिस्सों में भी मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ जुलूस निकाले गए, जहां प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत निर्वाचन आयोग

- **बिहार की राजधानी पटना और राज्य के कई अन्य शहरों में बंद का काफी असर दिखा। आरजेडी और कांग्रेस के कार्यकर्ता साथ मिल कर दुकानें व व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद कराते देखे गए।**
- **पटना में प्रदर्शनकारियों ने चुनाव आयोग के राज्य कार्यालय तक मार्च किया। पुलिस बल प्रदर्शनकारियों को रोकने की मशक्कत करते दिखा।**
- **विपक्षी दलों का आरोप है कि पुनरीक्षण की घोषणा जानबूझकर देरी से की गई और ऐसे दस्तावेज़ माँगे गए हैं, जिनसे पिछड़े व गरीब मतदान से वंचित हो जाएं।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गहरे समुद्र में बचाव में सक्षम युद्धपोत नौसेना में शामिल

नयी दिल्ली, 09 जुलाई। गहरे समुद्र में गोताखोरी तथा बचाव अभियान चलाने में सक्षम स्वदेशी युद्धपोत ''निस्तार'' नौसेना के बेड़े में शामिल हो गया है। देश की प्रमुख शिपयार्ड कंपनी हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड ने मंगलवार को विशाखापत्तनम में नौसेना को यह युद्धपोत सौंपा।

इस युद्धपोत को भारतीय नौवहन के अनुसार डिज़ाइन और निर्मित किया गया है और यह गहरे समुद्र में गोताखोरी तथा

- **हिन्दुस्तान शिपयार्ड द्वारा निर्मित पूर्णतया स्वदेशी युद्धपोत विशाखापतनम में नौसेना को सौंपा गया।**

बचाव अभियान चला सकता है। इसके साथ ही भारतीय नौसेना यह क्षमता हासिल करने वाली दुनिया की चुनिंदा नौसेनाओं में शामिल हो गयी है।

इस युद्धपोत का नाम 'निस्तार' संस्कृत से लिया गया है जिसका अर्थ मुक्ति, बचाव या मोक्ष है। निस्तार 118 मीटर लंबा है और लगभग दस हजार टन भार वाले इस युद्धपोत में अत्याधुनिक गोताखोरी उपकरण लगे हैं।

11 जुलाई को तय समय पर देश भर में रिलीज़ होगी ''उदयपुर फाइल्स''

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका अवकाश के बाद नियमित बैंच के सामने पेश की जाए। तब तक फिल्म रिलीज़ होने दी जाए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को दर्जी कन्हैयालाल साहू की हत्या पर आधारित फिल्म ''उदयपुर फाइल्स'' की रिलीज़ पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया और हत्याकांड के एक आरोपी को कोई तात्कालिक राहत देने से भी मना कर दिया। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज़ होने जा रही है। संदर्भित याचिका हत्याकांड के एक आरोपी ने दायर की थी।

फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा भी दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि इस फिल्म में जिस प्रकार का संदेश दिया गया है, उसके कारण देश के विभिन्न भागों साम्प्रदायिक हिंसा होने की आशंका है। उन्होंने फिल्म के ट्रेलर को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से भी रिलीज़ रद्द करने की मांग की थी।

सेंसर बोर्ड का कहना है कि ''उदयपुर फाइल्स'' फिल्म से आपत्तिजनक हिस्सों को हटा दिया गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फिल्म के निर्माता से यह भी कहा है कि वे इस मामले में उपस्थित वकीलों - कपिल सिब्बल (मदनी की ओर से) और एएसजी चेतन शर्मा (सीबीएफसी की ओर से) - के लिए फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित करें।

याचिका में कहा गया है कि फिल्म का ट्रेलर यह दर्शाता है कि साहू की हत्या मुस्लिम समुदाय के नेताओं की मिलीभगत से की गई थी, और यह इस प्रकार का संदेश हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच गंभीर दरार पैदा कर सकता है।

याचिका में कहा गया, ''यह ट्रेलर पूरे मुस्लिम समुदाय को पूर्वाग्रह के साथ प्रस्तुत करता है, जिससे समुदाय के सदस्यों के गरिमापूर्ण जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन होता है। यह फिल्म अत्यंत भड़काऊ प्रकृति की है, जो समुदायों के बीच फूट डाल सकती है और देशभर में सार्वजनिक शांति व कानून-व्यवस्था के लिये गंभीर अव्यवस्था का कारण बन सकती है।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने याचिका को शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया और कहा कि मोहम्मद जावेद (हत्या के एक आरोपी) द्वारा दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट के ग्रीष्म अवकाश के बाद 14 जुलाई को समुचित पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि इस बीच फिल्म रिलीज़ हो सकती है।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि फिल्म घटनाओं का एकतरफा चित्रण करती है और इससे उनके मुवक्किल का

- **यह याचिका कन्हैयालाल हत्या केस के एक आरोपी जावेद ने दायर की थी और कहा था कि फिल्म से एन.आई.ए. की जयपुर कोर्ट में चल रहा मुकदमा प्रभावित होगा।**
- **यह फिल्म उदयपुर में एक दर्ज़ी कन्हैयालाल साहू की दिन दहाड़े हुई नृशंस हत्या पर आधारित है।**
- **फिल्म की रिलीज़ के खिलाफ जमीयत-ए-उलेमा ने भी दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर रखी है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी को नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला

विंडहोक /नयी दिल्ली, 09 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नामीबिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ़ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्वित्शिया मिराबिलिस' से सम्मानित किया गया है। नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवा ने बुधवार को यहां मोदी के साथ वार्ता के बाद उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। डॉ. नेटुम्बो ने पुरस्कार प्रदान करने से पहले

- **नामीबिया की राष्ट्रपति डॉ. नंदीनदैतवा ने भारतीय प्र.मंत्री को यह सम्मान प्रदान किया।**

कहा , नामीबियाई संविधान द्वारा मुझे प्रदत्त शक्ति के द्वारा मुझे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शियेंट वेल्वित्चिया मिराबिलिस प्रदान करने का सम्मान प्राप्त हुआ है, जिन्होंने नामीबिया और विश्व स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास तथा शांति और न्याय को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वकील व ''क्लाइंट'' के बीच गोपनीयता की रक्षा में कूदा सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट, ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद, प्रथम दिन इस मामले की सुनवाई करेगा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। कानूनी पेशे की स्वतंत्रता की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने उन मामलों में स्वतः संज्ञान लिया है, जिनमें जांच एजेंसियां उन वकीलों को समन भेज रही हैं, जो जांच के दौरान आरोपियों को कानूनी सलाह देते हैं या उनका प्रतिनिधित्व करते हैं।

जांच के दौरान कानूनी राय देने या पक्षकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ताओं को समन भेजने से संबंधित मामलों पर 14 जुलाई को सुनवाई होगी, अर्थात् सुप्रीम कोर्ट के सात सप्ताह के ग्रीष्मावकाश के बाद पुनः खुलने वाले दिन। सुनवाई मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया भी शामिल होंगे।

यह कार्रवाई एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) द्वारा हाल ही में वरिष्ठ अधिवक्ताओं अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को समन भेजने की पृष्ठभूमि में आई है। यह समन केयर हैल्थ इन्श्योरैंस द्वारा पूर्व रैलिगेयर एन्टरप्राइज़ेज की अध्यक्ष रश्मि सलूजा को 22.7 मिलियन से अधिक कर्मचारी स्टॉक विकल्प एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन प्लान (ई.एस.ओ.पी.), जिसकी कीमत 250 करोड़ से अधिक है, जारी करने के मामले की जांच से संबंधित था।

दातार ने इस ई.एस.ओ.पी. जारी करने के पक्ष में कानूनी राय दी थी, जबकि वेणुगोपाल उस मामले में अधिवक्ता-ऑन-रिकॉर्ड थे। ई.डी. द्वारा इन दोनों वरिष्ठ वकीलों को समन भेजे जाने की देशभर के कई बार एसोसिएशनों ने तीखी आलोचना की और इसे अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे वकीलों को डराने की कोशिश करार दिया।

आलोचना तथा विरोध के बाद, ई.डी. ने समन वापस ले लिया और एक आंतरिक निर्देश जारी किया, जिसमें अपने फील्ड ऑफिसों को चेतावनी दी कि वे आयकर अधिनियम की धारा 132 का उल्लंघन करते हुए किसी वकील को समन न भेजें। ई.डी. ने यह स्पष्ट किया कि यदि अपवाद स्वरूप कोई समन आवश्यक हो, तो उसे प्रवर्तन निदेशक की पूर्व स्वीकृति लेनी होगी।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिया गया यह स्वतः संज्ञान दर्शाता है कि न्यायपालिका इस बात को लेकर चिंतित है कि ऐसे कदम कानूनी प्रतिनिधित्व पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं और न्याय तक पहुंच तथा मुवक्किल की गोपनीयता जैसे व्यापक सिद्धांतों को खतरे में डाल सकते हैं।

- **जैसा कि विदित ही है, ईडी ने वरिष्ठ वकील अरविंद दातार व प्रताप वेणुगोपाल को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था।**
- **मसला था, एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन प्लान, जिसकी कीमत 250 करोड़ रूपए थी, को केयर हैल्थ इंशोरेन्स कंपनी द्वारा रैलीगेयर एंटरप्राइजेज की पूर्व अध्यक्षा रश्मि सलूजा को मैनेज करने के लिए देना।**
- **दातार ने कानूनी राय दी थी कि यह ट्राँज़ैक्शन पूर्णतया वैध है तथा वेणुगोपाल इस मामले में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड थे।**
- **ईडी ने इन वरिष्ठ वकीलों को पूछताछ के लिए समन करके बुलवाया था।**
- **देश भर में कई बार एसोसिएशनों ने इसे वरिष्ठ वकीलों को डराने व दबाव में लाने की कार्यवाही माना था जबकि एडवोकेट केवल अपनी राय देकर अपनी प्रोफैशनल जिम्मेवारी को पूरा कर रहे थे।**

बडौदा के पास पुल टूटा, 13 की मौत

वडोदरा, 09 जुलाई। बुधवार सुबह गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बना पुल टूट गया। हादसे के समय पुल से गाड़ियां गुजर रही थीं। पुल टूटने पर दो ट्रक, दो कार, एक रिक्शा और एक बाइक नदी में गिर गए तथा एक टैंकर पुल के टूटे सिरे पर फंस गया।

हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई,

- **महिसागर नदी पर बना यह पुल दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है।**

जबकि 8 लोगों को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। दो लोग लापता हैं। मरने वालों में दो बच्चे भी हैं। फायर ब्रिगेड की तीन टीमें रेस्क्यू में जुटी हैं। पैंतालीस साल पुराना यह पुल दक्षिण गुजरात को सौराष्ट्र से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताया और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50,000 की आर्थिक मदद देने की घोषणा की।

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लैब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चर्चाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने-पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते-चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्रीबीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हांलाकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता।

जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरूपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठके हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल-डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है। हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो-आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है। ऐसे में 12 प्रतिशत की स्लेब पर विचार निश्चित रुप से सकारात्मक संदेश देता है। बैसे भी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जो बहस छिड़ी है उसमें सकारात्मक पक्ष ही खुलकर सामने आया है और विशेषज्ञों ने इस स्लेब में किसी तरह के बदलाव को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 प्रतिशत की स्लेब में बदलाव करते हुए देश के बड़े वर्ग को राहत दी जाती है तो यह देश की अर्थ व्यवस्था को राहत देने वाला, एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाला और आम जन के हित का निर्णय होगा। क्योंकि इस स्लेब के अधिकांश उत्पाद एमएसएमई सेक्टर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं और स्लेब में बदलाव होने से इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और इससे सेक्टर में ग्रोथ के साथ ही लोगों को राहत मिल सकेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 10 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 5:56 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 9:37 तक, विष्टि करण दिन 1:52 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 1:52 तक रहेगी। आज आषाढ़ी पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, गुरू पूर्णिमा, व्यास पूजा है। आज से कोकिला व्रत और चातुर्मास सन्यासियों का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:26 तक, चर 10:50 से 12:32 तक, लाभ-अमृत 12:32 से 3:56 तक, शुभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:44, सूर्यास्त 7:20

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से वाद-विवाद हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मिथुन

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आज व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

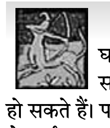

धनु

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

गुरु पूर्णिमा एक तिथि नहीं, बल्कि एक चेतना है

वासुदेव देवनानी

जब जीवन के तम में कोई हाथ पकड़कर उजास की ओर ले जाए, जब दिशा खोता मन किसी की दृष्टि से स्पष्ट हो जाए, तो समझिए, वहीं गुरूत्व है। गुरू पूर्णिमा उसी अदृश्य लेकिन अटल ऊर्जा का उत्सव है। यह पर्व केवल परंपरा नहीं, पीढ़ियों की उस ऋषि परंपरा का स्मरण है, जिसने ज्ञान को केवल शब्दों में नहीं, आचरण में जिया। भारतीय संस्कृति में गुरू कोई पद नहीं, एक परम स्थिति है। वेदव्यास के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाने वाला यह दिन, ज्ञान की नींव रखने वाले प्रत्येक पुरुषार्थी को नमन करने का अवसर है। वेदों का संकलन, महाभारत का लेखन, और पुराणों की रचना-ये सब महर्षि वेदव्यास की ही अमूल्य देनें हैं। इसलिए यह पूर्णिमा केवल एक व्यक्ति को नहीं, ज्ञान को समर्पित है। सिर्फ हिन्दू नहीं, बल्कि बौद्ध, जैन और सिख परंपराओं में भी यह दिन अत्यंत विशेष है। गौतम बुद्ध ने इसी दिन अपना पहला उपदेश दिया था। महावीर स्वामी ने इसी दिन अपने प्रथम शिष्य को दीक्षा दी थी।

गुरू पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं, बल्कि एक चेतना है, जो हर वर्ष हमें याद दिलाती है कि- जीवन में ज्ञान, मार्गदर्शन, अनुशासन और आभार का स्थान सर्वोच्च है। हमारा समाज तभी सशक्त होगा, जब उसमें शिष्य बनने की ललक और गुरू बनने की गरिमा दोनों जीवित रहेंगी। इस दृष्टिकोण से एक गुरू पुस्तक का पन्ना नहीं पलटता, वह दृष्टि बदलता है। वह हमें उत्तर नहीं देता, प्रश्न पूछने की दिशा सिखाता है। वह ज्ञान देता है, लेकिन उससे भी पहले जागरूकता देता है। प्राचीन गुरुकुलों में ज्ञान केवल अक्षरों का संठाह नहीं था, बल्कि चरित्र और संस्कार की शुद्ध प्रक्रिया थी। आज जब हम शिक्षा को केवल नौकरी पाने का साधन बना चुके हैं, तो गुरू पूर्णिमा हमें याद दिलाती है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका नहीं, आजीवन विवेक है। वैसे भी हर व्यक्ति के भीतर एक गुरू छिपा है- विवेक के रूप में, आत्मा के जागरण व प्रकाश रूप में। गुरू पूर्णिमा बाहरी गुरुओं को प्रणाम का पर्व तो है ही, साथ ही यह आ ान भी है कि- अपने भीतर के गुरू को जगाओ। क्योंकि जब तक हम खुद को न समझें, तब तक कोई गुरू हमें क्या समझा सकता है ? ज्ञान का बीज तभी फलता है, जब उसकी भूमि संस्कारों से सिंचित हो। गुरु शिष्य को केवल पढ़ाता नहीं, उसे जीवन जीने की रीति भी देता है। आज जब समाज में नैतिक भ्रम, आत्मकेंद्रितता और मूल्यहीनता बढ़ रही है, तब गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि सच्चा गुरु वह है, जो शिष्य को श्रेष्ठ मनुष्य बनने की शिक्षा दे। संस्कार न पाठ्यक्रम में मिलते हैं, न परीक्षाओं से-वे गुरु की प्रेरणा और सान्निध्य में ही अंकुरित होते हैं। आज का युग सूचना से भरा है, लेकिन ज्ञान का अकाल है। गुरू की जगह अब गूगल है, और शिष्य की जिज्ञासा की जगह तात्कालिकता ने ले ली है। ऐसे समय में गुरू पूर्णिमा केवल उत्सव नहीं, एक पुनः स्मरण है कि सही दिशा दिखाने वाले का स्थान सदा विशिष्ट रहेगा। गुरू अब सिर्फ कक्षा में नहीं, जीवन के हर मोड़ पर चाहिए

आज जब बच्चे मोबाइल से सीख रहे हैं, और शिक्षा यूट्यूब तक सीमित हो गई है, तब भी गुरु का स्थान खत्म नहीं हुआ, उसकी भूमिका और अधिक गहरी हो गई है। गुरु अब केवल ज्ञानदाता नहीं, मूल्यनिर्माता और चरित्र-निर्माता बन चुका है। गुरु पूर्णिमा आज एक ऐसा अवसर बन गया है, जहाँ हमें खुद से यह पूछना चाहिए, क्या हम सही गुरु के मार्गदर्शन में हैं? क्या हम उस पथ पर चलने का प्रयत्न कर रहे हैं, जो गुरु ने दिखाया है? और क्या हम स्वयं भी किसी के लिए पथ प्रदर्शक बन पा रहे हैं? यदि नहीं तो हमें यह समझना चाहिए कि- संस्कार, समर्पण और साधना-इन तीनों का समन्वय ही गुरु पूर्णिमा की आत्मा है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हम केवल किताबी ज्ञान से नहीं, संवाद, समर्पण और साधना से श्रेष्ठ बनते हैं। गुरु पूर्णिमा वह दिन है जब हम अपने जीवन के हर उस व्यक्ति को नमन करें, जिसने हमारी सोच बदली, जिसने कठिन समय में हमारा हाथ थामा, और जिसने हमें हमारे भीतर छिपे श्रेष्ठतम रूप से परिचित कराया। इसलिए आज आवश्यकता केवल गुरु पूजन की नहीं, गुरुता के पुनर्स्थापन की है, और यह तभी संभव है, जब हम स्वयं को भी गुरु के योग्य शिष्य बनाएं।

–वासुदेव देवनानी,
अध्यक्ष राजस्थान विधानसभा

सहमति से जमीनों का बंटवारा होने से परिवार और गांवों में लौट रहा सौहार्द्र

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित हो रहे शिविरों में आमजन को योजनाओं का फायदा मिल रहा है

पं. दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़े के अन्तर्गत आयोजित हो रहे शिविरों में आमजन को ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही आसानी से सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का फायदा तो मिल ही रहा है। साथ ही, सालों से उलझे हुए राजस्व प्रकरणों का निस्तारण होने से परिवार, गांव और समाज में आपसी सौहार्द्र का रस घुल रहा है। आपसी सहमति से जमीन का बंटवारा होने से कोर्ट और कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पडंगे, समय और धन की बचत के साथ भाईचारा बढ़ रहा है।

दौसा जिले की मण्डावर उपखण्ड की उकरूंद ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में सगे भाई गिर्राज और शिवराम बैरवा ने जमीन बंटवारे के लिए प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया। मण्डावर तहसीलदार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए राजस्व टीम के साथ प्रकरण में त्वरित कार्यवाही की और शिविर में ही दोनों भाइयों की जमीन का बंटवारा करवाकर अन्त्योदय के मूल उद्देश्य को चरितार्थ कर दिया।

बिना किसी विवाद के आपसी रजामंदी से बंटवारा होने पर लाभान्वित काश्तकारों के चेहरे पर खुशी छलक पड़ी। उन्होंने यह अभियान चलाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा कि प्रशासन ने हमारे गांव में ही आकर राजी-खुशी हमारी जमीन का बंटवारा कर दिया। इससे न तो उन्हें कानूनी कार्यवाहियों की जटिलताओं में उलझना पड़ा और न ही राजस्व कार्यालयों के चक्कर काटने पड़े जिससे विधिक एवं अन्य कार्यवाहियों में खर्च होने वाले समय और धन की बचत हुई और दोनों परिवारों के बीच आपसी सौहार्द्र को बनाए रखने में मदद मिली है। हमने जमीन की लड़ाईयों में खूनखराबा और पीढ़ियों तक संघर्ष और कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटते परिवार देखे हैं। हम इस अभियान का महत्व समझ सकते हैं।

कई हिस्सेदारों के बीच उलझी जमीन का हुआ बंटवारा :- दौसा जिले की राहुवास तहसील की सलेमपुरा ग्राम पंचायत के मानपुरा गांव में कई हिस्सेदारों के बीच उलझी हुई जमीन का भी आपसी सहमति से ऐसे ही शिविर में बंटवारा कर राहत दी गई। खसरा नंबर 170/43 व 172/11 में भगवान सहाय की पत्नी केसन्ता और पुत्र गणेश एवं दिलखुश तथा जगदीश पुत्र माग्या, रामू पुत्र बिरदा एवं रामकेश व हीरालाल पुत्र कान्या माली सहखातेदार हैं। जमीन का बंटवारा नहीं हो पाने से परेशान खातेदारों ने मानुपरा में लगे शिविर में नायब तहसीलदार को सहमति से विभाजन करने का प्रार्थना पत्र पेश किया। नायब तहसीलदार ने तुरंत विभाजन प्रस्ताव स्वीकार कर जमीन का बंटवारा कर सहखातेदारों को मौके पर ही राहत दी। सहमति विभाजन के आदेश की प्रति हासिल कर सभी खातेदारों ने खुशी व्यक्त की और ऐसे राहतकारी शिविर आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया।

सुखदेव बैरवा का जमाबन्दी में नाम सुधरा :- राजस्व रिकॉर्ड जमाबन्दी में अपभ्रंश नाम होने से परेशान गुगोलाव के सुखदेव बैरवा को ग्राम पंचायत मुख्यालय पर लगे शिविर से राहत मिली। लवाण ब्लॉक की ग्राम पंचायत नांगल गोविन्द के गुगोलाव गांव के रहने वाले सुखदेव बैरवा काफी लम्बे समय से जमाबन्दी में अपभ्रंश नाम को शुद्ध करवाने को लेकर परेशान हो रहे थे। इन्हें गत दिनों पंचायत में शिविर लगने की जानकारी मिली तो इन्होंने शिविर में पहुंचकर राजस्व रेकार्ड जमाबन्दी में अपभ्रंश नाम को शुद्ध करने के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। नायब तहसीलदार राजेश राय व हल्का पटवारी ने मौके पर ही ऑनलाइन शुद्धि पत्र दर्ज कर नाम शुद्ध कर दिया।

अतिक्रमण हटवाकर रास्ता खुलवाया :- ग्राम चक धरणवास के खसरा नम्बर 226 गैर मुमकिन रास्ता काफी समय से अतिक्रमियों द्वारा अवरूद्ध कर रखा था। नांगल गोविन्द में आयोजित शिविर में आम जन ने राजस्व अधिकारियों से इस रास्ते को खुलवाने का आग्रह किया। नायब तहसीलदार राजेश राय और राजस्व कर्मिकों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए रास्ते का सीमाज्ञान कर अतिक्रमण हटवाया और रास्ते को सुचारू रूप से चालू करवाया। शिविर में रास्ता खुलने की सौगात मिलने पर ग्रामीणों ने राजस्व टीम की सराहना की।

सोहनलाल, सहायक निदेशक, दौसा जिला सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय।

"गुरु पूर्णिमा" बुद्ध मार्ग पर चलने का संकल्प

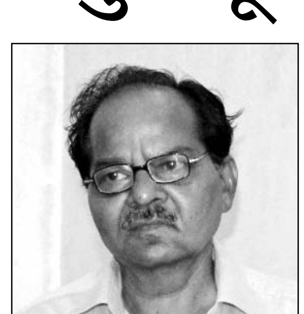

बौद्ध राधेश्याम कोली

भगवान बुद्ध ने 2500 वर्ष पूर्व ज्ञान प्राप्ति का आषाढ़ पूर्णिमा के दिन सारनाथ की पवित्र भूमि पर सबसे पहले अपने प्रथम पांच शिष्यों को प्रवचन दिया जो उन्हें रास्ते में ही छोड गये थे उन्होंने इसे दिवस को गुरु पूर्णिमा स्वीकार किया जो कि धर्मचक्र प्रवर्तन सूत्र के नाम से भी जानी जाती है। आषाढ़ पूर्णिमा इसलिए भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। क्योंकि संयोगवश इस दिन गौत्तम बुद्ध अपनी माता महामाया के गर्भ में प्रवेश किया जिनका 10 माह बाद बैशाख पूर्णिमा के दिन जन्म हुआ था। भगवान बुद्ध ने अपने प्रथम उपदेश के माध्यम से मध्यम मार्ग को धम्म के बीजारोपित किया जो कुछ ही समय में लाखों अनुयायी में फैल गया। चार आर्य सत्यों के माध्यम से सांसारिक दुखों के कारण से लोगों को अवगत कराया, तथा उनका निदान भी बताया, जिसे द्ववादस निदान कहते है।

इस प्रकार भगवान बुद्ध ने एक कुशल वैध की तरह ना केवल मनुष्य के सार्वभोमिक रोगों की पहचान की अपितु उन्होंने तृषणा को दुख का प्रमुख कारण बताया, भगवान बुद्ध ने यह भी स्पष्ट किया कि तृष्णाओं की समाप्ति दुखों के अन्त का मात्र एक उपाय है। बुद्ध अनुसार अष्ठागिंक मार्ग पर चलकर मनुष्य दुखों से छुटकारा पा सकता है। बौद्ध धर्म भारत की महानतम आध्यात्मिक परम्पराओं में से एक है। भगवान बुद्ध के जीवन और शिक्षाओं से जुडे कई पवित्र स्थल भारत में स्थित है। उन अनेक स्थानों में चार प्रमुख स्थान है। पहला बौद्ध बिहार जहॉ उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त किया, दूसरा सारनाथ जहां उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया, तीसरा श्रावस्ति जहां उन्होंने सबसे अधिक चातुरमास किये व प्रवचन दिये, और चौथा कुशीनगर जहां उनका महा परिनिर्वाण हुआ। भगवान बुद्ध के महा परिनिर्वाण के पश्चात उनके शिक्षाओं से जुडे अनेक मठ, तीर्थस्थल, विश्वविद्यालय आदि स्थापित किये गये जो ज्ञान और प्रसिद्धि के केन्द्र रहे है। आज वे सभी स्थल बुद्ध सर्किट के अंग है जो देश विदेश के तीर्थ यात्रियों और धार्मिक पर्यटकों को आकर्षित करते है, जिनमें राजगीर स्थित विश्व शान्ति स्तूप प्रमुख है।

भारत में विद्यमान विश्व के प्राचीनतम गणराज्यों में लोगों को शिक्षा देने वाले भगवान बुद्ध की स्मृति में निर्मित सॉची स्तूप की बनावट राष्ट्रपति भवन में झलकती है, क्योंकि राष्ट्रपति भवन की गुम्मद की बनावट सॉची स्तूप पर आधारित है। आधुनिक युग में भी राष्ट्रपति भवन विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र भारत का सबसे महत्वपूर्ण भवन है। जिस पीपल के पेड़ के नीचे समादिष्ट होकर सिद्धार्थ गौत्तम ने बुद्धत्व प्राप्त किया था। उसका एक पौधा आठ साल पूर्व राष्ट्रपति भवन के बगीचे में लगाया है जो व्यस्क रूप ले रहा है। चार साल पहले पूर्व राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन परिसर उद्यान में एक और पीपल का पौधा लगाया, ये पौधे वृक्ष बन भगवान बुद्ध की विरासत के साथ राष्ट्रपति भवन को सुशोभित कर रहे है।

राष्ट्रपति भवन के सबसे प्रमुख कक्ष अर्थात दरबार हॉल में राष्ट्रपति कुर्सी के पीछे भगवान बुद्ध की लगभग 1550 साल पुरानी एक मूर्ति रखी है। यह मूर्ति गुप्तकाल के दौरान प्रचलित भारतीय युनानी मूर्ति कला का सुन्दर उदाहरण है, भगवान बुद्ध के सिर के चारों ओर निर्मित प्रभा मण्डल उनके मुख मण्डल की शान्ति, ऑखों में करूणा और हाथ की अभय मुद्रा का सुखद प्रभाव सभी देखने वाले पर्यटकों पर पडता है।

इस प्रकार वहां भौतिक शक्ति तथा सांसारिक वैभव का प्रदर्शन करने के उदेश्य से निर्मित भवन में अहिंसा, करुणा और शान्ति का आध्यामिक अनुभव होता हैं। भारतीय लोकतंत्र पर बौद्ध आर्दशों और प्रतीकों का गहरा प्रभाव है। राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह सारनाथ के अशोक स्तम्भ से लिया गया है। जिसमें धर्मचक्र भी उत्कीर्ण है। हमारे लोकसभा के अध्यक्ष की कुर्सी के पीछे धर्मचक्र प्रवर्तन आहेसूत्र अंकित है। हमारे संसदीय लोकतंत्र में प्राचीन बौद्ध संघों के अनेक प्रतियायें अपनाई गयी है। हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी महा कारूणिक बुद्ध के सार्वभौमिक प्रेमऔर करुणा के आदर्शों का पालन किया करते थे। भगवान बुद्ध की शिक्षायें गांधी के जीवन व आदर्शों में भी प्रतिबिम्बित होती है। बौद्ध धर्म का गांधी जी पर ऐसा प्रभाव था कि उन्होंने "नमियोहो, लेगे क्यों " मंत्र सीख लिया था और उनकी प्रार्थना सत्र इसी मंत्र के साथ शुरु होती थी।

भगवान बुद्ध ने कहनाथा 'नथी शान्ति परम् सुखम्' जिसका अर्थ है शांति से बड़ा कोई आनंद नहीं है। गौत्तम बुद्ध के उपदेशों में आन्तरिक शांति पर जोर दिया गया है। शान्ति और विकास एक दूसरे को सुदृढ़ बनाते हैं। आषाढ पूर्णिमा के पवित्र दिन इन शिक्षाओं को स्मरण करने का उदेश्य यही है किस भी लोग भगवान बुद्ध के उपदेशों के समंयक अर्थो को अपने चरित्र तथा मन में डाले था विश्व की समस्त बुराईयों और असमानताओं को दूर कर शांति और करुणा से युक्त एक संवेदनशील विश्व का निर्माण करें। आईये आषाढ पूर्णिमा धर्मचक्र के पावन पर्व के अवसर पर बुद्ध के धम्म को जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

बौद्ध राधेश्याम कोली

अंत्योदय शिविर में लोगों को राहत मिली

अंत्योदय पखवाड़ा शिविर में लोगों की समस्याओं का समाधान किया

सरवाड़, (निसं)। ग्राम पंचायत सूपां व सांपला में मंगलवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय पखवाड़ा के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को समस्याओं को लेकर राहात मिलने से चेहरे पर खुशी देखी गई।

इस दौरान मौके पर ही राजस्व प्रकरणों का निस्तारण किया गया जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। शिविर में कई प्रकरणों का समाधान भी किया गया, जिसमें सीमा ज्ञान के 28 प्रकरण, नामांतरण के 39 प्रकरण, रास्तों के 21 प्रकरण, आपसी सहमति बंटवारा 15 प्रकरण, पत्थरगढ़ी के पांच प्रकरण, पंचायत राज विभाग द्वारा पट्टे वितरण किये गए। कृषि विभाग द्वारा मृदा परीक्षण के आठ नमूने व मृदा स्वास्थ्य कार्ड 12 वितरण, वन विभाग द्वारा 40 पौधे वितरण, पशुपालन विभाग द्वारा 128 पशुओं का टीकाकरण किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा तीन आवेदनों का निस्तारण किया गया। वहीं पेंशन के दो आवेदन स्वीकृत किए गए। इस दौरान सरवाड़ उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर ने ग्राम पंचायत में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये और समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस दौरान मौके पर उपखंड अधिकारी गुरु प्रसाद तंवर, तहसीलदार सरवाड़ बंटी राजपूत, सहायक विकास अधिकारी रघुवीर सिंह, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्येंद्र आचार्य, ऑफिस कानूनगो प्रकाश मंडारवाल, भू अभिलेख निरीक्षक सियाराम मीणा, पटवारी कृष्ण कुमार सामरिया सांवरलाल कृषि पर्यवेक्षक निर्मला मीणा, बुद्धि प्रकाश मीणा सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बंधुआ मजदूरी मुक्त समाज हेतु मीडिया की अहम भूमिका : डॉ. पण्ड्या

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान प्रदेश में सरकार एवं पुलिस विभाग की सक्रियता के चलते विगत वर्षो में कई मामलों में न केवल बंधुआ श्रमिक उन्मूलन अधिनियम, 1976 एवं मानव दूर्व्यापार अंतर्गत ठोस कार्यवाही हुई है बल्कि बंधुआ मुक्ति प्रमाण पत्र जारी कर पूनर्वास पर भी कार्य हुए हैं। परंतु समाज से इस कलंक को पूर्ण रूप से मिटाने हेतु अभी भी सामूहिक एवं सतत् प्रयास की आवश्यकता है। इस दिशा में मीडिया की सकारात्मक भूमिका पीडितों के बचाव, पुनर्वास एवं दोषियों की पहचान में मददगार हो सकती है। अन्य कानूनों की अपेक्षा बंधुआ श्रमिक अधिनियम अंतर्गत पुनर्वास मे ंविशेष आर्थिक सहायता पीडितों को मिलने हेतु प्रावधान है।

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन एवं मानव दूर्व्यापार पर आयोजित मीडिया कार्यशाला।

मीडिया की सकारात्मक भूमिका पीड़ितों के बचाव, पुनर्वास व दोषियों की पहचान में मददगार

उक्त विचार शहर के सुभाष नगर स्थित निजी होटल में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जिला उदयपुर, गायत्री सेवा संस्थान एवं इंटरनेशनल जस्टिस मिशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित एक दिवसीय मीडिया संवेदी करण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कार्यशाला के मुख्य वक्ता विषय विशेषज्ञ एवं पूर्व सदस्य, राजस्थान बाल आयोग, डॉ. शैलेंद्र पण्ड्या ने व्यक्त किए। डॉ. पण्ड्या द्वारा राजस्थान के संदर्भ में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के डाटा पर प्रस्तुति देते हुए राजस्थान के संदर्भ में आ रही चुनौतियो, सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास एवं मीडिया की भूमिका पर जानकारी दी गई । इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जिला उदयपुर के उपनिदेशक गौरीकांत शर्मा ने सरकार द्वारा प्रचार-प्रसार हेतु किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए सामाजिक मुद्दों पर आमजन को जागरूक करने हेतु मीडिया की महती भूमिका पर प्रकाश डाला ।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में इंटरनेशनल जस्टिस मिशन के प्रतिनिधि अधिवक्ता जॉनजेम्स ने बंधुआ श्रमिक उन्मूलन अधिनियम, 1976 एवं मानव दूव्यापार संबंधित कानून प्रावधान एवं विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी । वक्ता के रूप में विशेषज्ञ सुखविंदर सिंह ने राजस्थान प्रदेश में हुए रेस्क्यू अभियान की जानकारी देते हुए पीड़ित को मिले मुआवजे एवं लाभ की जानकारी दी। कार्यशाला में बंधुआ श्रमिक पर बनी लघु फिल्म राईस फैक्ट्री को दिखाया गया जिनके माध्यम से बंधुआ श्रमिक पहचान के विभिन्न सूचक एवं मीडिया रिपोर्टिंग की गोपनीयता की महत्वता को स्पष्ट किया गया।

कार्यशाला में केस स्टडी, संवाद सत्र और कानूनी प्रक्रियाओं पर खुली चर्चा भी की गई। प्रतिभागियो ंको जानकारी दी गई की पत्र कारिता के माध्यम से समाज में किस प्रकार इन मुद्दो ंपर जागरूकता फैलाई जा सकती हैं । कार्यशाला मे ंजिले के लगभग समस्त प्रमुख प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों सहित, वर्ष 2016 में रेस्क्यू करवाए बंधुआ श्रमिक एवं गायत्री सेवा संस्थान के प्रतिनिधि उपस्थित रहे । कार्यशाला का संचालन आशिता जैन ,धन्यवाद गायत्री सेवा संस्थान के प्रतिनिधि नितिन पालीवाल ने दिया।

मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

राजसमंद, (निसं) अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ ने प्रदेश कार्यकारिणी के आव्हान पर बुधवार को मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के नाम 11 सूत्री मांगपत्र अतिरिक्त जिला कलेक्टर नरेश बुनकर को दिया।

महासंघ अध्यक्ष राजेश जोशी ने बताया कि पुरानी पेंशन योजना यथावत रखने, राज्य सरकार के अधीन कार्यरत विभिन्न कार्मिक का समान वेतन समान काम नीति लागू कर वेतन विसंगतियों का निराकरण, राज्य सरकार के अधीनस्थ कार्मिकों की सेवा काल में पदोन्नति के 5 अवसर नियमित करने, संविदा भर्तियां बंद कर पूर्व के संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित करने, न्यूनतम वेतन 26 हजार करते हुए सहायक कर्मचारियों को एमटीएस घोषित करने, बैंको की स्थानांतरण नीति के अनुरूप स्थानांतरण नीति लागू करने, राजस्थान सरकार द्वारा आदेशित सामुहिक अवकाश को नो वर्क नो पे की श्रेणी में माना गया है, इस आदेश को प्रत्याहारित करने, आरजीएचएस के अंतर्गत की जा रही कटौतियों को बंद किया जाकर कम की गई सुविधाओं को पुनः बहाल करने, सरकारी विभागों सार्वजनिक उपक्रमों में निजीकरण पीपीपी मॉडल को समाप्त करने और एनईपी 2020 को रद्द करने सहित पुलिस सेवा, आपातकालीन सेवा कार्मिक को साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करते हुए कार्यशील समय निर्धारित करने की मांग की।

सार-समाचार

लाखों की नकदी हड़पने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमण्डी थाना पुलिस ने यूआईटी की जमीन का पट्टा बना कर एग्रीमेंट जरिये पीडित से लाखों की नकदी हडपने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।प्रकरण के अनुसार 24 अक्टूबर 23 को पीडित विजय साहू पुत्र पुरूषोत्तम निवासी तेज बाजार धानमण्डी ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मेरे साडू अमित साहू ने अपने प्रोपर्टी के पार्टनर अशोक राव पुत्र उदयराव निवासी हायर सैकेण्डरी स्कूल रोड़ नाई के स्वामित्व का एक भूख्ण्ड राजस्व ग्राम समीना खेड़ा में बताया तथा जिसका आबादी पट्टा 26 अगस्त 1985 को तीतरडी ग्राम पंचायत द्वारा जारी करना एवं शांता पिता छगनलाल गुर्जर निवासी बचली का स्वामित्स होना बताया। उक्त भूखण्ड को अपने सगे भाई गिरधारी गुर्जर पुत्र छगनलाल गुर्जर निवासी वलिचा को बेच दिया तथा उसने मौखिक विक्रय इकरार किया है। अशोक राव को रूपयों की आवश्यकता होने से बेचना चाहता है। इस पर विश्वास कर अशोक राव से एग्रीमेंट कर अशोक राव व अमित साहू ने मुझसे 32 लाख 51 हजार रूपये प्राप्त कर लिए। रजिस्ट्री होने से पहले युआईटी ने अपनी संपतित होने का बोर्ड लगवा दिया तथा अखबार में खबर छपी। इसपर मैने अमित साहू से भूखण्ड या रूपये वापसय दिलाने को कहा मगर अशोक राव बार बार टालमटोल करना शुरू कर दिया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक कैलाश चन्द्र खटीक के सुपरविजन में धानमण्डी थानाधिकारी गजवीरसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए आरोपी अमित साहू पत्रु अम्बालाल साहू निवासी ज्योतिनगर शौभागपुरा सुखेर को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। जिससे पूछताछ की जा रही है।

यूडीए में हुई वित्तीय अनियमितताओं की जांच होगी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर विकास प्राधिकरण में हुए वित्तीय अनियमितताओं की जांच को लेकर सांसद डॉ मन्नालाल रावत द्वारा लिखे गए पत्र पर राजस्थान सरकार के वित्त विभाग (अंकेषण अनुभाग) के संयुक्त शासन सचिव भवानी सिंह मीणा ने स्थानीय निधि अंकेषण विभाग के निदेशक को जांच करने के निर्देश जारी किए हैं। उल्लेखनीय है कि सांसद मन्नालाल रावत ने यूडीए में हुए घोटालों को लेकर विस्तृत पत्र मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री को भी पत्र लिखा था जिसमें वर्ष 2022-24 के लेखा अंकेक्षण करवाने का आग्रह किया था। इस पर सरकार ने गंभीरता से कार्रवाई करते हुए इस मामले में अधिकारियों को शीघ्र जांच के निर्देश दिए हैं। संयुक्त शासन सचिव ने विस्तृत जांच करवाकर रिपोर्ट वित्त विभाग को 30 दिन के भीतर भेजने के निर्देश दिए हैं। सांसद डॉ रावत ने पत्र में बताया कि राज्य सरकार द्वारा उक्त वित्तीय अनियमितताओं की गम्भीरता को दृष्टिगत रखते हुए तत्कालीन उदयपुर विकास प्रन्यास के सचिव नितेन्द्रपाल सिंह एवं राजेश जोशी को निलम्बित किया जा चुका है। इन दो अधिकारियों के अतिरिक्त 6 अन्य अधिकारियों के नाम भी अंकेक्षण रिपोर्ट में उत्तरदायी माने गए हैं। डॉ रावत ने बताया कि नाथद्वारा नगर पालिका में हुए घोटालों में विशेष अंकेक्षण (स्पेशल ऑडिट) कराये जाने का निर्णय लिया था। इसी अनुरूप उदयपुर विकास प्राधिकरण में हुए घोटालें की भी विशेष अंकेक्षण (स्पेशल ऑडिट) कराई जानी चाहिए। सांसद डॉ रावत की मांग पर वित्त विभाग की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

सार-समाचार

तीन गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने घाटावाली माताजी मंदिर से चोरी करने के मामले में तीन आरोपियोंको गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी किया माल, दो बाईक व एक स्कूटी बरामद की। प्रकरण के अनुसार पीडित 5 जुलाई को किशोरसिंह पुत्र लालसिंह देवड़ा निवासी देबारी हाल घाटावाला माताजी प्रतापनगर ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 11 जुलाई रात में घाटावाला माताजी परिसार में अज्ञात बदमाश पूजा का सामान चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक छगन पुरोहित के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह चारण के नेतृत्व में एएसआई पर्वत सिंह गठित दल ने मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर मुकेश पुत्र रायचंद कालबेलिया निवासी कातर फला वाघपुरा, पवन उर्फ पिंटू पुत्र दौलतराम नायक निवासी फाचर वल्लभनगर तथा मनोज पुत्र मिठुलाल कालबेलिया निवासी बाठेडा की सराय मोडी डबोक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में तीनों ने रैकी कर मंदिर में चोरी की वारदात करना कबूल किया। इसके अलावा बाईक व पानी की मौटर केबल चोरी की वारदात करना भी कबूल किया। इस पर पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मंदिर से चोरी किया सामान के अलावा दो बाइक व एक स्कूटी भी बरामद की। आरोपी मुकेश कालबेलिया के खिलाफ 3 अपराधिक प्रकरण दर्ज है।

हादसे में श्रमिक की मौत

उदयपुर, (कासं)। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में कंटेनर की चपेट में आने से श्रमिक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को धार टांडा एमपी हाल देबारी निवासी मुकेश (32) पुत्र बदरसिंह गमेती की कंटेनर की चपेट में आने से मौत हो गई। मुकेश मजदूरी करता था एवं घटना के समय बाइक पर अपने साथी नयन भील के साथ सविना से प्रतापनगर की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते मठमादड़ी में कंटेनर ने बाइक को चपेट में ले लिया। प्रतापनगर पुलिस थाने के हेडकांस्टैबल अखिलेश ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

साईबर ठगी का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने बदमाश के खिलाफ पीडित के बैंक खाते से नकदी निकाल हडपने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित महावीर सिंह परिहार निवासी न्यू विद्यानगर हिरणमगरी सेक्टर4ने हिरणमगरी पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 2 जुलाई सांय हिरणमगरी स्थित एसबीआई बैंक के मेरे खाते से 98 हजार एवं 29 हजार रूपये नकदी निकालने का मैसेज मिला। इसकी सूचना बैंक एवं पुलिस को देकर प्रकरण दर्ज करवाया।

डम्पर की चपेट से बालिका की मौत

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे में स्कूल जाते समय डंपर की चपेट में आने से बालिका की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार सवेरे गोगुन्दा थाना क्षेत्र में मदारड़ा निवासी सुंदर कुंवर(15)पुत्री देवीसिंह राजपूत की डंपर की चपेट में आने से मौत हो गई। सवेरे सुंदर कुंवर अपने पिता के साथ पैदल स्कूल जा रही थी। इसी दौरान इसवाल से गोगुन्दा की तरफ आ रहे डंपर ने उसे चपेट में ले लिया। जिसे उपचार के लिए गोगुंदा चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किशोरी ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं)। गोगुन्दा कस्बे में स्कूली छात्रा ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को गोगुन्दा थाना क्षेत्र सिवड़िया गांव निवासी जमनाकुमारी गमेती (14) पुत्री गोपीलाल ने विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। इसका पता चलने पर परिजनों ने उसे सीएचसी गोगुन्दा पहुंचाया। जहां से रेफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई हिम्मतसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा। जमना आठवीं कक्षा में फैल हो गई थी। इसके चलते वह मानसिक तनाव में थी। जिससे परेशान होकर उसे सेल्फोस खा लिया था।

युवक पानी में डूबा, मौत

उदयपुर, (कासं)। जिले के वाघपुरा थाना क्षेत्र में युवक की पानी में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार अपरान्ह में वाघपुरा थाना क्षेत्र खाडी फला पालिया निवासी लक्ष्मण (30) पुत्र राजिया डामोर की पानी में डूबने से मौत हो गई। लक्ष्मण गांव में एनिकट पर नहाने गया था। जहां गहराई में जाने से पानी में डूबने पर उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकत्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसका शव झाड़ोल चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों के आने पर गुरूवार को पोस्टमार्टम होगा।

सरोज चौधरी को पीएचड़ी

उदयपुर, (कासं)। डॉ. सरोज चौधरी को हाल ही में गीतांजली यूनिवर्सिटी, उदयपुर ने पी.एच.डी. डिग्री अवार्ड की है, उन्होंने डॉ. मनजिंदर कौर के निर्देशन में अपना शोध कार्य ए कंपैरेटिव स्टडी टू इवैल्युएट सेंट्रल न्यूरोपैथी विजुअल इवोक्ड पोटेंशियल्स इन पेशेंट्स ऑफ अनकॉम्प्लिकेटेड डायबिटीज मेलिटस एंड नॉन-डायबेटिक कंट्रोल्स पूरा किया है। इस शोध से डायबिटीज के मरीज को फायदा मिलेगा। विजुअल इवोक्ड पोटेंशियल्स मधुमेह रेटिनोपैथी के नैदानिक लक्षणों से पहले ही दृश्य मार्ग में कार्यात्मक हानि का पता लगाता है।

विद्यार्थियों को बांटी स्टेशनरी सामग्री

राजसमंद, (निसं)। समीपवर्ती मोही कस्बे के राउप्रावि नाडी में बुधवार को भामशाह की ओर से स्कूल में अध्यनरत विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। साथ ही स्कूल परिसर में पौधारोपण किया गया। भामाशाह और पूर्व प्रधानाचार्य जितेन्द्र सनाढय ने नाडी विद्यालय पहुंचकर सभी 65 विद्यार्थियो को निःशुल्क कॉपी, पेन, पेंसिल सहित स्टेशनरी वितरित की।

सांप दिखने से मचा हड़कंप

राजसमंद, (निसं)। नाथद्वारा उपखंड के रामपुर(पाखंड) गांव में बुधवार सुबह एक घर के अंदर 5 फीट लंबा कोबरा सांप दिखने से हडकंप मच गया। ग्रामीण शंकरसिंह चुंडावत के घर के बरामदे में रखी एक पेटी के पीछे छिपे काले कोबरा को देखने के लिए मौके पर भारी भीड जमा हो गई।

रामपुर निवासी ग्रामीण वीरेंद्रसिंह चुंडावत ने इसकी सूचना तुरंत पिपरडा के वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत को दी। सूचना पर गहलोत तुरंत पाखंड गांव पहुंचे और कुशलता से कोबरा सांप का रेस्क्यू किया। सांप को प्लास्टिक के डिब्बे में बंद कर बाद में सुरक्षित रूप से जंगल में छोड दिया गया।रेस्क्यू के दौरान नवीन गहलोत ने वहां मौजूद लोगों को बताया कि कोबरा सांप अत्यंत जहरीला होता है और इसमें न्यूरोटॉक्सिक जहर होता है, उन्होंने सलाह दी कि सांप के काटने पर तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए। गहलोत ने कहा कि बारिश का मौसम शुरू होने के कारण सांप घरों में प्रवेश कर रहे हैं।

पर्यावरण व मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है वृक्ष : प्रो. सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक महाविद्यालय परिसर में बुधवार को कुलाधिपति एवं कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर एवं कुलगुरू प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत के सान्निध्य संघन पौधारोपण का आगाज किया गया

जिसके तहत 250 से अधिक फलदार, फूलदार और मौसमी पौधे लगाए गए। प्रमुख रूप से नीम, पीपल, जामुन, अमरूद, अनार, विशिष्ट सुगंधित पुष्प युक्त पौधे तथा खास तरह के विदेशी प्रजाति के पौधे भी लगाए गए। कुलाधिपति भंवरलाल गुजर्र ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा, वृक्ष हवा में मौजूद धूल, धुएं और अन्य हानिकारक कणों को भी अवशोषित करते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता में सुधार होता है।

विद्यापीठ में पौधारोपण के मौके पर प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत व अन्य।

कुलगुरू प्रो. एस.एस सारंगदेवोत ने कहा कि पौधारोपण कार्यक्रम विद्यापीठ के तीनों परिसर में चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हरियाली का मानव मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

शोध बताते हैं कि हरे-भरे वातावरण में समय बिताने से तनाव, चिंता और अवसाद में कमी आती है, एकाग्रता में सुधार होता है, और समग्र मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है । इस अवसर पर अरावली हॉस्पिटल की सीईओ मेघना श्रीमाली, शेड्स ऑफ उदयपुर के गगन शर्मा, प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग, डॉ. अमी राठौड, डॉ. बलिदान जैन, प्रो. गजेन्द्र माथुर, प्रो. आईजे माथुर, डॉ. अमित दवे, डॉ. रोहित कुमावत, डॉ. हिम्मत सिंह चुण्डावत सहित कार्यकर्ताओं ने अपने नाम का पौधा लगा उसके संरक्षण का संकल्प लिया।

केन्द्र सरकार की नीतियों के विरोध में रैली निकाली

उदयपुर, (कासं)। देशभर के बैंक कर्मचारी और श्रम संगठनों की हडताल के चलते बुधवार को उदयपुर में भी विरोध-प्रदर्शन हुआ। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध समेत 17 मांगों को लेकर संगठनों ने शहर में एक रैली निकाली। इसके बाद कलेक्टरी पर पहुंचे। यहां भी प्रदर्शन किया । प्रदर्शन के दौरान डाकघरों में पूरी तरह से काम हुआ और कुछ बैंक भी चले।

इस हडताल में सार्वजनिक, निजी,विदेशी, सहकारी और ग्रामीण बैंकों के कर्मचारी.अधिकारी शामिल हो रहे है। केंद्र सरकार के प्रमुख रूप से बीमा,आयकर,बीएसएनएल,आंगनबाडी,आशा, मिड.डे मील, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, खेत, मजदूर और फैक्ट्री कर्मचारियों सहित कई क्षेत्रों के कामगार इसमें शामिल हुए। केंद्रीय श्रमिक संगठनों की समन्वय समिति की और से टाउनहॉल से रैली रवाना हुई जो बापूबाजार,देहलीगेट होकर कलेक्टरी पहुंची। रैली में श्रम संगठनों ने केंद्र सरकार की नीतियों का विरोध किया। इसमें शामिल इंटक,सीटू,एटक, बैंक.बीमा यूनियन,कामगार और कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधि शामिल थे।रैली में शामिल लोगों ने कलेक्टरी के बाहर प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए सरकार की नीतियों का विरोध किया और कहा कि सरकार कर्मचारियों,बैंकों और बीमा संस्थानों को बर्बाद करने पर तुली है। संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को देश के आर्थिक विकास को लेकर सोचना चाहिए।

इससे पहले टाउनहॉल रोड पर पंजाब नेशनल बैंक के बाहर बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन किया। राजस्थान प्रदेश बैंक एम्पलाई यूनियन की उदयपुर इकाई के बैनर तले बैंक कर्मियों ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी कर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया।इंटक के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली ने कहा कि सरकार देश में मजदूरों और कर्मचारियों को लेकर जिस तरह के नियमों को ला रही है उसको लेकर जमीनी स्तर पर विरोध है। उन्होंने कहा कि यूनियनों को खत्म करने का खेल किया जा रहा है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के सह संयोजक पीएस खिंची ने कहा कि हमारी कई मांगे लम्बित है जिस पर सरकार ने विचार नहीं किया और मजबूरन हडताल पर उतरना पडा। सभी पदों पर भर्ती की जाए और 25 लाख ग्रेच्युटी की सीमा को बैंकों में तुरंत लागू की जाए।बैंकों के अंदर जो पद लंबे समय से खाली है उनको भरा जाए। आईडीबीआई बैंक जिसमें 51 प्रतिशत केंद्र सरकार की हिस्सेदारी है उसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी कम नहीं की जाए और बैंक को सार्वजनिक क्षेत्र में ही रखा जाए। आने वाले समय के अंदर बैंकिंग बिल जो अटका हुआ है उसको संसद में नहीं लाया जाए नहीं तो देश के अंदर मात्र पांच बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के रह जाएंगे।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ उदयपुर के जिलाध्यक्ष हेमन्त कुमार पालीवाल भाजपा सरकार की कर्मचारीए मजदूर और किसान विरोधी नीति का सब विरोध कर रहे है।

कैट उड़ान एग्जीबिशन शुरू

उदयपुर, (कासं)। महिला सशक्तिकरण को समर्पित तीन दिवसीय कैट उडान एग्जिबिशन का शुभारंभ बुधवार को 100 फीट रोड स्थित अशोका ग्रीन सभागार में हुआ। जिसमें पहले दिन बडी संख्या में महिलाएं एवं शहरवासी उमडे और जमकर खरीददारी की।

कैट विमेन विंग उदयपुर अध्यक्ष एवं मेवाड रीजन इंचार्ज विजयलक्ष्मी गलूंडिया ने बताया कि लोकल फॉर वॉकल थीम के तहत एग्जीबिशन 11 जुलाई तक आयोजित होगा। प्रदर्शनी का शुभारम्भ कैट के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद (नई दिल्ली,चांदनी चौक) प्रवीण खंडेलवाल, दिल्ली कैट के उपाध्यक्ष रणजीत खारी, राजस्थान कैट के एग्जीक्यूटिव प्रेसिडेंट मनोज गोयल, सेक्रेटरी हेमंत प्रभाकर, दिल्ली कैट के सेक्रेटरी आशीष ग्रोवर, कैट राजस्थान जोन लेडीज विंग की एडवाइजर बीनू प्रभाकर कोटा, उदयपुर कोऑर्डिनेटर कैट वूमेन विंग सुमन गोयल, कैट मेवाड रीजन के इंचार्ज व पैट्रन मनीष मनीष गलूंडिया, कैट उदयपुर चैप्टर के अध्यक्ष दिनेश चोरडिया व महामंत्री महेंद्र तलेसरा ने किया।

हर स्कूल में सक्रिय हो निर्भया पेटी, नशा मुक्ति क्लब बनाएं : हसीजा

राजसमंद, (निसं)। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा ने बुधवार को जनहित से जुडे विभिन्न विषयों की मैराथन बैठक लेकर संबंधित विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई, अनुसूचित जाति-जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण अधिनियम, मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना और नशा मुक्त भारत अभियान सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में एएसपी रजत विश्नोई, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक दीपेन्द्र सिंह, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष कोमल पालीवाल, सदस्य रेखा गुर्जर, बहादुरसिंह चारण, जेजेबी सदस्य विजयसिंह गोरवा, भावना पालीवाल, आयुक्त बृजेश राय, श्रम कल्याण अधिकारी उमेश राईका, डीएसपी एससी-एसटी राहुल जोशी आदि उपस्थित रहे। बैठक में बाल कल्याण समिति के कार्य, किशोर न्याय बोर्ड की प्रगति, पोक्सो प्रकरणों, राजकीय शिशु गृह एवं किशोर गृह की स्थिति की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने कहा कि बाल संरक्षण के सभी पहलुओं पर प्रभावी कार्यवाही की जाए। सहायक निदेशक बाल अधिकारिता दीपेन्द्र सिंह ने बताया कि बाल सम्प्रेषण गृह में वर्तमान में 78 किशोर निवासरत हैं। इस पर कलक्टर ने संतोषजनक सुविधाएं सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। कक्षों की कमी की जानकारी मिलने पर उन्होंने डीएमएफटी फंड से अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए और कहा कि हमारा उद्देश्य इन किशोरों को सुधार कर बेहतर जीवन प्रदान करना है। उन्होंने सभी विद्यालयों में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा बाल कल्याण अधिकारी के नंबर चस्पा करने और निर्भया पेटी को सक्रिय रूप से कार्यान्वित करने के निर्देश भी दिए। चाइल्ड लाइन द्वारा 29 बाल विवाह की सूचना दी गई, जिसमें से 28 बाल विवाह जिला प्रशासन के सहयोग से रोके गए, जबकि 1 सूचना असत्य पाई गई। ड्रॉप आउट बच्चों की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे बच्चों को पुनः स्कूल में जोडने के लिए ग्राम स्तर से प्रयास तेज किए जाएं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में विभागीय समीक्षा करते जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा।

मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2025 की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों में शीघ्र स्कूटी वितरण के निर्देश दिए गए। कलक्टर ने नशा मुक्त भारत अभियान को मिशन मोड पर चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के हर विद्यालय में नशा मुक्ति क्लब गठित किए जाएं।

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2025/8454 दिनांक : 1/07/2025

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारासर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोईआपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्री भूर सिंह बल्ला पिता श्री दौलत सिंह बल्ला, निवासी- कांकड दरिया, राकड का भीलवाड़ा, गांवगुडा, खमनोर	भूखण्ड संख्या -45, क्षेत्रफल-1586.25 वृंदा विहार, बागोल नाथद्वारा ,नाथद्वारा	30 फिट रोड	अन्य भूमि	भूखण्ड संख्या-46	भूखण्ड संख्या-44

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगर पालिका नाथद्वारा जिला- राजसमन्द (राज.)

Email:-np_ntd@yahoo.in Phone-02953-233526

क्रमांक/न.पा.नाथ/नामा./2025/8469 दिनांक : 1/07/2025

-:आपत्ती सूचना:-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोईआपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगर पालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पडौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1	श्रीमती इन्द्रा परेवा पत्नि श्री नन्द किशोर परेवा, निवासी- हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सुखाडिया नगर , नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- B 7 क्षेत्रफल-242.70 वर्गगज, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सुखाड़िया नगर,नाथद्वारा	रोड	भूखण्ड संख्या-B 6	भूखण्ड संख्या-B8	रोड

आयुक्त, नगर पालिका नाथद्वारा

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी **श्री दिनेश ओस्तवाल पुत्र श्री रोशन लाल ओस्तवाल** पर मांग सूचना **दिनांक 07.04.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 07.04.2025 को बकाया राशि रू. 3,37,369.87 (रूपये तीन लाख सैंतीस हजार तीन सौ उनहतर एवं पैसे सतासी मात्र)(दिनांक 30.03.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए)** प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 04, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 03.07.2025 को बकाया राशि रू. 3,46,963.87 (रूपये तीन लाख छ्यालिस हजार नौ सौ तिरसठ एवं पैसे सतासी मात्र) (दिनांक 29.06.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, नाथद्वारा शाखा, जिला राजसमन्द, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री दिनेश ओस्तवाल पुत्र श्री रोशन लाल ओस्तवाल के नाम प्रभार का विस्तार (साम्यिक बंधक) आवासीय फ्लैट नं. सी-411, चौथी मंजिल जो सियाड तालाब के सामने, वांदरिया मंगरा के पास, बहुमंजिला कॉम्पलेक्स जिसका नाम "अरिहन्त प्लाजा", तहसील नाथद्वारा, जिला राजसमन्द पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 900 वर्ग फीट है।
सीमाएं- पूर्व: मार्ग एवं फ्लैट नं. 408, पश्चिम: आवासीय फ्लैट, उत्तर: फ्लैट नं. 410, दक्षिण: कॉमन पार्क हस्ता.
स्थान : नाथद्वारा (राजसमन्द) (राजेश कुमार मित्तल)
दिनांक : 04.07.2025 प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank

विधि/वसूली विभाग, मंडल कार्यालय, उदयपुर
एलआईसी भवन, तीसरा तल, सबसिटी सेन्टर, रेती स्टेण्ड के पास, उदयपुर
फोन नंबर: 0294-2688008/09/22/26, ई-मेल: cs8328@pnb.co.in

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV (नियम 8(1) देखें)
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
अधोहस्ताक्षरकर्ता **श्री राजेश कुमार मित्तल** ने **पंजाब नैशनल बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 सपठित, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में ऋणी एवं बंधककर्ता **श्री करण कुमार पुत्र श्री मनोहर लाल एवं जमानतदार श्री मनोहर लाल पुत्र श्री डाल चन्द** पर मांग सूचना **दिनांक 21.04.2025** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 31.03.2025 को बकाया राशि रू. 6,77,725.40 (रूपये छह लाख सतहतर हजार सात सौ पच्चीस एवं पैसे चालीस मात्र) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 04, माह जुलाई, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
कर्जदारों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 03.07.2025 को बकाया राशि रू. 6,94,955.40 (रूपये छह लाख चौरानवे हजार नौ सौ पचपन एवं पैसे चालीस मात्र)(दिनांक 29.06.2025 तक ब्याज शामिल करते हुए) प्लस इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **पंजाब नैशनल बैंक, झाड़ोल शाखा, जिला उदयपुर, राजस्थान** के प्रभार के अधीन होगा।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री मनोहर लाल पुत्र श्री डाल चन्द के नाम साम्यिक बंधक मकान पट्टा नं. 01, दिनांक 21.12.2020, गाँव देवास, तहसील झाड़ोल, जिला उदयपुर, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 922.50 वर्ग फीट है।
सीमाएं- पूर्व: मान सिंह का मकान, पश्चिम: पुराना स्कूल भवन, उत्तर: रमेश नंगारची का मकान, दक्षिण: संपर्क सड़क एवं चारभुजा मंदिर हस्ता.
स्थान : झाड़ोल (उदयपुर) (राजेश कुमार मित्तल)
दिनांक : 04.07.2025 प्राधिकृत अधिकारी एवं मुख्य प्रबंधक

श्रीगंगानगर : फ्लैट में चल रही मेफेड्रोन ड्रग्स की फैक्टरी पर छापा मारा

जोधपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने एक सरकारी और एक प्राइवेट साइंस टीचर को गिरफ्तार किया

- टीम को करीब 2.34 करोड़ कीमत की 780 ग्राम एमडी ड्रग्स, भारी मात्रा में रसायन और लैब उपकरण भी मिले
- दोनों आरोपी टीचर पिछले ढाई महीने में ही लगभग 15 करोड़ रुपए की पांच किलो एमडी ड्रग्स तैयार कर बेच चुके हैं

श्रीगंगानगर, (निसं)। जोधपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने श्रीगंगानगर में एक फ्लैट में चल रही ड्रग्स की फैक्टरी को सीज किया है। यहां से एक सरकारी और एक प्राइवेट साइंस टीचर को भी गिरफ्तार किया है। दोनों यहां मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स बना रहे थे। टीम को करीब 2.34 करोड़ रुपए कीमत की 780 ग्राम एमडी ड्रग्स, भारी मात्रा में रसायन और लैब उपकरण भी मिले हैं। दोनों आरोपी टीचर पिछले ढाई महीने में ही लगभग 15 करोड़ रुपए की पांच किलो एमडी ड्रग्स तैयार कर बेच चुके हैं।

एनसीबी जोधपुर के जोनल डायरेक्टर घनश्याम सोनी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से श्रीगंगानगर में एमडी ड्रग्स की गैरकानूनी फैक्टरी चलने की सूचना थी।

सुबह 7:30 बजे शहर के रिद्धि-सिद्धि एनक्लेव के ड्रीम होम्स अपार्टमेंट के एक फ्लैट में छापेमारी की गई। यहां से आरोपी मनोज भार्गव (25) और इंद्रजीत विश्नोई (35) को गिरफ्तार किया। मनोज भार्गव मुकलावा (श्रीगंगानगर) स्थित राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल का साइंस टीचर है। वहीं, साधुवाली (श्रीगंगानगर) का रहने वाला इंद्रजीत फिलहाल आरएएस की तैयारी कर रहा है। साल 2024 तक वो एक स्कूल व कोचिंग में फिजिक्स पढ़ाता था। एनसीबी टीम ने फ्लैट की तलाशी ली तो वहां हाईटेक लैब मिली, जिसमें ड्रग्स बनाने के लिए आधुनिक उपकरण और रसायन मौजूद थे।

मौके से 780 ग्राम तैयार एमडी ड्रग्स, एसिटोन, बेंजीन, सोडियम बाइकार्बोनेट, ब्रोमीन, 4-मेथाइल प्रोपियोफेनोन, आइसो प्रोपाइल अल्कोहल, थाइलअमीन, एन-मेथाइल-2-पाइरोलिडोन जैसे खतरनाक रसायन मिले हैं। इन सभी रसायनों और उपकरणों को दिल्ली से मंगवाया गया था। ये केमिकल खतरनाक तो हैं, लेकिन ये बाजार व स्कूल की लैब में आसानी से मिल जाते हैं।

जोनल डायरेक्टर सोनी ने बताया कि दोनों आरोपियों ने बताया कि वे पिछले ढाई महीने से फ्लैट किराए पर लेकर ड्रग्स बना रहे थे। सप्ताह में दो दिन (शनिवार-रविवार) वे इस फ्लैट में रुककर ड्रग्स तैयार करते थे। इस बार स्कूल से छुट्टी ली थी, ताकि ज्यादा मात्रा में ड्रग्स बनाई जा सके। अब तक 5 किलो एमडी ड्रग्स तैयार कर चुके हैं, जिसकी बाजार कीमत करीब 15 करोड़ रुपए है। इसमें से 780 ग्राम ड्रग्स मौके पर बरामद की गई, जबकि शेष 4.22 किलो ड्रग्स पहले ही युवाओं में सप्लाई कर दी गई थी।

घर में घुसा तेंदुआ, ग्रामीणों में हड़कंप मचा

झालावाड़, (निसं)। क्षेत्र के बूड़ मंडावर में बुधवार सुबह एक तेंदुए की दस्तक से हड़कंप मच गया। तेंदुआ सबसे पहले नीम के पेड़ पर दिखा। उसके बाद एक घर में घुस गया। वन विभाग झालावाड़ और कोटा की टीमों ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा।

झालावाड़ क्षेत्र के बूड मंडावर में घर में घुसे तेंदुए को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा।

- तेंदुआ बाहर न निकले इसके लिए ग्रामीणों ने दरवाजे पर खटिया लगा कमरे में बंद किया
- वन विभाग झालावाड़ और कोटा की टीमों ने तेंदुए को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

मंडावर सरपंच प्रभुलाल व ग्रामीणों ने बताया कि सुबह करीब छह बजे तेंदुआ नीम के पेड़ पर बैठा हुआ दिखा। एक बार तो ग्रामीणों को देखकर तेंदुए ने दौड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन फिर वापस जाकर नीम के पेड़ पर बैठ गया। इसके बाद तेंदुआ ग्रामीण मोहनलाल मीणा के खाली घर में घुस गया, जहां एक कमरे में पशुओं के चारे पानी और अन्य व्यवस्थाएं थी। इस कमरे का गेट भी नहीं था, जिससे तेंदुआ अंदर जाकर कमरे में बैठ गया। इस दौरान एक महिला ने तेंदुए को अंदर आते देखा तो उसने ग्रामीणों को सूचना दी। तेंदुआ बाहर न निकले इसके इसलिए ग्रामीणों ने दरवाजे पर एक खटिया लगाकर उसे कमरे में बंद कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची कोटा और झालावाड़ वन विभाग की टीम ने दोपहर करीब 12 बजे जाल के जरिए तेंदुए को रेस्व्यू किया और पास के जंगल में छोड़ दिया, इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। इस दौरान जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, कोटा से आई वाइल्ड लाइफ की टीम के सदस्य डॉक्टर तेजैंद्र सिंह समेत वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

गौरतलब है कि जब भी किसी तेंदुए आदि का मूवमेंट झालावाड़ जिले में होता है, तो स्थानीय स्तर पर वन विभाग के पास कोई खास सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं होते हैं। उन्हें कोटा की टीम पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में घंटों तक दहशत का माहौल बना रहता है।

फतहसागर झील में पानी की आवक शुरू

उदयपुर, (निसं)। शहर की प्रसिद्ध फतहसागर झील में पानी की आवक शुरू हो गई है। पिछोला लिंक नहर के एक फीट गेट खोले गए हैं, ताकि पिछोला का पानी फतहसागर में पहुंच सके।

सीबीआई टीम ने बीओबी के मैनेजर के घर पर छापा मारा

- 17 फरवरी को ही सीबीआई ने बैंक मैनेजर को 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था
- मैनेजर विवेक कच्छवाहा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया

जोधपुर, (कासं)। सीबीआई टीम ने बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के मैनेजर के घर पर छापा मारा है। मैनेजर विवेक कच्छवाहा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, यहां तलाशी के दौरान सीबीआई को बैंक मैनेजर द्वारा दईजर इलाके में जमीन खरीद से जुड़े दस्तावेज भी मिले।

जानकारी के अनुसार 17 फरवरी को ही सीबीआई ने बैंक मैनेजर को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। बैंक मैनेजर विवेक कच्छवाहा को सीबीआई ने ट्रैप किया। इसके बाद उनके बैंक खातों और लॉकर आदि की तलाशी ली। तलाशी के दौरान लॉकर से ही करीब 70 तोला सोने के आभूषण भी बरामद हुए। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ सीबीआई की जांच जारी रही। रिश्वत केस के बाद बैंक प्रबंधन ने विवेक कच्छवाहा को निलंबित कर दिया था।

सीबीआई की टीम बुधवार सुबह नौ बजे से मैनेजर विवेक कच्छवाहा के नागौरी बेरा स्थित घर पर छानबीन कर रही है। सीबीआई के अनुसार, 15 फरवरी को किसान ढलाराम मेघवाल ने शिकायत दी थी। इसमें उसने बताया कि उसे खेतीबाड़ी के लिए 4 लाख रुपए की जरूरत थी। इस पर करीब डेढ़ महीने पहले वह अपने भाई खुशालाराम के साथ केसीसी लोन के लिए रायमलवाड़ा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा गया था। वहां मैंनेजर विवेक कच्छवाहा ने दोनों से लोन संबंधी कागजात ले लिए। 6 जनवरी 2025 को विशनाराम और उसका भाई खुशालाराम बैंक गए।

बैंक में मैनेजर से लोन के संबंध में बात की। शिकायत में बताया कि इसके अगले दिन (7 जनवरी) को मैनेजर विवेक ने विशनाराम के मोबाइल पर कॉल किया। घर विजिट करने के लिए आने की बात कही। इसके बाद मैनेजर विशनाराम के घर पहुंचा। खेत देखने के बाद 2500 रुपए विजिट शुल्क के ले लिए। साथ ही कहा कि केसीसी लोन (किसान क्रेडिट कार्ड) तो कर दूंगा, लेकिन पांच प्रतिशत कमीशन के हिसाब से 20 हजार रुपए लूंगा। तब विशनाराम ने खुद की गरीबी का हवाला देते हुए काफी मिन्नतें की, लेकिन वो नहीं माने। इसके बाद आठ जनवरी को भी विशनाराम बैंक गया। पांच सौ रुपए जमा करवाकर अकाउंट भी खुलवाया।

बंद मकान के ताले टूटे

बीकानेर, (निसं)। सुदर्शना नगर के एक बंद मकान में सोमवार रात चोरी हो गई। अज्ञात चोर घर के ताले तोड़कर सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर ले गए। घर में रखा सारा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया।

सुदर्शना नगर में सेक्टर बी 4-100 नंबर मकान क्रिकेट एसोसिएशन के जॉइंट सेक्रेटरी अनिल सिडाना का है। सिडाना दोपहर बाद ताला लगाकर चले गए थे। उन्हें पड़ोसी ने फोन करके ताले टूटे होने की सूचना दी। सिडाना ने बताया कि घर में कीमती सामान नहीं था, लेकिन चोरों ने अलमारियों के भी ताले तोड़ दिए। बेग में रखे कपड़े बाहर फेंक दिए। पकड़े जाने के डर से सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर ले गए। घटना की सूचना जेएनवीसी थाने पर दे दी गई है। पास ही रहने वाले राकेश शर्मा ने बताया कि इस एरिया में पहले भी चोरियां हो चुकी हैं। सड़क पर झोपड़पट्टी में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं। बिजली की चोरी हो रही है। इस वजह से आए दिन रोड लाइट बंद रहती है। शराब का ठेका और बार देर रात तक खुले रहते हैं। कई बार शिकायत कर दी, लेकिन प्रशासन ने आंखें मूंद रखी हैं। हालात ये है कि पुलिस नागणेची मंदिर पर रोज शाम को नाका लगाती है, लेकिन अंडर पास तक गश्त करने कोई नहीं आता।

गौवंशीय मीट व गौवंश के शक में वाहन को घेरा

- गौ रक्षक व ग्रामीणों की कंटेनर सवार लोगों व पुलिस से नोकझोंक हुई
- छानबीन करने पर कंटेनर में मोटर पार्ट्स पाए गए, कंटेनर को रवाना किया

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के प्रागपुरा कस्बे में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर ललाना मोड़ स्थित न्यू खेमजी इन्जिनीयर वर्कसॉप के सामने उस समय हंगामा हो गया, जब गोवंशीय पशुओं का मीट व गौवंश होने के शक में गौ रक्षक व ग्रामीण एकत्रित हो गए। गौ रक्षकों की कंटेनर सवार लोगों व मौके पर पहुंची पुलिस से नोकझोंक हुई। छानबीन करने पर कंटेनर में मोटर पार्ट्स पाए गए। इस मामले में पुलिस ने कंटेनर की तलाशी लेकर कंटेनर चालक को अपने गंतव्य के लिए रवाना किया।

जानकारी के अनुसार बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे प्रागपुरा कस्बे में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर ललाना मोड़ स्थित न्यू खेमजी इन्जिनीयर वर्कसॉप के सामने एक कंटेनर को गोवंशीय पशुओं का मीट व गौ वंश होने के शक के आधार पर गौ रक्षकों व ग्रामीणों द्वारा रोक लिया गया और कंटेनर में गोवंशीय मांस होने का शक जताया। सूचना पर पहुंची प्रागपुरा थाना पुलिस व कंटेनर सवार लोगों से नोकझोंक हुई। गनीमत यह रही कि किसी तरह की कोई घटना गठित नहीं हुई। वही प्रागपुरा थाना पुलिस द्वारा कंटेनर खोलकर जांच की गई तोवाहन में मोटर पार्ट्स पाए गए। जिस पर गौ रक्षकों व ग्रामीणों को भी चेक करवाया गया। जब जाकर माहौल शांत हुआ व वाहन में मोटर पार्ट्स पाए जाने पर वाहन चालक को वाहन सहित अपने गंतव्य के लिए रवाना किया।

बाड़मेर-ऋषिकेश एक्सप्रेस के पावर में तकनीकी खराबी आई

- तीन घंटे महाजन में अटकी ट्रेन, यात्रियों को गर्मी में परेशान होना पड़ा

बीकानेर, (निसं)। ऋषिकेश से बाड़मेर जा रही बाड़मेर-ऋषिकेश एक्सप्रेस के पावर में तकनीकी खराबी आने के कारण ट्रेन करीब ढाई घंटे तक महाजन स्टेशन से पहले आउटर सिग्रल पर ही अटकी रही। जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेन के पावर इंजन में खराबी की सूचना मिलने के बाद अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार ऋषिकेश से बाड़मेर जा रही एक्सप्रेस ट्रेन अर्जुनसर से निकलते ही महाजन के पास ट्रेन का पावर फेल हो गया। सूचना रेलवे कर्मचारी व अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने मामले की जानकारी बीकानेर कंट्रोल रूम को दी। वहीं तकनीकी स्टाफ ने तकनीकी खामी को दुरुस्त करने के प्रयास किये, लेकिन सफलता नही मिली। भीषण गर्मी में सैंकड़ों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं ट्रेन में सवार दर्जनों यात्री पैदल हाइवे पर पहुंचकर बसों से अपने गंतव्य स्थान के लिए रवाना हुए। करीब एक दो घण्टे बाद सुरतगढ़ से दूसरा पावर इंजन महाजन पहुंचा। जिसके चलते करीब ढाई घण्टे बाद बाड़मेर-ऋषिकेश ट्रेन को महाजन पहुंचाया गया, जहां पहुचने के बाद भी करीब आधे घंटे रोकी गई। बाद में बीकानेर की और रवाना किया गया। ट्रेन रवाना करने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। यह ट्रेन ढाई घंटे तक आउटर सिग्रल खड़े रहने के कारण पीछे से सूरतगढ़ से जयपुर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन भी अर्जुनसर खड़ी रही और उसके बाद महाजन पहुंची। वहां पर भी आधे घंटे तक रोक रही। जिसके चलते यात्री भयंकर गर्मी में काफी परेशान हुए।

सुबह महाजन स्टेशन से पहले बाड़मेर-ऋषिकेश ट्रेन का पावर फेल हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण विकास ओझा, संजय राठी,दीनबंधु सोमाणी व हंसराज बेनीवाल मौके पर पहुंचे। ट्रेन में सवार यात्रियों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था की। महाजन स्टेशन मास्टर ने सभी ग्रामीणों का सहयोग के लिए आभार जताया। ट्रेन में सवार यात्रियों ने भी जलसेवा करने पर आभार जताया।

सेना के वाहन व ट्रेलर के बीच टक्कर, एक की मौत

बीकानेर, (निसं)। महाजन - लूणकरणसर मार्ग पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। महाजन से करीब 10 किलोमीटर दूर लूणकरनसर की तरफ सेना के वाहन व ट्रेलर के बीच भिड़ंत में ट्रेलर ड्राइवर की मौके पर की मौत हो गई। जिस सैन्य वाहन से टक्कर हुई, उस पर टैंक लोड किया हुआ था। महाजन पुलिस के अनुसार मोखमपुरा के पास दोपहर करीब दो सेना के वाहन व ट्रेलर के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हुई, जिसमें ट्रेलर ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। अवरुद्ध मार्ग को खुलवाकर रास्ता दुरुस्त करवाया। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि सेना का वाहन रोड से नीचे उतर गया। वहीं ट्रेलर भी आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेलर में सिर्फ ड्राइवर अकेला ही सवार था जिसकी मौके पर ही मौत हो गई है। भारी मशक्कत के बाद उसके शव को बाहर निकाल गया। ट्रेलर सूरतगढ़ की तरफ से आ रहा था और खाली ही था तो वहीं सेना के वाहन में टैंक लोड था।ट्रेलर ड्राइवर धर्मवीर पुत्र रामप्रताप आचार्य निवासी कोटड़ी कोलायत का रहने वाला है। पुलिस ने तुरंत उसके परिजनों को सूचना दी। शाम को परिजन भी महाजन पहुंच गए।

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013
E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/3559 दिनांक :- 08/07/2025

ई - बिड सूचना संख्या 23-II-/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विद्युत कार्य हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00135 - 137)

राज.संवाद/सी/25/5896 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

भिवाड़ी इंटिग्रेटेड विकास प्राधिकरण
bida BHIWADI INTEGRATED DEVELOPMENT AUTHORITY
एच-5, भगतसिंह कॉलोनी, भिवाड़ी, अलवर, दूरभाष :- 01493-230819
ई-मेल :- bida.bhiwadi@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- बीड़ा/अभि./1840/25 दिनांक :- 07/07/2025

Notice Inviting Bid

Bid for "Supply and installation of 8 computers in BIDA, Work of hiring a pump for drainage of rainwater at Alwar Bypass T-point, Pipe line work for STP treated water pumping from sector 8 to Koli Kholi, tourism park and Nagar van and CC road construction work at various places in BKT area of BIDA" is invited from interested bidders up to 1:00 PM date 17.07.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in of the state; and https://bida.rajasthan.gov.in departmental website. UBN: BDA2526GSOB00038, BDA2526WSOB00039, BDA2526WSOB00040, BDA2526WSOB00041

Raj.Samwad/C/25/5854 Executive Engineer BIDA, Bhiwadi

कार्यालय नगर परिषद निम्बाहेड़ा जिला - चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक :- नपनि/निर्माण/25-26/2579 दिनांक :- 09/07/2025

निविदा सूचना नं. 11/2025-26

नगरपरिषद निम्बाहेड़ा द्वारा नगर निकाय में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत एवं अन्य विभागो में 'ए' एवं 'एए' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईड मचतवबण्तंरेंजींदण्हवअण्पद पर ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण sppp.rajasthan.gov.in के NIB Code DLB2526A3387 पर भी देख सकते है :-

कार्य निविदा के कार्य	कुल 1 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि 50.00 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक	09.07.2025 सांय 05.00 बजे से
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा कराने की अन्तिम दिनांक	16.07.2025 प्रातः 10.00 बजे से
ऑन लाईन राशि जमा करवाने की अन्तिम दिनांक	16.07.2025 प्रातः 10.00 बजे तक
तकनीकी बिड खोलने की दिनांक	16.07.2025 दोपहर 02.00 बजे
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक	तकनीकी बिड मूल्यांकन पश्चात
Unique Bid Number	DLB2526WSOB10595

राज.संवाद/सी/25/5915 प्रशासक नगर परिषद निम्बाहेड़ा आयुक्त नगर परिषद निम्बाहेड़ा

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. जिला खंड प्रथम बीकानेर

क्रमांक 765 दिनांक : 30.6.2025

ई-निविदा 07/2025-26 तृतीय संशोधन सूचना
(डीआईपीआर प्रकाशन संख्या :- 7370 Dt. 06.06.2025)

विवरण	पूर्व में डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	संशोधित डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक	05.06.2025 को प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 01.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक	05.06.2025 को प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 14.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की दिनांक	05.06.2025 को प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 01.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक	05.06.2025 को प्रात: 09.30 बजे से दिनांक 14.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	02.07.2025 को प्रात: 11.00 बजे	15.07.2025 को प्रात: 11.00 बजे

शेष नियम एवं शर्तें निविदानुसार यथावत रहेगी।

UBN No. -: 1. PWD2526SWOB02997, 2. PWD2526WSOB02999
3. PWD2526WSOB03000, 4. PWD2526WSOB03004

DIPR/C/9229/2025 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. जिला खंड प्रथम, बीकानेर

कार्यालय अधिषाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड भीनमाल

क्रमांकः अअ/भीन / 2025-26/325 दिनाक-27.06.2025

निविदा सूचना संख्याः 03 वर्ष 2025-2026
NIB No. PWD2526A1663

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 134.20 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	04 जुलाई 2025, 9:30 बजे से 14 जुलाई 2025, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2526WSOB05928

(ओम प्रकाश) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड भीनमाल

DIPR/C/9203/2025

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर
केन्द्रीय छात्रवृत्ति फ्रेश वर्ष 2025 व वर्ष 2021 से 2024 तक के नवीनीकरण हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रण हेतु सूचना

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली की केन्द्रीय छात्रवृत्ति योजना 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। राजस्थान बोर्ड के ऐसे परीक्षार्थी जो Top 20 पर्सेंटाइल की सूची (वर्ष 2025 की Top 20 Percentile की सूची एवं दिशानिर्देश बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है) में आते हैं, वे 31.10.2025 को (रात्रि 12.00 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ग में दिव्यांगो (PwDs) का 5% आरक्षण है। राजस्थान बोर्ड द्वारा घोषित परिणाम उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 में Science, Commerce and Humanities से परीक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज/विश्वविद्यालय में नियमित अध्ययन कर रहे विद्यार्थी आवेदन के लिए पात्र हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के National Scholarship Portal के लिंक www.scholarships.gov.in पर छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। Top 20 पर्सेन्टाइल राजस्थान बोर्ड द्वारा जारी संवीक्षा पूर्व के परिणाम पर आधारित है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करना ही चयन का आधार नहीं होगा। छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्धारित मापदंड के अनुसार होगा।

केन्द्रीय छात्रवृत्ति 2024 के लिए चयनित विद्यार्थी प्रथम नवीनीकरण, 2023 के लिए चयनित विद्यार्थी द्वितीय नवीनीकरण, 2022 के लिए चयनित विद्यार्थी तृतीय नवीनीकरण व 2021 के लिए चयनित विद्यार्थी चतुर्थ नवीनीकरण हेतु उपर्युक्त पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। वर्ष 2021 से 2024 के नवीनीकरणों के आवेदन हेतु विद्यार्थी अध्ययनरत पाठ्यक्रम में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण हो या समकक्ष ग्रेड के साथ उत्तीर्ण हो अथवा यदि सेमेस्टर प्रणाली है तो दोनों सेमेस्टर में औसत न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हो। साथ ही पात्रता के लिए आवश्यक है कि आवेदक की उपस्थिति न्यूनतम 75 प्रतिशत हो, अनुशासित हो एवं रैगिंग गतिविधियों में संलिप्त नहीं हो। ऑनलाईन आवेदन करने संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन नं. 0120-6619540 पर संपर्क किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट www.scholarships.gov.in देखी जा सकती है।

नोट:- छात्रवृत्ति के नवीनीकरण हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत का मापदंड MoE द्वारा शैक्षिक सत्र 2018-19 से ही शुरू किया गया है। एनएसपी के माध्यम से छात्रवृत्ति वितरण के लिए खाता संख्या की आवश्यकता नहीं है। छात्रवृत्ति सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में वितरित की जाएगी।

सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौडगढ

क्रमांक / टी.एस. / 2025-26/डी:-886 दिनांक :- 01.07.2025

निविदा संशोधन सूचना संख्या - 2

इस कार्यालय के पत्रांक 632 दिनांक 07.06.2025 से जारी ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26 (DIPR RO No. 7858 Dated 16.06.2025) एवं निविदा के संशोधन सूचना क्रमांक 772 दिनांक 23.06.2025 (DIPR RO No. 8800 Dated 27.06.2025) की दिनांको में निम्नानुसार पुनः संशोधन किया जाता है:-

विवरण	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक	12.06.2025 से 02.07.2025 सांय 6.00 बजे तक	12.06.2025 से 02.07.2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की दिनांक	12.06.2025 से 02.07.2025 सांय 6.00 बजे तक	12.06.2025 से 02.07.2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	04.07.2025 प्रातः 11.00 बजे	16.07.2025 प्रातः 11.00 बजे

निविदा में वर्णित अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।

अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड-चित्तौडगढ

DIPR/C/9283/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, दाँयी मुख्य नहर खण्ड द्वितीय, सी.ए.डी. अन्ता, जिला-बारां (राज.)
Email: EERMC2CAD.ANTA@rajasthan.gov.in

क्रमांकः अ.अ./दा.मु.न.-II/ ई-निविदा/2025-26/1179-86 दिनांकः 01/07/2025

निविदा सूचना संख्या 09 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से अधिशाषी अभियंता, दाँयी मुख्य नहर खण्ड-द्वितीय, सी.ए.डी. चम्बल, अन्ता के अन्तर्गत नहरी तन्त्र की मरम्मत कार्य की निविदा जिनकी अनुमानित लागत 167.51 लाख रुपये है, के निम्नलिखित कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी के विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं अन्य विभागों के उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों/फर्मस हेतु निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑन लाईन दिनांक 11.07.2025 सांय 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड (जमा) की जा सकती है। वेबसाईड पर निविदाऐ दिनांक 12.07.2025 को सांय 3.00 बजे खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है, या सम्पूर्ण निविदाएँ नही खोली जा सकती तो उसके अगले कार्यदिवस को उसी समय निविदा खोली जायेगी। निविदादाता द्वारा निविदा शुल्क व धरोहर राशि एवं निविदा की शर्तों के अनुसार वित्त (जीएण्डटी) विभाग राज0 सरकार के परिपत्र दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास पर ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया शुल्क चालान से डिविजन कोड 502-XEN RMC Division II CAD ANTA का चयन करते हुए जमा करवाना अनिवार्य है। निविदा से सम्बन्धित कार्य का विवरण एवं नियम शर्तें वेब साईट http://www.dipronline.org and http://sppp.rajasthan.gov.in तथा कार्यालय हाजा के नोटिस बोर्ड पर कार्यालय समय में देखा जा सकता है।

NIB code: CKJ2526A0023

कार्य की क्र.सं.	कार्य का यू.बी.एन. नम्बर	कार्य की क्र.सं.	कार्य का यू.बी.एन. नम्बर
1	CKJ2526WSOB00102	2	CKJ2526WSOB00103
3	CKJ2526WSOB00104	4	CKJ2526WSOB00105
5	CKJ2526WSOB00106	6	CKJ2526WSOB00107
7	CKJ2526WSOB00108	8	CKJ2526WSOB00109
9	CKJ2526WSOB00110	10	CKJ2526WSOB00111
11	CKJ2526WSOB00112		

(हेमराज मीणा) अधिशाषी अभियंता दाँयी मुख्य नहर खण्ड-II सी.ए.डी. चम्बल अन्ता

DIPR/C/9284/2025

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
04, संस्थानिक क्षेत्र, झालाना डूँगरी, जयपुर, फोन नं.: 0141-271800, 271879, E-mail: member-secretary@rpcb.nic.in

क्रमांक :- एफ 8 (31)/सफाई व्यवस्था/रा.प्र.नि.मं./333 - 338 दिनांक :- 07/07/2025

ई-निविदा सूचना

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, मुख्यालय, संस्थानिक क्षेत्र झालाना डूँगरी, जयपूर द्वारा सफाईकर्मियों की सेवाओं को अनुबन्ध पर लेने हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी ठेकेदारों / संस्था / एजेन्सियों से नियमानुसार सीलबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनु. राशि वार्षिक (रू. में)	बयाना / अमानत राशि (रू. में) / बोली प्रतिभूति राशि 2 प्रतिशत	संविदा अवधि	निविदा की प्रारम्भिक तिथि	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोलने की तिथि व समय	RISL Fees	निविदा शुल्क
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	(12) सफाईकर्मी	12.50 लाख	25,000 / -	एक वर्ष	08.07.2025	17.07.2025 को सांय 03:00 बजे तक	18.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे	500/-	500/-

बोली ऑनलाईन E-Proc पर ही स्वीकार की जायेगी। बोली की शर्ते एवं अन्य विवरण राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर की वेबसाइट http://environment.rajasthan.gov.in तथा पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in/ उपापन पोर्टल पर देखे व डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा प्रपत्र एवं बोली प्रतिभूति राशि के बैंक ड्राफट / बैंकर्स चैक सदस्य सचिव, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर के नाम से देय होगा। RISL का Demand Draft, Managing Director, RISL के नाम से देय होगा जो भौतिक रुप से मण्डल कार्यालय में निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय तक प्रस्तुत करना अनिवार्य है। बिना बोली प्रतिभूति /अमानत राशि, निविदा शुल्क तथा RISL फीस D.D. के निविदा स्वीकार्य नहीं होगी। निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सदस्य सचिव को होगा।

UBN :- PCB2526SLOB0004

राज.संवाद/सी/25/5873 सदस्य सचिव

कार्यालय नगर पालिका मण्डल सांभर लेक (जयपुर)

क्रमांक / न.पा.सा. / 2025-26 / 810 दिनांक 07.07.2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका में निम्नानुसार आवेदकों ने अपने स्वामित्व दस्तावेजों के साथ कृषि भूमि नियमन की स्वीकृत योजनाओं में पट्टे हेतु आवेदन किया है।

कृषि भूमि नियमन

क्र. स.	नाम आवेदनकर्ता	क्षेत्रफल वर्गगज	खसरा नं.	योजना का नाम	वि.विवरण
1	श्रीमति कविता लडीवाल पत्नि पवन कुमार लडीवाल	134.95	537 / 2	बालहंस विहार (प्लाट नं.-ए11)	जरिये खातेदार से पंजीकृत विक्रय- पत्र
2	श्रीमति कविता लडीवाल पत्नि पवन कुमार लडीवाल	137.50	537 / 2	बालहंस विहार (प्लाट नं.-ए12)	जरिये खातेदार से पंजीकृत विक्रय- पत्र
3	सुनील कुमार पुत्र श्री पूसाराम	155.48	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-52)	जरिये आवंटन
4	श्री राजेश कुमार पुत्र श्री बाबूलाल कुमावत	118.76	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-37)	जरिये आवंटन
5	श्री राजेश कुमार पुत्र श्री बाबूलाल कुमावत	119.38	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-36)	जरिये आवंटन
6	श्री रामकेश मीणा पुत्र श्री देवकिशन मीणा	135.77	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-13)	जरिये आवंटन
7	श्रीमति मनसा पत्नि विष्णुप्रकाश कुमावत	138.87	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-31)	जरिये आवंटन
8	श्रीमति मनसा पत्नि विष्णुप्रकाश कुमावत	139.42	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-38)	जरिये आवंटन
9	श्रीमति मनसा पत्नि विष्णुप्रकाश कुमावत	132.76	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-41)	जरिये आवंटन
10	श्रीमति मनसा पत्नि विष्णुप्रकाश कुमावत	152.87	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-48)	जरिये आवंटन
11	श्री रामकेश मीणा पुत्र श्री देवकिशन मीणा	111.48	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-11)	जरिये आवंटन
12	श्री रामकेश मीणा पुत्र श्री देवकिशन मीणा	129.49	1085 / 1,1085 / 2,1087, 1088 / 1, 1089 / 1, 1092 / 1, 1096	पूज्य स्वामी दयानन्द सरस्वती नगर (प्लाट नं.-12)	जरिये आवंटन

अतः उपर्युक्त आवेदकों के पक्ष में कृषि भूमि नियमन पट्टे जारी करने बाबत किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज इस सूचना के जारी होने से 7 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। बाद मियाद प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा। सूचना में अंकित अवधि पश्चात पत्रावलियों के निस्तारण की कार्यवाही की जावेगी। दस्तावेज / साक्ष्य के प्रस्तुतीकरण के अभाव में नियमन नही होने के लिये आवेदनकर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सांभर लेक

राज.संवाद / सी / 25 / 5823

प्रदेश में व्यापार को आसान बनाने पर सरकार का फोकस : राज्यवर्धन सिंह

उद्योगों की समस्याओं के निराकरण के लिए ज्वाइंट ग्रुप की घोषणा

जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में संगोष्ठी आयोजित हुई।

जयपुर। राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राज्य में व्यापार को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक, स्किल डेवलेपमेंट और मार्केटिंग के साथ क्वालिटी प्रोडक्ट ही उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बनाए रख सकते हैं। वे आज लघु उद्योग भारती, राजस्थान द्वारा आयोजित उद्योग, वन, पर्यावरण और खान विभाग विषयक राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे, जो पहली बार एक मंच पर इन सभी विषयों को लेकर संवाद स्थापित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था।

जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित इस संगोष्ठी में उद्योग मंत्री राठौड़ ने महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि राज्य में उद्योगों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित और स्थाई समाधान हेतु एक ज्वाइंट ग्रुप गठित किया जाएगा, जिसमें उद्योग, वन, खान, स्किल डेवलपमेंट विभाग के साथ-साथ लघु उद्योग भारती जैसे अग्रणी संगठन को भी सम्मिलित किया जाएगा। यह समूह सभी विभागों के साथ समन्वय के साथ जमीनी समस्याओं को चिन्हित करेगा और उनके सहज समाधानों के साथ इस ग्राउंड रिपोर्ट को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

दर वृद्धि को रोके जाने की बड़ी उपलब्धि:- इस अवसर पर उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई ने बताया कि जीएसटी काउंसिल में पत्थर पर टैक्स को 18 से बढ़ाकर 28 करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे उनके सतत प्रयासों से रोका गया। यह पत्थर उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी राहत है और सरकार की व्यावसायिक संवेदनशीलता का प्रमाण है। विश्नोई ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में मार्बल-ग्रेनाइट पर जीएसटी दर और कम करने की दिशा में प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने और अप्रासंगिक कानूनों और नियमों की समीक्षा कर उनमें आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे जिससे उद्योगों को वास्तविक राहत मिल सके।

राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण:- प्रदेश के इंडस्ट्री कमिश्नर रोहित गुप्ता ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपयों के एमओयू में से चार लाख करोड़ से अधिक के निवेश को लगातार मॉनिटरिंग से धरातल पर लाया जा रहा है जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बन रहा है. उन्होंने एमएसएमई, ओडीओपी और रिप्स आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी और प्रदेश को सौर ऊर्जा का हब बताया।

हथियार तस्करी का सप्लायर लखनऊ से गिरफ्तार

- कुख्यात हथियार सप्लायर प्रवीण उर्फ अंकल ने सलमान को सप्लाई किए थे खतरनाक हथियार

जयपुर। पुलिस महानिदेशक राजस्थान की ओर से अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रतापगढ़ पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की टीम ने संयुक्त कार्रवाई में कुख्यात हथियार सप्लायर प्रवीण वर्मा उर्फ अंकल को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। यह वही प्रवीण है जिसने प्रतापगढ़ में पकड़े गए कुख्यात अपराधी सलमान को अवैध हथियार उपलब्ध कराए थे।

यह मामला 28 जून 2025 को शुरू हुआ जब छोटीसादड़ी थानाधिकारी प्रवीण टांक ने राकेश राठौर पुत्र कचरु लाल निवासी गंगधार, झालावाड़ को एक ऑटोमेटिक देशी पिस्टल और दो खाली मैगजीन के साथ गिरफ्तार किया। राकेश से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने सलमान पुत्र शेरखान निवासी नागदा को गिरफ्तार किया और उसके पास से 14 देशी- विदेशी हथियार और 1860 कारतूस बरामद किए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध दिनेश एमएन के निर्देशन में एसपी बंसल ने हथियारों की सप्लाई करने वाले अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम ने गहनता से जांच की और एजीटीएफ टीम और छोटीसादड़ी पुलिस टीम ने मिलकर आरोपी प्रवीण वर्मा उर्फ अंकल को लखनऊ जिला जेल से प्रोटेक्शन वारंट के जरिए गिरफ्तार किया। प्रवीण उर्फ अंकल फिरोजाबाद उत्तर प्रदेश के कोतवाली थाना क्षेत्र के काजीटोला मस्जिद के सामने का निवासी है, अपराध जगत में अंकल के नाम से कुख्यात है। पूछताछ में पता चला है कि प्रवीण उर्फ अंकल ने राकेश और जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू बिलोनी को ऑटोमेटिक और प्रतिबंधित हथियार व कारतूस दिए थे, जो अंततः कुख्यात अपराधी सलमान तक पहुंचे थे।रे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके।

अवैध हथियार तस्करी के इस बड़े खुलासे में दो पुलिस टीमों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छोटीसादड़ी थाना से थानाधिकारी प्रवीण टांक के नेतृत्व में उप निरीक्षक निर्भय सिंह और नारायणलाल, सहायक उप निरीक्षक शिवराम और अर्जुन सिंह, हैड कांस्टेबल सुरेश और कांस्टेबल रामराज शामिल थे।

'युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर'

जयपुर। प्रदेश में सरकारी सेवाओं में युवाओं को अधिक से अधिक अवसर देने के क्रम में राज्य सरकार ने विद्युत वितरण निगमों में तकनीशियन-तृतीय के 1947 नवीन पदों के सृजन तथा इन पदों को सीधी भर्ती से भरे जाने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को वित्तीय स्वीकृति दी है।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सरकारी सेवाओं में युवाओं को अधिक से अधिक अवसर देने के संकल्प के क्रम में इस निर्णय से वितरण कंपनियों में तकनीकी कार्मिकों की कमी को पूरा किया जा सकेगा। जयपुर डिस्कॉम में 537, अजमेर डिस्कॉम में 498 तथा जोधपुर डिस्कॉम में 912 तकनीशियन-तृतीय के नवीन पदों के सृजन के ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव का उपमुख्यमंत्री (वित्त) ने अनुमोदन किया है।

कृषि उपभोक्ताओं को राहत के लिए ऊर्जा मंत्री की पहल

जयपुर। ट्रांसफॉर्मर चोरी हो जाने पर नया ट्रांसफॉर्मर लेने के लिए विद्युत उपभोक्ताओं को अब एफआईआर दर्ज होने का इंतजार नहीं करना होगा। विशेषतः कृषि उपभोक्ताओं को इसका बड़ा लाभ होगा और एफआईआर दर्ज होने की प्रतीक्षा किए बिना वे तुरंत नया ट्रांसफॉर्मर हासिल कर पाएंगे। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर की पहल पर विद्युत वितरण निगमों ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। गौरतलब है कि ट्रांसफॉर्मर चोरी होने के बाद एफआईआर दर्ज होने की प्रक्रिया में लम्बा समय लग जाता था। नए ट्रांसफॉर्मर के लिए काश्तकार भटकते रहते थे और सिंचाई के अभाव में कई बार उनकी फसलें सूख जाया करती थीं। जिसका उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ता था।

नागर ने बताया कि डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफॉर्मर चोरी होने पर सहायक अभियंता के द्वारा संबंधित पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने के लिए पत्र भेजा जाएगा।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा जनप्रतिनिधि साधु-संतों का करेंगे सम्मान

जयपुर । भारतीय संस्कृति में गुरु-परंपरा सनातन धर्म का आत्मा-स्तंभ है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता पार्टी के सभी जन-प्रतिनिधि, सांसद, विधायक, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पार्षद एवं संगठन पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, आश्रम आदि धार्मिक स्थलों में गुरु पूर्णिमा समारोह के अवसर पर साधु-संतों को श्रद्धा और आदर सहित सम्मानित करेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भरतपुर में पूंछरी के लौठा में संत-महात्माओं का बहुमान करेंगे और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ पाली में गजानंद जी मंदिर में महंत नारायण गिरी और सुरेश गिरी महाराज का शॉल, माला पहनाकर सम्मान करेंगे एवं आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक अरुण चतुर्वेदी एवं सह संयोजक सौरभ सारस्वत जगतपुरा कच्ची बस्ती स्थित सुंदर सागर महाराज का बहुमान करेंगे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ जयपुर के नंदपुरी स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में संतों का आशीर्वाद लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता घनश्याम तिवाड़ी एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया जोधपुर में गुरू पूर्णिमा उत्सव में भाग लेंगे।

जयपुर में यह आयोजन विशेष रूप से भव्य होगा। विधायक गोपाल शर्मा मोती डूंगरी मंदिर के महंत कैलाश चंद्र शर्मा एवं गोविंद देव जी मंदिर के महंत अंजन कुमार स्वामी को सम्मानित करेंगे। पूर्व प्रदेश महामंत्री जगवीर छाबा 52फिट हनुमान मंदिर में राम जोशी महाराज का सम्मान करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी आदित्य सागर महाराज का, डॉ. मनजीत कोर, जान्हवी सिंह, गुरदीप सिंह , गुरुविंदर सिंह, जीएस होरा को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह एवं सहयोगी सम्मिलित होकर सम्मान करेंगे।

कार्यक्रम संयोजक अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि पूर्व सांसद रामचरण बोहरा प्रभु अमित आसन दास मंदिर (श्री राधाकृष्ण जी) में बहुमान करेंगे। विधायक कैलाश वर्मा महंत बस्ती नाथजी महाराज (लुनियावास), गुरुदेव भुवनेश्वरानंद महाराज (सत्यात्म पहाड़ी बाबा आश्रम, गोनेर) का आदर करेंगे। प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ महुआ स्थित गुरु महाराज आश्रम जाकर आशीर्वाद लेंगे।

पूर्व विधायक मोहन गुप्ता हाथोज धाम में संत बालमुकुंदाचार्य महाराज, चंद्र मनोहर बटवाडा महाराज अवधेशानंद, पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह पारीक महंत अलबेली शरण महाराज का सम्मान करेंगे। उन्होंने बताया कि समाज के कोने कोने से जन-प्रतिनिधि व नेताओं द्वारा स्थानीय धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्रीय स्थलों - मठ, मंदिर, गुरुद्वारा, आश्रम में शाल, श्रीफल, माला प्रदान कर सम्मान व्यक्त किया जाएगा। सम्मान के पश्चात वे गुरुजनों से आशीर्वाद ग्रहण करेंगे।

मोबाइल छीनने वाला मोबाइल स्नैचर गिरफ्तार

जयपुर। संजय सर्किल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने वाले एक मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से छीना गया मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपित नशे करने का आदि है और नशा पूर्ति और मौज-मस्ती के लिए चेन स्नेचिंग की वारदात करता है।

गुरु पूर्णिमा पर सरकार गुरुजनों को करेगी सम्मानित

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल
- प्रदेशभर में आयोजित होंगे गुरु वंदन कार्यक्रम

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य सरकार इस बार भी गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर गुरुजनों के सम्मान में गुरुवंदन कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इस अवसर पर प्रदेश भर में धर्मगुरुओं, महंतों और पुजारियों का सम्मान किया जाएगा।

शर्मा के निर्देशानुसार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से धर्मगुरुओं, महंतों और पुजारियों को 2100 रूपए सम्मान राशि, श्रीफल, शॉल, मिठा एवं गुरुवंदन संदेश भेंट किए जाएंगे। कार्यक्रम में मंत्रीगण, विधायकगण, जिला कलक्टर या उनके द्वारा नामित अधिकारी उपस्थित रहकर गुरुजनों का सम्मान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने गत वर्ष से गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरुजनों के सम्मान में गुरु वंदन कार्यक्रम की पहल की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरू पूर्णिमा (10 जुलाई) के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु-शिष्य परंपरा का परिचायक है। यह हमें अपने गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करने की प्रेरणा देता है।

सीआरसी ने किया दिव्यांगजनों के लिए फिल्म 'सितारे ज़मीन पर' का प्रदर्शन

- दिव्यांग बच्चों ने फिल्म का आनंद लिया
- समाज में दिया जागरूकता का संदेश

फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन बुधवार को पीवीआर सिनेमा में किया ।

जयपुर। समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), जामडोली, जयपुर ने भारत सरकार के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशानुसार सितारे ज़मीन पर फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन बुधवार को पीवीआर सिनेमा में किया गया, जिसमें दिव्यांग बच्चों ने फिल्म का आनंद लिया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अविनाश गहलोत ने कहा कि दिव्यांगजनों के प्रति समाज में स्वीकृति और समानता का भाव अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने सीआरसी की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण और समावेशिता को बढ़ावा देते हैं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीना ने सीआरसी द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की प्रशंसा की और संस्थान को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

सीआरसी जयपुर के निदेशक नीरज मधुकर ने बताया कि यह आयोजन केवल मनोरंजन नहीं बल्कि दिव्यांगता के प्रति जागरूकता, संवेदनशीलता एवं एक समावेशी समाज की दिशा में सार्थक प्रयास है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में भामाशाह हाजी रुखसार अहमद ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

इस अवसर पर सपोर्ट फाउंडेशन फॉर ऑटिज्म एंड डेवलपमेंटल डिसेबिलिटीज, राजस्थान नेत्रहीन कल्याण संघ, मानसिक विमंदित गृह, जामडोली समेत विभिन्न संस्थाओं के विशेष बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

'50 साल पुरानी सीवर लाइनें जयपुर की दुर्दशा का कारण'

- जयपुर की जर्जर सीवर व्यवस्था पर गिरिराज खंडेलवाल का बड़ा बयान

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने जयपुर शहर की बदहाल सीवर व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार और नगर निगम प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी जयपुर की तस्वीर आज यह है कि 50 वर्ष पुरानी सीवर लाइनों पर पूरा शहर टिका हुआ है और 480 करोड़ की योजना केवल कागज़ों तक ही सीमित है।

उन्होंने कहा कि ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र के प्रतापनगर, माणकचौक, विद्याधर नगर, मालवीय नगर, सांगानेर जैसे कई इलाकों में लोग सीवर जाम और गंदे पानी से परेशान हैं। नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे स्थानीय लोगों का जीवन दूभर हो गया है और बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा के शासन में नगर निगम की कार्यप्रणाली पूरी तरह से असफल साबित हुई है।

वर्षों से सीवर की सफाई नहीं हुई, और जहां कुछ काम शुरू भी हुआ, वह अधूरा छोड़ दिया गया। करोड़ों की योजनाएं केवल घोषणाओं तक ही सीमित हैं, जमीनी स्तर पर कुछ नजर नहीं आ रहा।

गिरिराज खंडेलवाल ने सवाल किया कि जब 7000 किलोमीटर लंबी सीवर लाइन में से 4500 किलोमीटर ग्रेटर निगम के पास है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? हर साल सफाई के नाम पर करोड़ों का बजट पास होता है, लेकिन हालात जस के तस हैं।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सीवर लाइनों की तत्काल सफाई करवाई जाए, पुरानी लाइनों को बदलने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए, सभी ज़िलों और कॉलोनियों में ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से कार्य की निगरानी हो, आमजन की शिकायतों का समयबद्ध समाधान हो,जयपुर स्मार्ट सिटी है, लेकिन सच्चाई गंदगी और बदहाली से भरी है। कांग्रेस जनता की इस पीड़ा के साथ खड़ी है और हर स्तर पर इसे उठाएगी।

चाकुओं से गोदकर युवक की हत्या

जयपुर। सेज थाना इलाके में स्थित नेवटा गांव अज्ञात बदमाशों ने एक युवक पर चाकूओं से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी और शव को सुनसान जगह पर फेंकर फरार हो गए। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव देखा। जिसके बाद इलाके में सनसनी फेल गई और घटना स्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जानकारी फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम को दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए बगरू के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। सूचना पर मौके पर पहुंची फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) टीम ने घटनास्थल से कुछ सबूत जुटाए। थानाधिकारी उदय सिंह ने बताया कि मृतक के शरीर पर कई गहरी चोट के निशान मिले है। जहां भी चोट के निशान है वहां से खून सूख चुका है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि युवक की हत्या करीब 10 घंटे पहले की कहीं ओर करके शव को यहां डाला गया है। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस थाना इलाके में चल रहीं खानों में फोटो के आधार पर मृतक की शिनाख्तगी के प्रयास कर रहीं है।

जयपुर में राष्ट्रीय लोकदल के सदस्यता अभियान का आगाज

जोगिंदर सिंह अवाना के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ली सदस्यता।

जयपुर। राष्ट्रीय लोकदल के सदस्यता अभियान का आज भव्य शुभारंभ हुआ। पिंक सिटी प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों से आए लगभग 700 कार्यकर्ताओं ने आरएलडी की सदस्यता ग्रहण की। इस अभियान का नेतृत्व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर अवाना द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित युवा राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिनय चौधरी ने सुरजीत चौधरी समेत सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अभियान केवल सदस्यता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतरत्न से सम्मानित स्व. चौधरी चरण सिंह के सपनों को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है। अवाना ने कहा, कि यह अभियान राष्ट्रीय लोकदल की उस विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है जो किसानों, मजदूरों और आम जनता की बात करती है। आने वाला समय आरएलडी का है और हम सब मिलकर स्व. चौधरी चरण सिंह के सिद्धांतों को धरातल पर उतारेंगे। अवाना ने कहा कि पार्टी द्वारा इस अभियान के तहत युवाओं, महिलाओं और ग्रामीण वर्ग को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जयपुर से शुरू हुआ यह सदस्यता अभियान जल्द ही राजस्थान के अन्य जिलों में भी व्यापक स्तर पर चलेगा। इस बड़ी भागीदारी से स्पष्ट है कि राष्ट्रीय लोकदल राज्य में एक मजबूत जनाधार स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

रीको ने प्राकृतिक धरोहर को सहेजा, वृक्षों को दी नई जमीन और नया जीवन

- 10 खेजड़ी के वृक्षों को रोपित किये जाने की नई जगह का चयन रीको जयपुर नगर निगम के सहयोग से करेगा

जयपुर। राजस्थान में औद्योगिक विकास को हरित संतुलन के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में रीको ने एक सराहनीय पहल की है। रीको द्वारा बी टू बायपास टोंक रोड स्थित औद्योगिक क्षेत्र में करीब 20,700 स्कवायर मीटर भूखण्ड पर यूनिटी मॉल विकसित किया जा रहा है। इस भूखण्ड पर चिलाई, नीम एवं बबूल के लगभग 48 पेड़ तथा 10 खेजड़ी के पेड़ हैं। इनमें से जिला प्रशासन जयपुर के अनुमोदन पश्चात् नगर निगम (ग्रेटर) की सहायता से हटाये गये 48 नीम, चिलाई और बबूल के वृक्षों का सुरक्षित प्रत्यारोपण रीको ने जयपुर प्रताप नगर स्थित प्रताप पार्क, अजय पार्क एवं गणपतपुरा श्मशान में कर दिया है। इसके अतिरिक्त 10 खेजड़ी के वृक्षों को रोपित किये जाने की नई जगह का चयन रीको जयपुर नगर निगम के सहयोग से करेगा।

जयपुर में हुई मानसूनी बारिश से इन वृक्षों पर फूटी नई कोपलों ने रीको के इस कार्य को सफल साबित कर दिया है। ये वृक्ष पूरी तरह हरे-भरे हो जाएं तब तक रीको द्वारा इनकी उचित देखभाल की जायेगी।

यूनिटी मॉल परियोजना के भूखण्ड से विस्थापित किये जाने वाले 58 पेड़ों की एवज में रीको इससे लगभग 10 गुना पेड़ लगाएगा जिसमें नीम, गुलमोहर, जामुन एवं शीशम इत्यादि शामिल हैं। यह पेड़ उसी औद्योगिक क्षेत्र (बीटूबायपास) में लगाये जायेंगे जिसमें यूनिटी मॉल परियोजना विकसित की जा रही है। इन पेड़ों के अलावा भी रीको यूनिटी मॉल की प्रोजेक्ट साइट पर करीब 250 पेड़ और लगायेगा जिसमें अफरीकन ट्यूलिप, ब्राजीलियन केसिया, नीम, शीशम और कदम्ब इत्यादि शामिल हैं।

रीको की यह प्रतिबद्धता दर्शाती है कि औद्योगिक विकास के साथ वह पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने को लेकर भी पूरी तरह सतर्क है। प्रत्येक वर्ष रीको द्वारा स्वयं अथवा औद्योगिक एसोसिएशंस के माध्यम से लाखों पौधे लगाए जाते हैं। इस वर्ष भी पूरे राजस्थान स्थित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग पांच लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गौरतलब है कि जयपुर में बनाया जा रहा यूनिटी मॉल केंद्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण महात्वाकांक्षी योजना के तहत विकसित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना और स्थानीय कारीगरों को विपणन का मंच उपलब्ध कराना है।

मेक इन इंडिया एवं एक जिला एक उत्पाद की अवधारणा यूनिटी मॉल के निर्माण से साकार हो सकेगी। इसके माध्यम से जीटेग मिल चुके उत्पादों से जुड़े ग्रामीण परिवेश के मध्यम एवं छोटे उद्यिमयों को अपने उद्यम को चलाने एवं बढ़ाने के लिये नया मंच मिलेगा।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि राज्य के हर औद्योगिक क्षेत्र के विकास के साथ-साथ वहां की हरियाली एवं पर्यावरण संतुलन को भी प्राथमिकता दी जाती है। रीको पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी पूर्णतया सचेत है और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रत्येक जिम्मेदारी निभाने की ओर अग्रसर है।

प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र हरा-भरा हो, इसके लिये प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में पौधारोपण किया जाता है और उन पौधों की देखभाल भी जाती है। यूनिटी मॉल की प्रस्तावित जगह से वृक्षों का सफल प्रत्यारोपण किया गया है और उनकी देखरेख के लिये आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये गये हैं।

हिरणाक्षी राठौड़ फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर चयनित

जयपुर। जयपुर के हरि मार्ग, सिविल लाइन्स की निवासी हिरणाक्षी राठौड़ का भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर चयनित होकर अपने परिवार और जयपुर का नाम रोशन किया है। हिरणाक्षी ने 6 जुलाई को हैदराबाद स्थित प्रशिक्षण केंद्र में डेढ़ वर्षीय प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद स्थित एयरफोर्स एकेडमी में ज्वाइन कर लिया है। हिरणाक्षी बचपन से ही सेना में अधिकारी बनने की तीव्र इच्छा रखती थी इसको पूरा करने के लिए उन्होंने शुरू से ही कठोर मेहनत की। बनस्थली विद्यापीठ से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन में बीटेक डिग्री प्राप्त करने के बाद 2 वर्ष तक एचएसबीसी बैंक में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की प्राइवेट सेक्टर की नौकरी के दौरान लगातार भारतीय वायु सेना के लिए प्रयासरत रही।

जेडीए का आवासीय योजनाओं में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

- मौके पर जारी किये गये कब्जा पत्र वितरण

भूखण्ड मालिकों ने लगाये वृक्ष।

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन - 12 के क्षेत्राधिकार में स्थित अटल विहार एवं रघुनाथ विहार आवासीय योजनाओं में मौके पर कब्जा पत्र एवं वृक्षारोपण आयोजित कर सफल आवेदकों को मौके पर कब्जा पत्र जारी किये और भूखण्ड मालिकों से वृक्षारोपण करवाया गया।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर शहर को हराकृभरा बनाने की दिशा में राजस्थान की मुहिम को बढावा देते हुए जोन - 10 एवं जोन - 12 के क्षेत्राधिकार में स्थित आवासीय योजनाओं के सफल आवेदकों को कब्जा पत्र जारी करने और वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत बुधवार से शुरूआत की गई। जेडीए द्वारा जुलाई एवं अगस्त माह में आयोजित किये जायेंगे।

उपायुक्त जोन-12 के नेतृत्व में, संबंधित जोन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे। सफल आवेदकों को कब्जा पत्र जारी करने की प्रक्रिया सफल रही। इसके साथ ही वरिष्ठ उद्यानविज्ञ अपनी टीम के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

यह कार्यक्रम न केवल आवासीय योजनाओं के सफल आवेदकों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी जेडीए की ओर से एक महत्वपूर्ण कदम है। जेडीए का ध्येय है कि आमजन के साथ मिलकर जयपुर शहर को हरा-भरा बनाना है।

जेडीए द्वारा जोन - 12 में 10.07.2025 को रजत विहार, जोन-10 में 16.07.2025 को गोविन्द विहार एवं 12.08.2025 को पटेल नगर में आयोजित किये जायेंगे।

बीकानेर रेल मंडल में विद्युतीकरण कार्य पूरा, अब तेज रफ्तार से चलेंगी ट्रेनें

अब ट्रैक पर 25,000 वोल्ट के ओवरहेड विद्युत तार सक्रिय रहेंगे

- विद्युतीकरण से बीकानेर रेल मंडल का कनेक्टिविटी नेटवर्क मजबूत होगा और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी
- रेल लाइनों का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद रेलवे को हर साल लाखों लीटर डीजल की बचत होगी, जिससे ईंधन लागत में कमी आएगी

बीकानेर, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के बीकानेर रेल मंडल में रेल पटरियों का विद्युतीकरण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह उपलब्धि न केवल रेलवे के संचालन को अधिक सक्षम और पर्यावरण हितैषी बनाएगी, बल्कि यात्रियों के लिए सफर को अधिक सुविधाजनक, तेज़ और किफायती भी बनाएगी। अब ट्रैक पर 25,000 वोल्ट के ओवरहेड विद्युत तार सक्रिय रहेंगे, जिसे लेकर रेलवे प्रशासन आमजन से आवश्यक सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील कर रहा है।

रेल लाइनों का विद्युतीकरण कार्य पूर्ण होने के बाद अब इस रूट पर विद्युत चालित ट्रेनों का संचालन पूरी क्षमता से हो सकेगा, जिससे यात्री ट्रेनें तेज, प्रदूषण रहित और ऊर्जा दक्ष होंगी। विद्युतीकरण से रेलवे को हर साल लाखों लीटर डीजल की बचत होगी, जिससे ईंधन लागत में कमी आएगी और कार्बन उत्सर्जन में भी गिरावट आएगी।

इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ रेलवे की कार्यक्षमता में भी सुधार होगा। यात्रियों को बेहतर समयबद्धता, अधिक सुविधा और स्वच्छ सफर का अनुभव मिलेगा। रेलवे ने इस अवसर पर यात्रियों और आमजन से अपील की है कि वे सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुछ आवश्यक सावधानियों का पालन करें, क्योंकि अब ट्रैक के ऊपर लगे ओवरहेड वायर में हर समय 25,000 वोल्ट करंट प्रवाहित रहेगा, जो अत्यधिक उच्च वोल्टेज है।

भूपेश यादव, सीनियर डीसीएम, उपरे, बीकानेर मंडल का कहना है कि रेल मंडल ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस बदलाव का स्वागत करें, जागरूक बनें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें, क्योंकि परिवर्तन तभी सार्थक होता है जब हम सब उसका उत्तरदायी और जागरूक हिस्सा बनें। रेलवे द्वारा जारी की गई गाइडलाइन की पालना करें, ताकि सभी की यात्रा सुखद हो सके। इस संदेश के साथ बीकानेर रेल मंडल द्वारा एक विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है ताकि आमजन को सुरक्षा नियमों की जानकारी दी जा सके। इस अभियान के माध्यम से लोगों को बताया जा रहा है कि सतर्कता ही सुरक्षा की कुंजी है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित, तेज़ और स्वच्छ रेलवे का मार्ग प्रशस्त करेगा। विद्युतीकरण से बीकानेर रेल मंडल का कनेक्टिविटी नेटवर्क मजबूत होगा और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति मिलेगी।

सरपंच व ई-मित्र संचालक रिश्वत लेते गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर इलाके में हनुमान नगर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत इटुंदा सरपंच और ई-मित्र संचालक को भीलवाड़ा एसीबी की प्रथम यूनिट ने 24 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप किया है।

- ठेकेदार गोविंद से बिल पास करने की एवज में रिश्वत मांगी

एसीबी सूत्रों के अनुसार इटुंदा सरपंच अनुसिंह मीणा ठेकेदार गोविंद से बिल पास करने की एवज में रिश्वत की मांग कर रहा था। ई-मित्र संचालक परमेश्वर मीणा के सहयोग से यह रिश्वत राशि प्राप्त की जा रही थी। एसीबी ने

ग्राम पंचायत इटुंदा सरपंच और ई-मित्र संचालक को भीलवाड़ा एसीबी की प्रथम यूनिट ने 24 हजार की रिश्वत लेते ट्रेप किया।

शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की योजना बनाई और सरपंच अनु सिंह को दलाल ई-मित्र संचालक परमेश्वर के साथ 24 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। फिलहाल एसीबी की टीम मामले की जांच कर रही है।

अवैध बजरी से भरे 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली, दो लोडर व तीन बाइक जब्त

अवैध बजरी खनन में लिप्त मिले 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया

टोंक, (निसं)। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध बजरी खनन और परिवहन की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विभिन्न थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 15 ट्रैक्टर-ट्रॉली मय बजरी व दो लोडर, तीन बाइक जब्त की है। वहीं अवैध बजरी खनन में लिप्त मिले 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से बजरी माफियाओं हड़कंप मच गया, जिससे कई बजरी माफिया तो पुलिस को देखकर भाग छूटे। इस मामले में अलग-अलग थानों में 10 प्रकरण दर्ज किए हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने बनास नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई की है।

विभिन्न थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन में लिप्त मिले आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने बताया कि जब्तशुदा वाहनों और खनन में काम ली जा रही सभी मशीनों की कीमत करोड़ों रुपए में आंकी जा रही है। यह कार्रवाई वजीरपुरा, लहन पालड़ा और बनास नदी से सटे अन्य क्षेत्रों में की गई, जो कि लंबे समय से अवैध खनन गतिविधियों के लिए शिकायत के दायरे में रहे हैं। पुलिस ने इस दौरान आठ को गिरफ्तार किया है।

बीडीओ और वीडीओ के बीच मारपीट

नोखा, (निसं)। पंचायत समिति में विकास अधिकारी भोमसिंह इंदा और ग्राम विकास अधिकारी रामनिवास भादू के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट में गंभीर रूप से घायल रामनिवास भादू का बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में इलाज चल रहा है। भोमसिंह इंदा को भी इस घटना में चोटें आई हैं। घटना के विरोध में दर्जनों ग्राम विकास अधिकारियों ने पंचायत समिति परिसर में टेंट लगाकर धरना शुरू कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बीकानेर से जिला परिषद की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची है। नोखा और पांचू के जनप्रतिनिधियों ने एसडीएम गोपाल जांगिड़ को ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारी को हटाने की मांग की है।

भानीपुरा के खेतों में एक ही रात में खेजड़ी के सैकड़ों पेड़ काटे

बीकानेर, (निसं)। आने वाले दो साल में बीकानेर भले ही देश में सबसे बड़ा सोलर हब बनकर उभर आए, लेकिन राज्य वृक्ष खेजड़ी कितनी बचेगी, कहना मुश्किल है। बीती रात शहर से करीब 150 किलोमीटर दूर भानीपुरा गांव के खेत में खेजड़ी के 428 पेड़ों की बलि दे दी गई। एक सप्ताह पहले लाखूसर में 807 पेड़ काटने की घटना हो चुकी है। खेजड़ी कटने की सूचना मिलने पर प्रशासन मौके पर पहुंचा तो खेत में दूर-दूर तक खेजड़ी के कटे हुए पेड़ जमीन पर नजर आ रहे थे। कई पेड़ ऐसे भी थे, जिन पर पक्षी शोर मचाते मंडरा रहे थे। पेड़ों में झांका तो अंदर उनके घोंसले थे, जो नष्ट हो चुके थे। पटवारी मूलदान चारण और वन रक्षक कटे हुए पेड़ों की गिनती करने में जुटे थे। पर्यावरण प्रेमी सोलर कंपनी को कोस रहे थे। सोशल मीडिया पर घटना का लाइव चलाया जा रहा था। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी।

- एक सप्ताह पहले लाखूसर में 807 पेड़ काटने की घटना हो चुकी है

पटवारी ने बताया कि करीब 100 बीघा जमीन पर 428 पेड़ कटे हुए मिले हैं। यह खेत गांव के ही किसानों के हैं, जिन्होंने अमृतसर की अलप सोलर प्राइवेट लिमिटेड को लीज पर दे दिए हैं। कुल 15 खसरे 23 खातेदारों के नाम हैं। पूगल, छत्तरगढ़ और बीकानेर उपखंड क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सोलर कंपनियों ने किसानों की जमीनें लीज पर ली हैं। प्राइवेट कंपनियां 5168 मेगावाट के सोलर प्लांट लगा रही हैं। यह प्लांट 20 हजार 672 बीघा में लगेंगे, लेकिन जमीन की खरीद इससे अधिक हुई है। राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के आंकड़े बताते हैं कि 4450 मेगावाट के सरकारी प्लांट भी लग रहे हैं। आने वाले दो सालों में कुल 9618 मेगावाट के सोलर प्लांटों से विद्युत उत्पादन शुरू हो जाएगा। भानीपुरा गांव के हर खेत में पानी के टांके बने हुए हैं। सोलर प्लांट के कारण यह भी खत्म हो जाएंगे। यहां पर अमृतसर की अलप सोलर प्राइवेट लिमिटेड 600 मेगावाट का सोलर प्लांट लगा रही है। इसके लिए किसानों की करीब चार हजार बीघा जमीन लीज पर ली गई है।

पर्यावरण प्रेमी मोखराम, जेठाराम, प्रभुराम ने बताया कि पेड़ों की कटाई के साथ ही पानी के टांके भी तोड़ दिए जाएंगे। इन टांकों का पानी पीकर किसान प्यास बुझाते हैं। पशु भी यही पानी पीते हैं। हर टांके के पास पशुओं के लिए खेली बनी हुई है। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सोलर के कारण प्राकृतिक संपदा खत्म हो रही है। एक खेजड़ी को पनपने में सालों लग जाते हैं।

पुष्कर में पूर्णिमा महोत्सव शुरू

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर में अंतर्राष्ट्रीय संत कृष्णानंद महाराज का दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव दाधीच भवन में आयोजित किया जाएगा। इसके पूर्व गंनगौर घाट पर कृष्ण नंद महाराज ने सैकड़ों भक्तों के साथ महाआरती की। वराह घाट पर रामानंद शास्त्री के सानिध्य में आरती की गई। गणगौर घाट पर राहुल पाराशर ने आरती की। वराह घाट पर रवि शर्मा ने आरती की। इस दौरान संत कृष्णानंद की धर्मपत्नी सीमा शर्मा, पुत्र आनंद शर्मा, पुत्री कृष्णा नंदिनी मौजूद रहे। पुष्कर के पंडित कैलाशनाथ दाधीच पुष्कर की महिमा बताई। दामोदर मुखिया, पूर्व पालिका अध्यक्ष मंजूकुड़िया, सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश कुड़िया मौजूद थे। आरती की तैयारी इन्द चंद पंवार की।

कृष्ण नंद जी महाराज ने प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान में धर्म एक आडम्बर और व्यवसाय बनता जा रहा है। जिस दिशा के अंदर धर्म व्यवसायीकरण में जा रहा है उससे हम लोग बचा सके सच्ची भक्ति सरल भक्ति सहज भक्ति दे सके वो ही भक्ति कल्याणकारी होती है। बहुत ज्यादा ज्ञान और बहुत ज्यादा धन दोनों हो दुख का कारण है। परमात्मा कहते हैं धन इतना हो हमारा जीवन अच्छा हो सके।

सोना लूट मामले में पुलिस ने खुलासा किया

कोटा, (निसं)। कैथूनीपोल थाना इलाके के मोहन टॉकिज रोड़ पर व्यापारी से चाकू की नोंक पर सोने की लूट के मामले में पुलिस ने पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान के बाद लूटा सोना, सोना बिक्री की नकद राशि एवं वारदात में प्रयुक्त हथियार चाकू, 3 मोटरसाइकिल व एक एक्टिवा स्कूटर को बरामद किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन ने बताया कि मोहन टॉकिज रोड़ पर व्यापारी से दिनदहाड़े चाकू की नोंक पर सोने की लूट के मामले को गंभीरता से लेते हुए वारदात का खुलासा करने के लिये पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया साथ ही एक नाबालिग को निरूद्ध किया।शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान व पूछताछ में सामने आया कि घटना के बाद लूट का मुख्य आरोपी हरिओम उर्फ नन्दू शूटर द्वारा अपने साथियों के साथ हाइवे पर पहुंचकर सोने की लूट कराने का षडयंत्रकर्ता हर्षित सोनी को हाइवे पर बुलाकर लूट का सारा सामान उसको दे दिया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि मामले का षडयंत्रकर्ता हर्षित सोनी ने लूट के सोने का बंटवारा करते हुए अपने साथी आरोपी हरिओम उर्फ नन्दू शुटर को सोने का कड़ा, आरोपी राजन उर्फ साजन, आकाश वैष्णव, विष्णु डांगी,और आरोपी संदीप को दो-दो अंगुठी सोने की दी और लूटा हुआ शेष सामान लेकर हर्षित सोनी जयपुर निकल गया।

शहर एसपी ने बताया कि अनुसंधान में सामने आया कि हर्षित सोनी ने जयपुर पहुंचकर अपने मौसा शिव कुमार की सहायता से लूटे सोने में से कुछ सोना निकालकर गला कर सिल्ली बनाकर अपने मौसा के माध्यम से जयपुर के स्वर्ण मार्केट में बेचान करवाकर 20 लाख 50 हजार की रकम प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपियों में से मुख्य सरगना हर्षित सोनी से लूट का 250 ग्राम सोना व लूट के सोने की बिक्री रकम 20 लाख 50 हजार रूपये बरामद किये गये। आरोपी हरिओम उर्फ नन्दू शुटर से सोने का कड़ा एवं अन्य आरोपियों के पास से दो-दो सोने की अंगूठी बरामद की। शहर एसपी ने बताया कि मामले में अन्य आरोपियों से 3 माटरसाइकिल, एक एक्टिवा व चाकू बरामद किया। पकड़े गये आरोपियों में से आरोपी प्रदीप केवट, बनवारी व करण को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया तथा अन्य सात आरोपियों से अनुसंधान जारी हैं।

हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। घड़साना में दो जुलाई की रात एक सामूहिक हमले में बग्गा सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना उस समय हुई जब बग्गा सिंह अपने परिवार के साथ भोजन कर रहे थे। पीड़ित के पुत्र मंगा सिंह की रिपोर्ट के अनुसार, रात 8 बजे तीन गाड़ियों में सवार 10-15 लोगों ने उनके घर पर हमला किया। हमलावरों ने लाठी, डंडे, गंडासे, तलवार और देसी कट्टे से हमला कर दिया। जब परिवार ने बचाव का प्रयास किया तो हमलावरों ने मंगा सिंह की गर्भवती पत्नी परमजीत कौर को धक्का दे दिया। आसपास के लोगों के आने पर हमलावर भाग गए, लेकिन जब परिवार पुलिस थाने जाने लगा, हमलावरों ने लौटकर अकेले खड़े बग्गा सिंह पर दोबारा हमला किया। इस दौरान हवाई फायरिंग भी की गई। आरोपी जगतपाल का देसी कट्टा मौके पर गिर गया। गंभीर रूप से घायल बग्गा सिंह को बीकानेर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने विशेष टीम बनाकर जगतपाल सिंह, सर्वजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी और मोहम्मद हरुण को गिरफ्तार किया गया।

जानलेवा हमले के तीन आरोपियों को सात-सात साल का कठोर कारावास

बीकानेर, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश विकास कालेर ने गजनेर के इन्दों का बाला में 13 साल पहले हुए जानलेवा हमले में तीन आरोपियों को दोषी मानकर प्रत्येक को सात साल के कठोर कारावास और 30 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। एक अन्य अभियुक्त को संदेह का लाभ देकर बरी किया गया है।

- 13 साल पहले किया था जानलेवा हमला

जानकारी के अनुसा 30 अगस्त, 2012 को पीबीएम अस्पताल में भर्ती परिवादी प्रेमसिंह की ओर से गजनेर थाना पुलिस को दिए पर्चा बयान में बताया गया था कि रात को वह छैलूसिंह और लालसिंह खेत में गायों की रखवाली कर घर लौट रहे थे। रात करीब 10.45 बजे गांव के सरकारी स्कूल पानी स्टैंड के पास पहुंचे तो 10-15 लोग शराब पी रहे थे। उनमें से शंकरलाल, श्रवणराम ने धमकाते हुए कहा कि हमारी गुवाड़ में से कैसे जा रहे हो। इस बात को लेकर उन्होंने मुकेश कुमार व अन्य के साथ मिलकर कुल्हाड़ी, सरिये, लाठियों से हमला कर दिया। परिवादी के चोटें लगीं और छैलूसिंह व लालसिंह के सिर में चोट लगने से वे बेहोश होकर गिर गए।

कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद आरोपी शंकरलाल, मुकेश कुमार व श्रवण कुमार को दोषी माना और 7 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा प्रत्येक को 30 हजार रुपए का अर्थदंड भुगतना होगा। यह राशि जमा नहीं कराई तो 4 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। एक अन्य अभियुक्त जेठाराम को संदेह का लाभ देकर बरी किया गया है। आरोपियों की ओर से अर्थदंड की राशि जमा कराने पर अपील की मियाद खत्म होने पर लालसिंह को 60 हजार, छैलूसिंह को 20 हजार व प्रेमसिंह को 10 हजार रुपए क्षतिपूर्ति के दिए जाएंगे। कोर्ट में अभियोजन पक्ष की ओर से 17 गवाहों के बयान हुए। राज्य की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक जगदीश कुमार ने की।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी जोधपुर पहुंची

जोधपुर, (कासं)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को जोधपुर पहुंचीं और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिता दाऊलाल वैष्णव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। दिया कुमारी ने दाऊलाल वैष्णव के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में धैर्य और संबल बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

सूने स्थान पर कंकाल में तब्दील शव मिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती लूणी पुलिस थाना क्षेत्र के नया रिको एरिया में सूने स्थान पर महिला का शव मिला। शव दस से पंद्रह दिन पुराना है। उसे जानवरों ने नोंच दिया। प्रथमदृष्टया शव महिला का है और कंकाल में भी तब्दील हो गया है। सूचना मिलने के साथ पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

थानाधिकारी डॉ. हनवंत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि दोपहर में कांकाणी-निंबला रोड पर बन रहे नए रिको एरिया में सूने स्थान पर शव पड़ा होने की जानकारी मिली। इस पर पुलिस वहां पहुंची। शव दस से पंद्रह दिन पुराना है और किसी महिला का है। शरीर पर महिला के कपड़े हैं। शव बुरी तरह क्षत-विक्षत होने के साथ काफी कंकाल में भी बदल चुका है। उसे जानवरों द्वारा नोंच लिया गया है। मामला संदिग्ध लगने पर एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। एफएसएल टीम ने वहां से साक्ष्य जुटाए हैं। थानाधिकारी डॉ. राजपुरोहित ने बताया कि अग्रिम पड़ताल के लिए महिला की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। उसके बाद जांच आगे बढ़ पाएगी।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के खोरू गांव के पास स्कूल बस और बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई, जिससे बाइक सवार दो व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि बाइक पर सवार पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना के बाद ग्रामीणों ने घायलों को लक्ष्मणगढ़ जिला अस्पताल में पहुंचाया, जहां लक्ष्मणगढ़ के वार्ड 29 निवासी 22 वर्षीय निखिल की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि माता उषा देवी व पिता मुरारीलाल गम्भीर रूप घायल हो गया, जिसे सीकर रैफर किया गया है, सीकर राजकीय अस्पताल ले जाते समय रास्ते मे पिता मुरारीलाल ने दम तोड़ दिया।

ब्यावर जिले के विभिन्न थानों में जब्त पड़े अवैध मादक पदार्थ को नष्ट कराया

ब्यावर, (निसं)। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थानों में जब्त पड़ा अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त, स्मैक, एमडीएमए, गांजा व अफीम के पौधो का नष्टीकरण किया गया। 38 प्रकरणों में जब्तशुदा 46 क्विंटल डोडा-पोस्त, 2383 अफीम के पौधे, 26 ग्राम स्मैक, एमडीएमए 125 ग्राम व 27 किलोग्राम गांजा को जलाकर नष्ट किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिला ब्यावर के थानों पर अवैध मादक पदार्थ तस्करी से संबंधित दर्ज प्रकरणों में बरामद अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण हेतु न्यायालय से आदेश प्राप्त कर अवैध डोडा-पोस्त, स्मैक, एमडीएमए, गांजा व अफीम के पौधों को ब्यावर शहर के बाहर निश्चित स्थान पर जलाकर नष्ट किया गया।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थ को नष्ट कराया।

जिला ब्यावर के थानों पर एन.डी.पी. एस. के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण करने हेतु पुलिस मुख्यालय से निर्देश प्राप्त हुऐ थे। जिस पर नियमानुसार जिन प्रकरणों में न्यायालय से धारा 52 ए एन.डी.पी.एस. एक्ट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर कुल 38 प्रकरणों में जब्तशुदा अवैध डोडा-पोस्त, स्मैक, एमडीएमए, गांजा व अफीम के पौधे नष्ट करने हेतु नष्टीकरण समिति का गठन किया जाकर नौ जुलाई का दिन नियत किया गया था। निर्देशानुसार जिले के समस्त थानाधिकारियों प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को श्रीसीमेंट फैक्ट्री, ब्यावर लेकर पहुंचे।

वहां गठित समिति के अध्यक्ष जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर तथा सदस्य अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक ब्यावर व जयराम पुलिस निरीक्षक अपराध सहायक मय थानाधिकारी की उपस्थिति में नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थों का नियमानुसार नष्टीकरण किया गया। नष्टीकरण की प्रक्रिया में 46 क्विंटल डोडा पोस्त व 2383 अफीम के पौधे, 26 ग्राम स्मैक, 125 ग्राम एमडीएमए व 27 किलोग्राम गांजा को नियमानुसार जलाया जाकर संपूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई गई।

- 38 प्रकरणों में जब्तशुदा 46 क्विंटल डोडा-पोस्त, 2383 अफीम के पौधे, 26 ग्राम स्मैक, एमडीएमए 125 ग्राम व 27 किलोग्राम गांजा को जलाकर नष्ट किया

सूने मकान में 80 लाख के जेवर व नगदी चोरी का खुलासा

ब्यावर, (निसं)। सूने मकान में हुई चोरी का खुलासा कर पुलिस ने दो जनों को गिरफ्तार किया है। शाहपुरा मोहल्ला निवासी बलवंत रांका ने अपने घर हुई चोरी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में करीब 17 किलो चांदी, 600 ग्राम सोना व 2.5 लाख नकदी की चोरी होने का हवाला दिया गया था जो करीब 80 लाख की कीमत का आंका गया था। गौरतलब है कि बलवंत रांका के ऑफिस में ही कार्य करने वाले व्यक्ति को सफाई करने हेतु चाबी दी थी। उस व्यक्ति ने साजिश रची और चोरी की घटना को अंजाम दिया और चोरी का माल अपने दोस्त को सौंपा। रिपोर्ट पर कार्यवाही करते हुए एसपी श्याम सिंह व डिप्टी राजेश कसाना के निर्देशन में थानाधिकारी विजय सिंह के नेतृत्व में बनी टीम में इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर मेघाराम चौधरी की अहम भूमिका रही। जिस पर शुभम प्रजापत व मोहित सोनी को गिरफ्तार किया गया जबकि शुभम को जेल भेजते हुए मोहित को दो दिन की पुलिस रिमांड पर रखा गया।

वैध बजरी लीजधारक कलेक्टर से मिले

नागौर, (निसं)। नागौर के रियांबड़ी में ग्रामीणों और बजरी खनन करने वालों के बीच हुई झड़प के बाद बुधवार को बजरी खनन के लीजधारकों ने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर आक्रोश व्यक्त किया लीजधारकों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर खनन के लिए सरकार से अनुमति होने के बावजूद आमजन के विरोध को देखते हुए सुरक्षा की भी मांग की है। लीजधारक नमन चौधरी व सुशील जाजड़ा ने कहा कि राज्य सरकार की स्वीकृत वैध बजरी लीज पर कार्य करने के बावजूद लगातार राजनीतिक, सामाजिक एवं प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। दोनों लीजधारकों के नेतृत्व में सैकड़ों बजरी व्यापारियों ने जिला कलेक्टर को दिए ज्ञापन में लिखा है कि सरकार से स्वीकृत लीज पूरी तरह वैध हैं। ये सभी जरूरी दस्तावेज, शुल्क और शर्तों के साथ स्वीकृत हुई हैं, लेकिन गत सात जुलाई को ग्रामीणों ने वाहनों पर हमला किया, जेसीबी मशीन को जलाया, धर्मकांटे को आग लगाने की कोशिश की, कर्मचारियों से मारपीट व धमकियां दीं। इन घटनाओं की वजह से वैध खनन कार्य को सुनियोजित तरीके से बाधित किया जा रहा है। लीजधारक नमन चौधरी और सुशील जाजड़ा ने कहा कि कुछ स्थानीय राजनीतिक नेता इस पूरे मामले को जानबूझकर भड़काने का प्रयास कर रहे हैं और जनता को गुमराह कर सरकारी ऑक्शन में रिलीज हुई माइन में खनन कार्य को अवैध साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। ये लोग अवैध खनन को सहयोग प्रदान कर रहे हैं। ज्ञापन देकर गत 7 जुलाई को हुई हिंसक घटना के मुख्य दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

मैंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर के साथ अपने रिश्ते के बारे में विस्तार से बात की और बताया कि कैसे टीम ने एक टेस्ट क्रिकेटर बनने और देश के लिए जो कुछ भी हासिल किया, उसमें मदद की। - विराट कोहली

भारतीय क्रिकेटर, संन्यास के फैसले के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

नगांगबाम स्वीटी देवी

भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा कि एएफसी महिला एशिया कप ऑस्ट्रेलिया 2026 के लिए भारत के ऐतिहासिक क्वालीफिकेशन को चार दिन हो चुके हैं हम आराम के मूड में नहीं है, हमारा विश्वकप खेलने का सपना जिंदा है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान नगांगबाम स्वीटी देवी ने कहा, यह वाकई राहत देने वाला है। पिछली बार जब भारत ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, तो हम कोविड के कारण नहीं खेल पाए थे। लेकिन इस बार हमने अपने सभी मैच अच्छे से खेले, हमने हर तरह का प्रयास किया और हम क्वालीफाई कर गए।

क्या आप जानते हैं ?... रवींद्र जडेजा डब्ल्यूटीसी इतिहास में 2,000 रन बनाने और 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने।

एडवांटेज लॉर्ड्स के लिए उतरेंगे भारत और इंग्लैंड

लंदन, 9 जुलाई। भारत और इंग्लैंड सीरीज में 1-1 की बराबरी हो जाने के बाद गुरूवार से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में एडवांटेज लॉर्ड्स के लिए उतरेंगे। जीतने वाली टीम को सीरीज में 2-1 की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल हो जायेगी। पहला टेस्ट हारने के बाद भारतीय टीम ने दूसरे टेस्ट में जबरदस्त वापसी करते हुए रनों के लिहाज से 336 रन से विदेशी जमीन पर अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की थी। दूसरा मैच हारने के बाद इंग्लैंड की टीम भी वापसी करने के लिए बेताब होगी और इसके लिए उसने लॉर्ड्स में तेज और उछाल वाली पिच रखने को अपना लक्ष्य बनाया है।

इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए तेज और उछाल भरी जीवंत पिच की मांग की है। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि एजबस्टन में तैयार की गई उपमहाद्वीप जैसी पिच और टॉस पर गेंदबाजी चुनने का इंग्लैंड का फैसला भारत के पक्ष में गया। वे गुरुवार से शुरू हो रहे

तीसरे टेस्ट में घरेलू हालात का बेहतर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। वे अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने पर भी विचार कर रहे हैं क्योंकि इन गेंदबाजों को पिछले दो टेस्ट के दौरान मैदान पर काफी मेहनत करनी पड़ी है।

इस मैच में तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और गस ऐटकिंसन की इंग्लिश टीम में वापसी हो सकती है। हैमस्ट्रिंग खिंचाव के बाद एटकिंसन की कमी इंग्लैंड को खली है और उनकी रिकवरी उम्मीद से ज्यादा लंबी रही है। लेकिन उन्हें तीसरे टेस्ट के लिए 16 सदस्यीय दल में शामिल किया गया है, जिसमें आर्चर, सैम कुक और जैमी ओवर्टन भी अतिरिक्त तेज गेंदबाज के रूप में हैं। एटकिंसन का लॉर्ड्स में शानदार रिकॉर्ड रहा है और उन्होंने यहां दो टेस्ट में एक शतक के साथ-साथ 19 विकेट भी लिए हैं।

भारत के तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और आकाशदीप सिंह ने दूसरे टेस्ट में शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल 17 विकेट लिए थे। सिराज ने पहली पारी में छह विकेट और आकाशदीप ने दूसरी पारी में छह विकेट झटके थे। उनके प्रदर्शन ने भारत की जीत के लिए आधार तैयार किया था। तीसरे मुकाबले में भारत को अपने ट्रम्प कार्ड जसप्रीत बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी । बुमराह ने पिछली बार 24 जून को हेडिंग्ले टेस्ट के दौरान गेंदबाजी की थी। उस टेस्ट में उन्होंने कुल 43.4 ओवर फेंके थे। उस दौरान उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट लिए और दूसरी पारी में विकेट रहित रहे।

15 स्थान की लम्बी छलांग के साथ छठे नंबर पर पहुंचे गिल

दुबई, 9 जुलाई। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में दूसरे टेस्ट में अपने जबरदस्त प्रदर्शन की बदौलत 15 पायदान ऊपर चढ़कर टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गये है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक हमवतन जो रूट को पछाड़ कर शीर्ष पर पहुंच गये हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से जारी ताजा टेस्ट रैंकिंग के अनुसार एजबस्टन में पहली पारी में 158 रन बनाने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने अपने साथी जो रूट को पछाड़ कर जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है और अब रूट से 18 अंक आगे हो गए हैं। जो रूट अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

दूसरे टेस्ट में 269 और 161 रनों की ऐतिहासिक पारियां खेलने वाले भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल 15 स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। यह उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ 807 रेटिंग अंक हैं। इसके अलावा केन विलियमसन (तीसरे), यशस्वी जायसवाल (चौथे) और स्टीवन स्मिथ (पांचवें) हैं। अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 184 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के विकेटकीपर-बल्लेबाज जेमी स्मिथ को भी फायदा हुआ है, वह 16 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नाबाद 367 रन की विशाल पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ऑलराउंडर वियान मुल्डर को बल्लेबाजों और ऑलराउंडरों, दोनों की रैंकिंग में फायदा हुआ है।

स्वियाटेक विंबलडन में अपने पहले सेमीफाइनल में

लंदन, 9 जुलाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक ने आज अपने ग्रास कोर्ट के सफर में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-2, 7-5 से हराकर अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑल इंग्लैंड क्लब में जूनियर चैंपियन के रूप में ग्रैंड स्लैम जीतने के छह साल बाद।

क्ले कोर्ट पर लंबे समय से दबदबा रखने वाली 23 वर्षीय पोलिश स्टार ने विंबलडन के लॉन पर नए आत्मविश्वास का परिचय दिया। उन्होंने सटीकता और ताकत का मिश्रण करते हुए सेंटर कोर्ट पर 21वीं वरीयता प्राप्त रूस की खिलाड़ी को मात्र 90 मिनट से भी कम समय में हरा दिया। इस जीत से स्वियाटेक की जीत का सिलसिला 11 मैचों तक पहुंच गया और ऑल-सरफेस चैंपियन के रूप में उनकी साख और मजबूत हो गई।

टूर्नामेंट से पहले बोलते हुए, स्वियाटेक ने 2018 में विंबलडन में अपनी जूनियर जीत को याद किया, जिसे उन्होंने एक बार "उस समय अपने करियर का सबसे यादगार पल" बताया था। हालांकि, जूनियर सफलता से पेशेवर स्थिरता तक का यह सफर उतना जादुई नहीं था जितना उन्होंने सोचा था।

सेमीफाइनल में उनका सामना 17 वर्षीय रूसी सनसनी और 7वीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा या 2021 ओलंपिक चैंपियन स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक से होगा। दोनों ही खतरनाक प्रतिद्वंद्वी मानी जाती हैं, लेकिन स्वियाटेक इस मैच में पसंदीदा खिलाड़ी के रूप में उतरेंगी, क्योंकि उनके करियर में अब तक का एकमात्र ग्रैंड स्लैम जीतने की चाहत है।

अल्काराज और अनिसिमोवा विंबलडन के सेमीफाइनल में

लंदन, 9 जुलाई। गत विंबलडन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को और महिला वर्ग में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइल में प्रवेश किया। सेंटर कोर्ट में खेले क्वार्टर फाइनल में अल्काराज ने एक घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए नॉरी को 6-2, 6-3, 6-3 से सेमीफाइनल में जगह पक्की की। एक नंबर कोर्ट पर खेले गये मुकाबले में अमांडा अनिसिमोवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक नाटकीय क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रूस की अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-1, 7-6(9) से हराकर पहली बार विंबलडन सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

राहुल सैनी के ऑलराउंड खेल से जीती बी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 9 जुलाई। नेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे अंडर-19 नेशनल कप में के बी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 238/8 रन बनाए। जिसमें राहुल सैनी ने 108 रन व विक्की यादव ने 37 रनों का योगदान दिया। एनसीसी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में समीर गोरा ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एन सी सी क्रिकेट अकादमी 20.2 ओवर में 90 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें भवानी ने अधिकतम 26 रन बनाए। के बी रॉयल्स क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में राहुल सैनी ने 4 विकेट व सुमित सैनी ने 3 विकेट और अजीत सैनी को 2 विकेट मिले। मैन ऑफ द मैच-राहुल सैनी रहे।

लक्ष्य एकेडमी 57 रन से विजेता

जयपुर, 9 जुलाई। एस.एच. एस. क्लब द्वारा आयोजित प्रथम अंडर 14 फेडस क्रिकेट कप में खेले गये मैच मे लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी और एस.बी. सी ए क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया । लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी ने 244/6 पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर मे बनाए। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी की ओर से उत्सव शर्मा ने 76 रन, प्रियंक ने 49 रन और दिवित नकवाल ने 29 रन बनाये। एस.बी. सी ए क्रिकेट एकेडमी की और से गेंदबाजी करते हुए यशपाल जाडोन ने 47 रन देकर 2 विकेट और दिपक ने 58 रन देकर के 1 विकेट , मनप्रित ने 21 रन देकर के 1 विकेट लिया। एस.बी.सी ए क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 187/10 32.2 ओवर में ऑल आउट हो गई। एस.बी. सी क्रिकेट एकेडमी कि ओर से भव्याशं सिंह ने 47 रन, मनीष पटेल ने 44 रन, अंकित यादव ने 12 रन बनाये। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी गेंदबाजी करते हुए अक्षत प्रधान ने 37 रन देकर 1 विकेट, प्रियाशु सैनी ने 26 रन देकर 5 विकेट, कृष्णा ओझा ने 30 रन देकर 2 विकेट, रिषभ ने 19 रन देकर 1 विकेट लिया। लक्ष्य क्रिकेट एकेडमी 57 से विजेता हुई।

बुमराह और आर्चर की वापसी, लेकिन कैसा बर्ताव करेगी पिच?

लंदन, 9 जुलाई। एजबेस्टन में जसप्रीत बुमराह के बिना सीरीज में 1-1 की बराबरी करने के बाद अब भारत की अगली परीक्षा लॉर्ड्स का ऐतिहासिक मैदान होगा। एक ओर जहां जोफ्रा आर्चर साढ़े चार साल बाद इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में वापसी करते दिखेंगे तो वहीं जसप्रीत बुमराह भी इस टेस्ट में खेलते दिखेंगे। लॉर्ड्स में पिच ही नहीं ओवरकास्ट परिस्थितियां भी अहम रोल निभाती है, तो चलिए जानते हैं कि इस मैच में क्या उम्मीदें रहने वाली हैं। इंग्लैंड ने इस मैच से पहले भी अपनी प्लेइंग इलेवन घोषित कर दी है, जहां पर जोफ्रा आर्चर की साढ़े चार साल बाद टेस्ट में वापसी हुई है। 2019 में इसी मैदान पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। एजबस्टन में खेली इंग्लैंड टीम में एकमात्र यही बदलाव है। उनको जॉश टंग की जगह लिया गया है, जिन्होंने 33.63 की औसत से सीरीज में सबसे अधिक विकेट लिए हैं।

इंग्लैंड : 1 जैक क्रॉली, 2 बेन डकेट, 3 ऑली पोप, 4 जो रूट, 5 हैरी ब्रूक, 6 बेन स्टोक्स (कप्तान), 7 जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), 8 क्रिस वोक्स, 9 ब्रायडन कार्स, 10 जोफ्रा आर्चर, 11 शोएब बशीर

बुमराह की अनुपस्थिति का एजबेस्टन में कोई फर्क नहीं पड़ा, लेकिन अब उनकी इस टेस्ट में वापसी से टीम इंडिया को एक बूस्ट मिल सकता है, जहां उनके पास 2-1 की बढ़त बनाने का मौक़ा होगा। उनके प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में जगह बनाने की अपेक्षा है, जो पहले दो मैचों में महंगे साबित हुए थे। वहीं एजबस्टन में आकाश दीप और मोहम्मद सिराज ने आपस में 17 विकेट बांटे थे। यही वजह है कि भारत कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को टीम में शामिल करने के प्रलोभन से बचना चाहेगा। वॉशिंगटन सुंदर एक

सुरक्षित विकल्प थे और उन्होंने पहली पारी में आठवें नंबर पर 42 रन बनाकर अपने चयन को सही साबित किया।

भारत (संभावित): 1 यशस्वी जायसवाल, 2 केएल राहुल, 3 करूण नायर, 4 शुभमन गिल (कप्तान), 5 ऋषभ पंत (विकेटकीपर), 6 नीतीश कुमार रेड्डी, 7 रवींद्र जडेजा, 8 वॉशिंगटन सुंदर, 9 जसप्रीत बुमराह, 10 आकाश दीप, 11 मोहम्मद सिराज

पिच और परिस्थिति

जैसा कि कहावत है, लॉर्ड्स एक नीचे नहीं, ऊपर देखो मैदान है, जहां पिच की तुलना में ओवरकास्ट स्थितियां पिच के व्यवहार में बड़ी भूमिका निभाती हैं। यह धारणा पिछले महीने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में सच साबित हुई, जब आखिरी दिन थोड़ी देर के लिए सूरज निकला और एक समय दोनों टीम जिस पिच पर संघर्ष कर रही थी वह, दक्षिण अफ्रीका के लिए 282 रनों की आसान जीत दर्ज करने में सहायक बन गई। इंग्लैंड को स्टोक्स-मैकुलम के दौर में चेज करना पसंद है लेकिन स्टोक्स का कहना है कि उनकी टीम इस धारणा से बंधी नहीं है। पिच पर जीवित घास है जो पहली सुबह कुछ मदद प्रदान करने की उम्मीद रखती है।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को 99 रनों से हराकर सीरीज जीती

पल्लेकेले, 9 जुलाई। कुसल मेंडिस (124), कप्तान चरित असालंका(58) की शानदार बल्लेबाजी के बाद असिता फर्नांडो और दुष्मंत चमीरा की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर श्रीलंका ने बंगलादेश को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 99 रनों हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। श्रीलंका ने मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका ने कुसल मेंडिस 114 गेंदों में (124), कप्तान चरित असालंका (58) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 285 रनों का स्कोर खड़ा किया। पथुम निसंका (35) और जनित लियानगे ने 12 रनों का योगदान दिया। वानिंदु हसरंगा (18) और दुष्मंत चमीरा (10) रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश की ओर से तसकीन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने दो-दो विकेट लिये।

राज्य में घरेलू क्रिकेट गतिविधियां पूर्व खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में होगी आयोजित : कुमावत

आरसीए एडहॉक कमेटी ने घरेलू क्रिकेट कैलेंडर 2025-26 हेतु गठित पूर्व खिलाड़ियों की कमेटी

जयपुर, 9 जुलाई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार राज्य के ोकप्रिय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान में क्रिकेट के विकास , युवा खिलाडियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन दिखाने , राज्य क्रिकेट को वापस पटरी पर लाने की जो जिम्मेदारी नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी को दी है उसे सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए हमारी आरसीए एडहॉक कमेटी हर स्तर पर अथक प्रयास कर रही है।

एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवारी ने बताया कि नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, पिंकेश पोरवाल, मोहित यादव व् स्वम मैंने पदभार ग्रहण करने के बाद से ही हमारा प्रथम प्रयास है कि राज्य में क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025- 26 का क्रिकेट कैलेंडर को राज्य के पूर्व खिलाडी ही तैयार करें व अपनी रिपोर्ट कमेटी को प्रस्तुतु करें जिससे राज्य की क्रिकेट गतिविधियों के आयोजन में व्यापक सहयोग मिलेगा। आशीष तिवारी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी का प्रयास यही है कि राजस्थान में क्रिकेट का

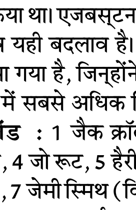

चहुमुखी विकास व विस्तार हो व राज्य के युवा खिलाडियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य में घरेलू क्रिकेट गतिविधियों का आयोजन व क्रिकेट सुविधाओं, तकनीक को विकसित किया जाये। कमेटी ने आरसीए की सभी आगामी सभी आयु वर्ग की पुरुष व महिला घरेलू क्रिकेट गतिविधियों व प्रतियोगिताओं की रुपरेखा व क्रिकेट कैलेंडर को बनाने हेतु राज्य के पूर्व पुरुष व महिला खिलाडियों की कमेटी बनाई है जो मुख्य रूप से राज्य के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की विस्तृत्व रुपरेखा बनाने व हर आयु वर्ग की पुरुष - महिला प्रतियोगिताओं का कैलेंडर तैयार कर अपनी रिपोर्ट आरसीए एडहॉक कमेटी को जल्द से जल्द सौंपेंगे जिससे राज्य में युवा खिलाडियों की अपेक्षा व आवश्यकता के अनुसार ही खेल गतिविधियां आयोजित होंगी व खिलाड़ी अपना बेहतरीन प्रदर्शन दे पाएंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा राज्य के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025-26 के क्रिकेट कैलेंडर व घरेलू क्रिकेट की रुपरेखा तैयार करने हेतु **गठित पूर्व खिलाडियों की कमेटी** :- पंकज सिंह, राहुल कांवट, अंशु जैन, रोहित झालानी, विलास जोशी, कुलदीप सिंह, शैलेन्द्र गहलोत, ज़ाकिर हुसैन, शमशेर सिंह, अंकित लाम्बा, नलिन जैन, अनूप दवे, गंगोत्री चौहान, कोमल चौधरी।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Est./2025/ 8376 Date : 27-06-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 22/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 18-07-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – DLB2526SLOB10405

Commissioner, Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/5846

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक–निर्माण शाखा / निविदा / 2025 / 1294–96 दिनांक : 07.07.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका, रतनगढ़ निम्न कार्यों हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों / सप्लायर्स से ऑफलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है, जो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में दिनांक 16.07.2025 को दोपहर 11.00 बजे तक विक्रय की जाकर दिनांक 16.07.2025 को को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त की जायेगी। प्रस्तुत सभी निविदाऐं दिनांक 16.07.2025 को मध्यान्ह पश्चात् 5.00 बजे उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जावेगी। कार्य से संबंधित शर्तें एवं विवरण निम्न हस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस को देखी जा सकती है।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A3271 UBN:- DLB2526WSOB10239

राज.संवाद / सी / 25 / 5833 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर निगम जोधपुर दक्षिण

पोलोटेक्निक कॉलेज, रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर

nnj@rediffmail.com Tel: 02912651464 Fax: 2651466

Sr.No- F 10/3084 Date- 07.07.2025

Notice Inviting Tender

UB NO. DLB2526WSOB10357

Nagar Nigam Jodhpur South invites proposals from the interested parties/bidders for development of Electric Vehicle Charging station on DBFOT basis at various sites in accordance with terms and conditions set forth in the Request For Proposal and Draft Concession Agreement (RFP). Detailed information about the works related to RFP, Concession Agreement, e-tender, tender details etc. can be seen on http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs.

Raj.Samwad/C/25/5843 Mayor Commissioner

कार्यालय जिला परिषद, (मत्स्य प्रकोष्ठ) राजसमन्द (राज.)

क्रमांक :- एफ(2)लेखा/ठेका/जिपम/2025-26/1122 दिनांक :- 04/07/2025

निविदा निलामी सूचना संख्या-1

राजसमन्द जिले में स्थित 'ख' श्रैणी के ठेकों से शेष रहे जलाशयों में मत्स्याखेट के अधिकार वर्ष 2025–26 (31 मार्च 2026) से आवंटन हेतु मुहरबंद निविदाऐ आमन्त्रित की जाती हैं। जलाशय जिनकी निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। निविदा प्रपत्र में अंकित हैं। दिनांक 24.07.2025 को मत्स्याखेट हेतु निविदा प्रपत्र एवं शर्ते निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार कार्यालय समय में निविदा शुल्क रूपये 400/–(अक्षरे चार सौ रूपये) मात्र डिमाण्ड ड्राफ्ट दिया जाकर प्राप्त की जा सकेगी। उच्चतम मूल्य निविदत्त करने पर नियमानुसार सभी प्रवर्ग के जलाशयों को स्टेजेज बढ़ोतरी के आधार पर पॉच वर्ष की अवधि के लिए ठेके पर देने का प्रस्ताव हैं।

निविदा विक्रय की अंतिम दिनांक व समय	निविदा जमा कराने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा खोले जाने की अतिंम दिनांक व समय	जिला परिषद के जलाशय मय आरक्षित राशि रूपये लाखों में
24.07.2025 दोपहर 1.00 बजे तक	24.07.2025 दोपहर 2.00 बजे तक	24.07.2025 दोपहर 2.30 बजे तक	बंध–सुखई–0.50 बंध–कुवास का गुढ़ा–0.58 बंध–लाखेला–0.86 बंध–सगरूण–0.73 बंध–सलोदा खेडा–1.16 बंध–कागमदाडा–1.43

निविदा के साथ प्रत्येक जलाशय की पृथक–पृथक आरक्षित राशि का 10 प्रतिशत अमानत राशि के रूप में मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, राजसमन्द के नाम देय बैंक डी.डी. द्वारा जमा करानी होगी। निविदा में अंकित किये जाने वाले नाम व निवास स्थान क पते की पूष्टी हेतु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, ड्राईविंग लाईसेंस, पेन कार्ड, आदि की प्रति निविदा फार्म खरीदते समय प्रस्तुत करनी होगी।

UBN No. - ZRR2526WSOB00363

NIB No.- ZRR2526A0199

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद, राजसमन्द

राज.संवाद/सी/25/5887

कार्यालय अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद् प्रतापगढ़ (राज.)

E-Mail :-sewdsc.pratapgarh@rajasthan.gov.in, Phone No.:-01478-220004

कमांक :- एफ) ज.ग्र.वि.भु.स/PMKSY 2.0/ निविदा/2025-26/684 दिनांक :- 02/07/2025

ई-निविदा सूचना (NIT-04/2025-26)

जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, जिला प्रतापगढ़ में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना 2.0 के द्वितीय चरण अन्तर्गत स्वीकृत परियोजना के अनुमानित लागत 97.31 लाख के कुल 07 पैकेज विभिन्न कार्य जिसमें कच्चा कार्य सी.सी.टी., डीप सी.सी.टी., एम.पी.टी., संकन पौण्ड, अर्धन चेक डेम एवं बैंक स्टेबलाईजेशन का क्षेत्रों के तहत मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि सहित करवाये जाने हेतु उपयुक्त क्षेणी के राजस्थान / केन्द्र सरकार के विभागों/अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों से https://eproc.rajasthan.gov.in पर ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया ई-निविदा दिनांक 02.07.2025 से दिनांक 15.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण एवं शर्ते उक्त पोर्टल एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर निम्नानुसार यूबीएन पर भी देख सकते है।

UBN : WSC2526WSOB00695 To WSC2526WSOB00701

NIB Code : WSC2526A0411

अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद प्रतापगढ़ (राज.)

राज.संवाद/सी/25/5906

जयपुर विकास प्राधिकरण

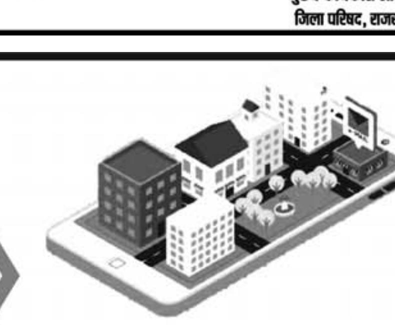

ई-नीलामी

जुलाई 2025 -II एवं अगस्त 2025-I

156 भूखण्ड/दुकान/गोदाम

129 व्यावसायिक भूखण्ड

07 शिवांक सिटी योजना, जयपुर
12 संतोष विला ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
01 गोविंदम आश्रम योजना, जयपुर
01 हरित विहार योजना, जयपुर
04 गोविन्दम आर्क्ड विस्तार योजना, जयपुर
07 गोविन्दम रेजिडेन्सी-बी योजना, जयपुर
05 दीनदयाल नगर, जयपुर
01 रामचन्द्रपुरा ERCB योजना, जयपुर
02 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
07 आकृति एन्क्लेव-बी योजना, जयपुर
05 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
02 गनक एन्क्लेव योजना, जयपुर
01 गोकुल ओरा योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2021/1547
04 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
06 शौर्य नगर योजना, जयपुर
04 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
03 दी रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/2033
06 संस्थागत योजना गांव-दहमी कलां, जयपुर
05 खुशी संसार योजना, जयपुर
01 न्यू आतिश मार्केट विस्तार ग्राम-सुखालपुरा, जयपुर
04 गोवर्धन विहार योजना, जयपुर
02 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2022/1799
07 अदिति एन्क्लेव वन योजना, जयपुर
11 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
06 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
02 सिंवार सिटी योजना, जयपुर
01 वेस्ट-वे हाइट्स योजना, जयपुर
01 गोल्डन रेजीडेंसी योजना, जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2023/2595
01 पत्रकार कॉलोनी, जयपुर
01 लालकोठी योजना, जयपुर
02 हनुमान नगर-एच जयपुर
01 कन्हैया कुंज, जयपुर
02 चेतन विहार, जयपुर
03 कृष्णा सिटी, जयपुर
01 श्रीनाथ एन्क्लेव तह. बस्सी, जयपुर

07 आवासीय भूखण्ड

02 निलय कुंज फेज़-II, जयपुर RERA Reg. No. RAJ/P/2019/937
02 स्वर्ण विहार जयपुर
01 शौर्य नगर योजना, जयपुर
02 महल योजना डी-ब्लॉक, जयपुर

05 फार्म हाऊस

05 गोविंदपुरा रोपाड़ा योजना, जयपुर

04 ग्रुप हाउसिंग

03 अनुपम विहार योजना, जयपुर
01 अनंतपुरा ग्रुप योजना, जयपुर

01 गोदाम (टाइप-बी)

01 ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड, जयपुर

02 संस्थानिक प्लॉट

01 फ्लेटेड हाउसिंह योजना मनोहरपुरा, जयपुर
01 रामचन्द्रपुरा योजना जगतपुरा, जयपुर

01 सर्विस यार्ड

01 (टाइप-ए) ट्रांसपोर्ट नगर सीकर रोड,जयपुर

01 निर्मित दुकान

01 अण्डरपास (एस.एम.एस. अस्पताल से ट्रोमा सेंटर) जयपुर

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

06 मिश्रित उपयोग भूखण्ड

01 वास्तु नगर जयपुर
05 मेट्रो एन्क्लेव जयपुर RERA Regi. No. RAJ/P/2019/1133

भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: +91 9462 569 696

रेरा वेबसाईट: http://rera.rajasthan.gov.in

नीलामी की नियम व शर्तो के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/25/5919

इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

मुख्यमंत्री ने मुडिया पूर्णिमा मेले के अवसर पर श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा की

उन्होंने सप्तकोसी गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं को जल सेवा व प्रसादी वितरण किया

डीग/ भरतपुर, 9 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुड़िया पूर्णिमा मेले के अवसर पर डीग जिले के पूंछरी का लौठा स्थित

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने बताया कि वे गत 25 वर्ष से अधिक समय से मुडिया पूर्णिमा के अवसर पर गिर्राज जी आ रहे हैं और सेवा कर रहे हैं।**

श्रीनाथ जी मंदिर में सपत्नीक दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

शर्मा ने इससे पहले सप्तकोसी गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर परिक्रमा कर रहे श्रद्धालुओं से मुलाकात की। सीएम ने पूंछरी में प्याऊ पर जल सेवा भी की तथा भक्तों को भंडारे की प्रसादी का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने विश्राम स्थली की व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रतिवर्ष मुड़िया पूर्णिमा मेले के अवसर पर गोवर्धन परिक्रमा मार्ग के पूंछरी में श्रद्धालुओं को शीतल जल एवं प्रसादी का वितरण करते हैं। मुख्यमंत्री ने श्रीनाथ जी मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में गुरु का महत्वपूर्ण स्थान होता है, जो उसे अंधकार से उजाले की ओर ले जाता है।

उन्होंने कहा कि वे गत 25 वर्षों से अधिक समय से मुड़िया पूर्णिमा के अवसर पर गिर्राज जी आ रहे हैं, यह स्थान भगवान श्री कृष्ण की क्रीड़ा स्थली रहा है। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक बहादुर सिंह कोली, डॉ. शैलेश सिंह आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुडिया पूर्णिमा के अवसर पर डीग जिले के पूंछरी का लौठा में श्रीनाथ जी मंदिर में पूजा-अर्चना की और गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में प्याऊ पर श्रद्धालुओं को पानी पिलाया।

ट्रंप ने 200 व्यापारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंच देने की पेशकश कर चुके हैं।

लेकिन रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी व्यापार वार्ताकारों के लिए यह ही पर्याप्त नहीं है। वे क्या चाहते हैं, यह शायद उन्हें खुद भी स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार दोहराया है कि दुनिया के देशों ने दशकों तक अमेरिका को "लूटा" है। अमेरिकी रुख को समझाते हुए उन्होंने कहा।

"वे कहते हैं... "हम तुम्हें पूरा एक्सेस देंगे, और तुमसे कोई टैरिफ नहीं लेंगे, लेकिन कृपया हम पर भी टैरिफ मत लगाना," और हमें यह सौदा पसंद नहीं आता, ट्रंप ने कहा। हम सख्त नहीं हैं, लेकिन अब समय आ गया है कि अमेरिका उन देशों से पैसा वसूले, जो हमें वर्षों से लूटते आए हैं, और हमारी पीठ पीछे हमें मूर्ख समझकर हँसते रहे हैं।

इसका क्या मतलब हुआ? इसका अर्थ यह है कि अमेरिका अब उन देशों से शुल्क या लाभ वसूलना चाहता है, जो उसके साथ व्यापार करना चाहते हैं। क्या वह चीन से यह अपेक्षा करता है कि वह अमेरिकी व्यापार घाटे से कमाए गए विदेशी मुद्रा भंडार को वापस लौटाए?

वैसे भी, जैसा कि भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कई मंचों पर कहा है, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता "बहुत पेशेवर ढंग से" चल रही है। किसी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में समय लगता है, क्योंकि इसमें अलग-अलग वस्तुओं और क्षेत्रों के लिए विस्तृत मानकों पर सहमति बनानी होती है।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग में ऐसे विशेषज्ञों की बहुत बड़ी संख्या है, संभवतः किसी भी अन्य देश की तुलना में कहीं अधिक, लेकिन इतनी बड़ी संख्या में देशों और उत्पाद श्रेणियों के लिए इतने व्यापक व्यापार समझौते बनाना और उन्हें एक ही समय पर लागू करना वास्तव में अत्यंत जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य है।

वायु सेना का जैगुआर फाइटर प्लेन राजलदेसर के पास क्रैश हुआ

सूरतगढ़ से रवाना हुए विमान के दोनों पायलट दुर्घटना में शहीद हुए

चूरू/राजलदेसर, 9 जुलाई (निसं)। राजलदेसर कस्बे की निकटवर्ती ग्राम पंचायत भानुदा में भारतीय वायु सेना का जैगुआर फायटर जैट क्रैश हो गया, घटना में दो पायलट शहीद हो गए।

- **एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, फाइटर प्लेन उसके खेत के ऊपर से गुजरा था, तब उसमें आग लग चुकी थी। पायलट गाँव को बचाते हुए प्लेन को आबादी से दूर ले गया।**

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने बताया कि दोनों पायलट ट्रेनिंग पर थे और सूरतगढ़ से रवाना हुए थे। गांव के ही राजदीप भुवाल तथा इंद्राज प्रजापत ने बताया कि यह फाइटर प्लेन उनके खेत के ऊपर से गुजरा था। उस समय उसमें आग लग चुकी थी, लेकिन गांव को बचाने के चक्कर में पायलट ने प्लेन को गांव के बाहर उतारने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग पूरी तरह से लग चुकी थी एवं एक पेड़ से टकराने के बाद प्लेन पूरी तरह जल कर नष्ट हो गया। गांव वालों ने घटना की सूचना राजलदेसर पुलिस थाना को दी, पुलिस थाना ने उच्च अधिकारियों को अवगत कराया तथा मौके पर गांव के ही नहीं, अपितु आसपास के हजारों की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। घटना के बाद बीकानेर पुलिस महानिदेशक ओमप्रकाश मीणा, बीकानेर संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, चुरु पुलिस अधीक्षक जय यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सुजानगढ़, दिनेश कुमार सहित, अनेक अधिकारी मौके पर पहुँचे।

घटना की सूचना मिलते ही वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर घटना स्थल पर पहुँचा। सेना के अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया एवं दोनों पायलटों के शवों को अपने कब्जे में ले लिया। समाचार लिखे जाने तक पायलटों के नामों की पुष्टि नहीं हुई। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा, यह हादसा बहुत दुखद है। बीकानेर पुलिस के आईजी ओम प्रकाश मीणा ने बताया कि पायलटों के नाम की जानकारी इंडियन एयर फोर्स के उच्च अधिकारियों के आने के बाद ही उपलब्ध करवाई जायेगी। इस घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ आदि ने इस दुखद घटना पर शोक प्रकट किया।

ट्रंप की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और खासकर भारत, जो एक नाज़ुक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर भारत ब्रिक्स का संस्थापक सदस्य है और बहुध्रुवीयता का समर्थन करने का मुखर पक्षधर है। दूसरी ओर, अमेरिका उसके सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक प्रमुख रक्षा सहयोगी और प्रौद्योगिकी निवेशक है।

भारत के लिए खतरा ट्रंप के लेबल की अस्पष्टता में है, उनकी नजर में "एंटी-अमेरिकी" व्यवहार क्या है? क्या रूस से कच्चे तेल का निरंतर आयात भारत के लिए दंड का कारण बन सकता है? या फिर ईरान के साथ बढ़ता व्यापार, जो अब ब्रिक्स का सदस्य है? या फिर भारत द्वारा "नॉन डॉलर" वैश्विक भुगतान प्रणाली के लिए भारत की वकालत?

चीन, जिसका अमेरिका से टकराव स्पष्ट है, के विपरीत, भारत सूक्ष्म दृष्टिकोण पसंद करता है। लेकिन ट्रंप के आर्थिक राष्ट्रवाद में सूक्ष्मता के लिए बहुत कम जगह है। अगर भारत को मॉस्को या तेहरान के करीब देखा जाता है, तो वॉशिंगटन पलटवार कर सकता है। भारतीय वस्त्र, फार्मा, और सॉफ़्टवेयर जैसे क्षेत्रों पर 10 प्रतिशत शुल्क व्यापार-आधारित क्षेत्रों को गहराई तक प्रभावित कर सकता है और वित्तीय बाजारों को अस्थिर कर सकता है।

तनाव को बढ़ाते हुए, मलेशिया के व्यापार मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया कि जबकि वह ब्रिक्स के सिद्धांतों का समर्थन करता है, लेकिन अमेरिका "मलेशिया का एक प्रमुख आर्थिक साझीदार बना हुआ है।" सऊदी अरब और वियतनाम, जो सम्मेलन में उपस्थित थे, ने चुप्पी साध ली और ट्रंप से टकराने का कोई इरादा नहीं जताया।

ब्रिक्स के अंतिम संवाद में कूटनीतिक रूप से शुल्क और सैन्य आक्रमण के बारे में चिंता जताई गई, लेकिन किसी का नाम नहीं लिया गया। यह एक सावधानी से तैयार की गई ढाल थी, तलवार नहीं। और इस तरह से सम्मेलन एकजुट प्रतिबद्धता में नहीं, बल्कि रणनीतिक चुप्पी में समाप्त हो गया।

भारत के लिए संदेश स्पष्ट है, ब्रिक्स का प्रयोग अब और साहसी होता जा रहा है, लेकिन लेन-देन के पक्षधर अमेरिकी राष्ट्रपति के तहत बहुपक्षीय महत्वाकांक्षा की कीमत महंगी हो सकती है। भारत की स्थिति तलवार की धार पर चलने जैसी है, ब्रिक्स के साथ भी संबंध रखना है और ट्रंप के अगले टैरिफ हमले का निशाना भी नहीं बनना है।

11 जुलाई को तय समय पर देश भर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार प्रभावित होगा। आरोपी जावेद के वकील ने कहा, "यह फिल्म शुक्रवार को रिलीज़ हो रही है। ट्रेलर 4 जुलाई को रिलीज़ हुआ था। इसमें सिर्फ अभियोजन (प्रॉसिक्यूशन) पक्ष का दृष्टिकोण दिखाया जा रहा है।"

याचिका की अर्जेंट सुनवाई की माँग को अस्वीकार करते हुये पीठ ने कहा, "(याचिका को) कोर्ट के पुनः खुलने पर संबंधित पीठ के समक्ष प्रस्तुत करें। फिल्म रिलीज़ होने दें।"

ज्ञातव्य है कि राजस्थान के उदयपुर में मुस्लिम समुदाय के दो लोगों द्वारा कन्हैयालाल की गर्दन काटकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा भी किया था।

कन्हैयालाल की हत्या इसलिये की गई थी कि उसने कथित रुप से भारतीय जनता पार्टी प्रवक्ता नूपुर शर्मा के समर्थन में एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा की थी। ज्ञातव्य है कि नूपुर शर्मा ने पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की थी। इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपी गई और इस घटना के सिलसिले में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोपी संख्या 8 द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि यह फिल्म धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है और मामले की निष्पक्ष सुनवाई में हस्तक्षेप कर सकती है।

याचिका में कहा गया है, "फिल्म का ट्रेलर और प्रचार सामग्री भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री से युक्त है, जिससे देश की धार्मिक एकता को खतरा हो सकता है और यह इस समय चल रही न्यायिक कार्यवाही को प्रभावित कर सकती है।" क्योंकि यह प्रकरण इस समय विशेष एनआईए अदालत में विचाराधीन है।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि आरोपी पर अभी दोषसिद्ध नहीं हुए हैं, और इस तरह का ट्रेलर और फिल्म, जो आरोपियों को दोषी के रुप में प्रस्तुत कर रहे हैं, मुकदमे को प्रभावित कर सकते हैं। याचिका में कहा गया है, "ऐसे समय पर इस तरह का ट्रेलर जारी करना, जिसमें आरोपियों को दोषी और कहानी को सच्चाई के रूप में दिखाया गया है, न्यायिक प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। यह निर्दोषता की धारणा को कमज़ोर करता है और जनमत को प्रभावित कर सकता है, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार पर असर पड़ सकता है, जबकि निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित है।"

याचिका में फिल्म की रिलीज़ पर रोक लगाने और सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) द्वारा जारी सैंसर सर्टीफिकेट को रद्द करने की मांग की गई है।

'हम बिहार के लोगों का वोट चोरी नहीं होने देंगे'

इंडिया गठबंधन के बिहार चक्काजाम में शामिल होने आए राहुल गांधी ने कहा

पटना, 9 जुलाई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केन्द्र की एन.डी.ए. मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में धांधली की गई थी और अब मोदी सरकार इसी मॉडल को बिहार चुनाव में अपनाना चाहती है।

इंडिया गठबंधन के चक्का जाम में शामिल होने आए राहुल गाँधी ने कहा कि गरीबों के हक को छीनने की साजिश रची जा रही है। लेकिन हमलोग ऐसा नहीं करने देंगे।

- **राहुल ने कहा सरकार ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर महाराष्ट्र में भी यही खेल खेला था पर हम बिहार में ऐसा नहीं होने देंगे।**

राहुल कहा कि लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन जीतकर आया, जबकि विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन बुरी तरह हार गया। उस समय हम लोगों ने कुछ नहीं कहा, लेकिन इस गंभीर विषय पर काम शुरू किया। हमने जांच की तो पता चला कि लोकसभा से ज्यादा मतदाताओं ने विधानसभा चुनाव में मतदान किया। आश्चर्यजनक ढंग से एक करोड़ वोट बढ़ गए। एक दिन में चार से पांच हजार वोट रजिस्टर हुए। जब हमने चुनाव आयोग से कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट दीजिए, तब चुनाव आयोग ने एक शब्द नहीं कहा। हमने चुनाव आयोग से कहा कि कानून कहता है कि हमें वोटर लिस्ट दी जाए, लेकिन आज तक महाराष्ट्र की वोटर लिस्ट हमें नहीं मिली। वे सच्चाई छिपाना चाहते हैं। यही खेल वे बिहार में भी करना चाहते हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग के अधिकारी भाजपा और आरएसएस के एजेंट की तरह बात कर रहे हैं। वे अपनी जिम्मेदारी भूल गए हैं। पहले चुनाव आयुक्त को सभी पार्टियां और चीफ जस्टिस मिलकर चुनते थे, लेकिन अब केवल भाजपा ही चुनाव आयुक्त को चुनती है। यही सच्चाई है। बिहार की जनता से मैं कहना चाहता हूं कि आपका वोट ही नहीं, भविष्य भी चोरी किया जा रहा है। लेकिन, इंडिया गठबंधन आप सबके साथ खड़ा है। हम लोग वोट की चोरी नहीं होने देंगे।

बिहार में दिखा महागठबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(ईसीआई) के खिलाफ नारे लगाए और बैनर लहराए।

दरभंगा में राजद कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया और टायर जलाकर सड़कों को जाम किया। वैशाली में मुजफ्फरपुर-हाजीपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच22) को, भैसें खड़ी करके, अवरुद्ध किया गया। नवादा में, इंडिया गठबंधन के समर्थकों ने झारखंड सीमा के पास राजौली में एनएच20 पर यातायात बाधित किया। विधायक अमरजीत कुशवाहा के नेतृत्व में राजद और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सीवान के जेपी चौक को बंद कर दिया। इस दौरान व्यापारिक प्रतिष्ठान, स्कूल-कॉलेज और वित्तीय संस्थान बंद रहे।

जहानाबाद, आरा, अररिया, सुपौल, सहरसा, कटिहार और किशनगंज से भी प्रदर्शन की खबरें मिलीं, जहां महत्वपूर्ण स्थानों पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

कानून-व्यवस्था के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) पंकज दराड़ ने कहा कि बंद के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए गए तथा "कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई।"

विपक्षी दलों ने चुनाव से कुछ महीने पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण की घोषणा पर सवाल उठाया है। उनका कहना है कि यह प्रक्रिया पहले भी की जा सकती थी। पिछले एक दशक में, ईसीआई ने आधार और राशन कार्ड को मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया है। लेकिन इस बार पुनरीक्षण के लिए जन्म प्रमाण पत्र और माता-पिता के दस्तावेजों की आवश्यकता बताई गई है। विपक्षी दलों का कहना है कि ऐसे दस्तावेजों की अनुपलब्धता, विशेष रूप से पिछड़े समुदायों के लोगों को, उनके वोट के अधिकार से वंचित कर सकती है। 24 जून को चुनाव आयोग ने इस पुनरीक्षण की घोषणा करते हुए कहा था कि मतदाता सूची को साफ करने की आवश्यकता है, क्योंकि शहरीकरण, बार-बार पलायन, पहली बार वोट डालने वालों की बढ़ती संख्या, मृत्यु की रिपोर्टिंग की कमी और अनिर्दिष्ट विदेशी नागरिकों के नामों के शामिल होने जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। आयोग ने बताया कि बिहार में अंतिम बार मतदाता सूची पुनरीक्षण 2003 में हुआ था, जिसमें लगभग 5 करोड़ लोगों को कवर किया गया था। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी संवैधानिक जिम्मेदारी है कि केवल भारतीय नागरिकों को ही मतदाता सूची में रखा जाए। इसके लिए उसने चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को निर्देश दिया है कि 2003 की सूची को पात्रता का प्राथमिक प्रमाण माना जाए, जब तक कि इसके विपरीत कोई सूचना प्राप्त न हो।

सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिनमें इस पुनरीक्षण को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं ने इस प्रक्रिया की समय सीमा और तरीके, जिसमें नागरिकता सिद्ध करने के लिए 11 दस्तावेज मांगे गए हैं (जिनमें आधार, वोटर आईडी और राशन कार्ड जैसे आम दस्तावेज शामिल नहीं हैं) को लेकर चिंता जताई है।

हाई कोर्ट ने पेपर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिफारिश उच्च स्तर पर भेजी। प्राधिकृत अधिकारी ने मामले में विस्तृत जांच करानी चाही, लेकिन इस दौरान ही हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भर्ती परीक्षा को रद्द करने की गुहार की गई। महाधिवक्ता ने कहा कि जब कोई निर्णय ही नहीं किया गया तो केवल निर्णय की प्रक्रिया को हाईकोर्ट में चुनौती कैसे दी जा सकती है। इसलिए याचिका को खारिज किया जाए। चयनित अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएन माथुर ने कहा कि तीनों सिफारिश निर्णय न होकर निर्णय लेने की प्रक्रिया का भाग थी।

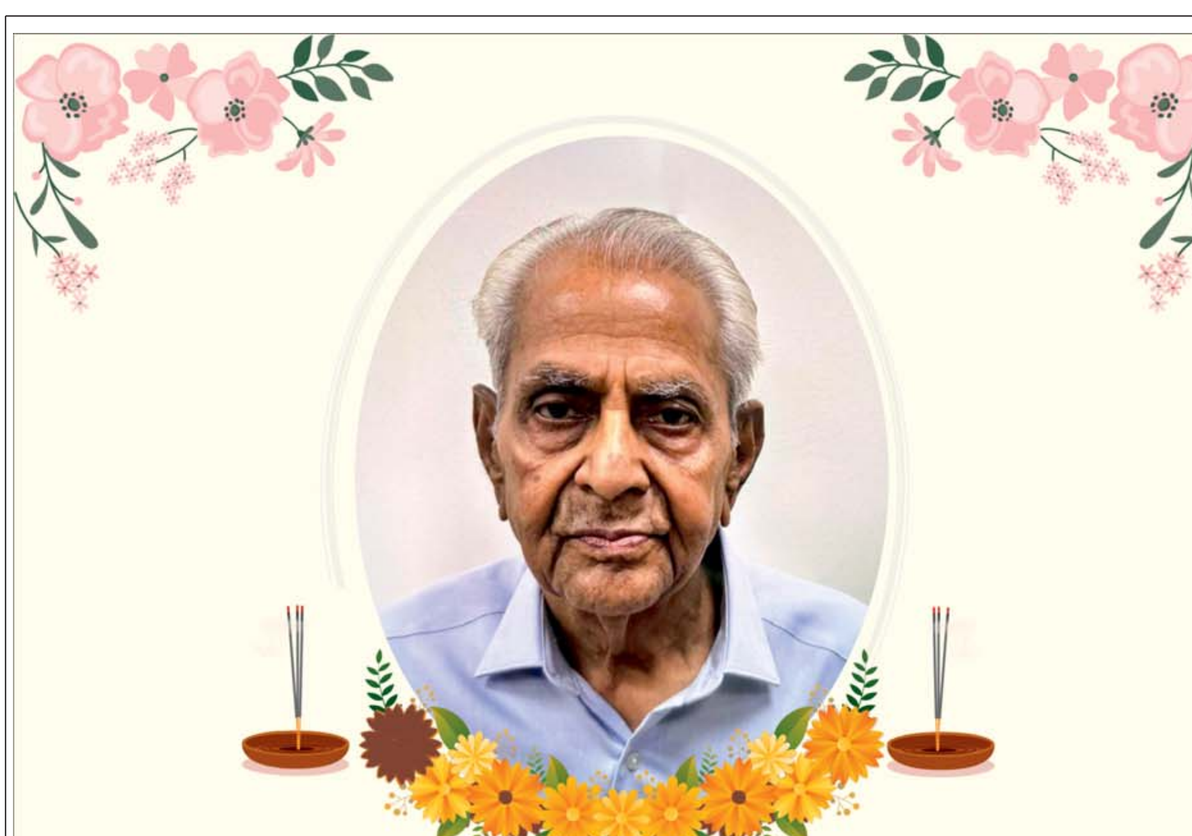

25 अक्टूबर 1943 - 08 जुलाई 2025

शोक संदेश/उठावणा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे श्रद्धेय श्री दाऊलाल जी वैष्णव, सुपुत्र स्व. श्री वरदराम जी वैष्णव, मूल निवासी जीवंद कलाँ, खैरवा - पाली का देवलोकगमन दिनांक 8 जुलाई 2025, मंगलवार को हो गया।

जिनके तीये का उठावणा दिनांक **10 जुलाई 2025,** गुरुवार को **सायं 4 से 6 बजे**, महावीर कॉम्प्लेक्स, तार घर के पास, सरदारपुरा, जोधपुर में रखा गया है।

शोकाकुल

धर्मपत्नी : श्रीमती सरस्वती देवी

पुत्र-पुत्रवधू : अश्विनी वैष्णव-श्रीमती सुनिता
आनन्द वैष्णव-श्रीमती ऊषा

पुत्री-जंवाई : आरती-चिरंजिवी जी, वंदना-गौरव जी

पौत्र-पौत्री : श्रेयांश, राहुल, तान्या, दिव्यान्श

दोहिता-वधू : कार्तिक-तबिशी, कृतिका, प्रज्ञा, अभ्युदय

ससुराल पक्ष: उम्मेदराम जी, श्रवणदास जी-सोनिया, रूपचंद जी-सरस्वती
भंवरदास जी-सुखी, किरणदास जी-इन्द्रा, प्रमोद जी-पिन्टू

निवास : C-17, महावीर कॉलोनी, शिवम अस्पताल के पास, रातानाडा, जोधपुर
मो. 9829934545, 9166991308

सरकार की श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ सड़कों पर उतरा इंडिया ब्लॉक

राष्ट्रव्यापी हड़ताल में विपक्षी दलों की एकजुटता व तालमेल दिखाई दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 जुलाई। बुधवार को पूरे भारत में उस समय असंतोष की लहर दौड़ गई जब ट्रेड यूनियनों, मज़दूर संगठनों और विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन के बैनर तले मोदी सरकार की विवादित मज़दूर नीतियों और बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के खिलाफ समन्वित रूप से देशव्यापी प्रदर्शन किए। इन विरोध प्रदर्शनों का चरम बिंदु "बिहार बंद" था, जिसे सफल माना गया है और इसने राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक टकराव को नई ऊर्जा दे दी है।

- **प.बंगाल में लम्बे अर्से बाद वामपंथी दलों की सक्रियता देखी गई। केरल में भी वामपंथी दलों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।**
- **नई दिल्ली में जंतर-मंतर दिन भर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना रहा।**
- **राष्ट्रव्यापी हड़ताल का चरम बिंदू दिखा बिहार बंद में।**

बिहार से उठी इस आवाज़ की गूंज देश के अन्य हिस्सों में भी सुनाई दी। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्यों में - जो मज़दूर आंदोलनों और वामपंथी सरकारों के लिए जाने जाते हैं - बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। कोलकाता और तिरुवनंतपुरम में जनसभाएं, रैलियां और सार्वजनिक परिवहन में बाधाएं इस व्यापक मजदूर-असंतोष का प्रतीक बनीं। हड़ताल को आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, सीआईटीयू तथा एआईयूटीसी जैसी प्रमुख ट्रेड यूनियनों का समर्थन मिला, जिन्होंने सरकार की नीतियों को "मज़दूर-विरोधी और जन-विरोधी" करार दिया तथा मजदूर-संरक्षण को कमजोर करने वाला बताया।

दिल्ली में राजनैतिक कार्यवाहियों का हृदय माना जाने वाला 'जन्तर मंतर' दिन भर प्रतिरोध का केन्द्र बना रहा, क्योंकि देशभर से आए मज़दूर संगठनों के प्रतिनिधियों ने यहाँ दिन भर धरना-प्रदर्शन किया। वरिष्ठ यूनियन नेताओं ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार द्वारा लायी जा रहीं चार नई श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) की निंदा की। एक एआईटीयूसी नेता ने "ये कानून मज़दूरों के वर्षों की लड़ाई से हासिल अधिकारों को छीनकर कंपनियों को निरंकुश शक्तियाँ देते हैं।" बैनर, नारे और जोशीले भाषणों के बीच, प्रदर्शनकारियों ने इन श्रम संहिताओं को वापस लेने और मतदाता सूची में छेड़छाड़ बंद करने की मांग की। मज़दूर असंतोष और चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर उठे सवालों ने मिलकर एक तीव्र राजनीतिक माहौल बना दिया है। जो विरोध केवल श्रम कानूनों के खिलाफ शुरू हुआ था, वह अब लोकतंत्र, पारदर्शिता और आर्थिक न्याय जैसे व्यापक मुद्दों पर आधारित एकजुट प्रतिरोध आंदोलन में बदलता जा रहा है। जैसे-जैसे इंडिया गठबंधन सड़कों पर सक्रियता दिखा रहा है और जनता को संगठित कर रहा है, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह आंदोलन भविष्य में एक ठोस चुनावी चुनौती में तब्दील हो सकता है। परंतु फिलहाल, बुधवार का 'बिहार बंद' एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में उभरा है - जो आने वाले महीनों में भारतीय राजनीति की दिशा तय कर सकता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908